RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

बोकारो, शनिवार

14.3.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 142

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

कांग्रेस ने बोडोलैंड के साथ विश्वासघात किया भाजपा ने दिलाई स्थायी शांतिः प्रधानमंत्री

एजेंसी। गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को असम के कोकराझार में आयोजित रैली को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कांग्रेस पर बोडोलैंड के साथ वर्षों तक विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दशकों तक बोडोलैंड क्षेत्र कांग्रेस के झूठे वादों और कागजी समझौतों का साक्षी रहा, जबकि भाजपा-राजग सरकार ने क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि खराब मौसम के कारण वे कोकराझार नहीं पहुंच सके और गुवाहाटी से ही लोगों को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से क्षमा मांगते हुए कहा कि वे दिल्ली से कोकराझार आने के लिए निकले थे, लेकिन मौसम की वजह से गुवाहाटी में ही उतरना पड़ा। मोदी ने कहा कि जब जनता ने केंद्र और असम दोनों जगहों से कांग्रेस को हटाकर भाजपा-राजग को मौका दिया, तब सरकार ने बोडोलैंड में स्थायी शांति के लिए ठोस प्रयास शुरू किए। इसी सोच के साथ वर्ष 2020 में बोडो शांति समझौता पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें पहली बार सभी प्रमुख संगठनों और समूहों को एक मंच पर लाया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोकराझार और आसपास के क्षेत्रों ने बीते दशकों में हिंसा और अशांति का कठिन दौर देखा है, जब यहां की पहाड़ियों में बम और गोलियों की आवाज गूंजती थी लेकिन आज स्थिति बदल रही है और क्षेत्र में शांति तथा विकास का नया दौर शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा-राजग की "डबल इंजन" सरकार असम की विरासत के संरक्षण और तेज विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को कोकराझार में 4,500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया। इनमें से 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बोडोलैंड क्षेत्र की सड़कों के विकास पर खर्च की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 के समझौते के तहत किए गए वादों को लगातार पूरा किया जा रहा है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से की बातचीत, भारतीयों की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति पर जोर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और बिगड़ते हालात के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से फोन पर बातचीत कर क्षेत्र की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा, बढ़ते संघर्ष और उसके संभावित वैश्विक प्रभावों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ती हिंसा, नागरिकों की मौत और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान को लेकर भारत गहरी चिंता व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने बातचीत के दौरान यह भी रेखांकित किया कि सामान और ऊर्जा की निर्बाध आवाजाही भारत के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि यदि ऊर्जा आपूर्ति या व्यापारिक

मार्गों में किसी तरह की रुकावट आती है तो इसका असर न केवल भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता भी प्रभावित हो सकती है। प्रधानमंत्री ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील करते हुए कहा कि मौजूदा संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने तनाव कम करने और रचनात्मक बातचीत को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि हालात और ज्यादा खराब न हों। भारत और ईरान के बीच लंबे समय से गहरे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। ऊर्जा सहयोग दोनों देशों के रिश्तों का महत्वपूर्ण आधार रहा है। इसके अलावा चाबहार पोर्ट परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक व्यापार और संपर्क का एक अहम रणनीतिक मार्ग मानी जाती है। प्रधानमंत्री मोदी की यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार, व्यापार मार्गों और प्रवासी समुदायों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। भारत इन परिस्थितियों में संतुलित कूटनीति के जरिए अपने राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय शांति, दोनों को साधने की कोशिश कर रहा है। भारत लगातार क्षेत्र में शांति, स्थिरता और कूटनीतिक समाधान की वकालत करता रहा है। यह अहम भी है क्योंकि पश्चिम एशिया में अस्थिरता का असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा और वहां रह रहे बड़े भारतीय समुदाय पर सीधे तौर पर पड़ सकता है।

एलपीजी संकट पर संसद के बाहर विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन, लोकसभा में भी हंगामा

एजेंसी। नई दिल्ली

एलपीजी संकट और बढ़ती कीमतों को लेकर शुक्रवार को संसद परिसर से लेकर लोकसभा तक विपक्ष का जोरदार विरोध देखने को मिला। लोकसभा में जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया और निलंबित सांसदों की बहाली की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही बाधित हुई और अंततः लोकसभा को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ गया। लोकसभा में प्रश्नकाल शुरू होते हुए विपक्षी सांसदों ने एलपीजी संकट और निलंबित सांसदों की बहाली के मुद्दे को लेकर हंगामा किया। विपक्षी सांसदों ने एलपीजी संकट पर चर्चा की मांग की और साथ ही निलंबित आठ सांसदों को बहाल करने की मांग उठाई। इस दौरान कई सांसद अपनी सीट से उठकर नारेबाजी करने लगे, जिससे सदन का माहौल काफी गर्म हो गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामा कर रहे सांसदों से कहा, कि संसद की गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि कोई सदस्य सदन की मेजों पर चढ़कर विरोध करता है तो उस पर कार्रवाई होना स्वाभाविक है। इसके बावजूद जब हंगामा शांत नहीं हुआ तो उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी समेत कई सांसदों ने निलंबित सदस्यों की वापसी की मांग दोहराई। विपक्ष का कहना है कि सांसदों का निलंबन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है और सरकार विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

हंगामा करना दुर्भाग्यपूर्ण, सरकार अपनी प्रतिबद्धता निभाएगी : वित्त मंत्री

नई दिल्ली। एलपीजी संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष और सरकार के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। दोपहर 2 बजे जब सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए 'अरे मोदी जी, एलपीजी' के नारे लगाए और एलपीजी किल्लत तथा अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव पर चर्चा की मांग की। सदन में हंगामें के बीच ही वित्त मंत्री ने अनुपूरक अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब दिया और कहा कि हंगामा करना दुर्भाग्यपूर्ण है, फिर भी सरकार अपनी प्रतिबद्धता को निभाएगी। सदन में शोर-शराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अनुपूरक अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान विपक्षी

सांसद वेल में पहुंच गए और जोरदार नारेबाजी करने लगे। विपक्ष के इस विरोध पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं, लेकिन विपक्ष केवल हंगामा करने में लगा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विपक्ष उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन सरकार अपनी जिम्मेदारियों और वादों को पूरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। इसी दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने यह भी कहा, कि अनुपूरक अनुदान मांगें आपात परिस्थितियों में आवश्यक खर्च के लिए लाई जाती हैं। उन्होंने बताया कि उर्वरकों के लिए भी अतिरिक्त फंड का प्रावधान किया गया है ताकि आने वाली रबी फसल के लिए किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो।

संक्षिप्त समाचार

भारत-ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत, क्षेत्रीय हालात पर चर्चा

नई दिल्ली/तेहरान। भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई, जिसमें अमेरिका-इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के बाद क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय हालात पर चर्चा की गई। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को एक्स पर इसकी संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गुरुवार रात ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से एक और बातचीत हुई। द्विपक्षीय मामलों के साथ-साथ ब्रिक्स से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई। ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि विदेश मंत्री अराघची ने अपने भारतीय समकक्ष जयशंकर को अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए कथित आक्रामक कदमों तथा उनके क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जानकारी दी। अराघची ने कहा कि ईरान की सरकार, जनता और सशस्त्र बल हमलों के खिलाफ अपने वैध आत्मरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता की निंदा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। ईरानी विदेश मंत्री ने बहुपक्षीय सहयोग के मंच के रूप में ब्रिक्स के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में इस मंच को क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता एवं सुरक्षा के समर्थन में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

भारत के लिए बड़ी राहत, राष्ट्रपति ट्रंप ने रूसी कच्चे तेल पर लगे प्रतिबंध अस्थाई तौर पर हटाए

वॉशिंगटन। ईरान के साथ जारी भीषण युद्ध और अंतरराष्ट्रीय बाजार में आसमान छूती तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली अमेरिकी सरकार ने एक चौंकाने वाला और रणनीतिक फैसला लिया है। अमेरिका ने गुरुवार को समुद्र में फंसे हुए रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने की घोषणा की है। यह कदम वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ाने और 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा चुकी कीमतों को नीचे लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय द्वारा जारी नए जनरल लाइसेंस के तहत यह छूट केवल 11 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेगी। हालांकि, यह अनुमति केवल उसी रूसी तेल के लिए दी गई है जो 12 मार्च की मध्यरात्रि से पहले जहाजों पर लोड किया जा चुका था और वर्तमान में समुद्र में ट्रांजिट में है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट के अनुसार, इस निर्णय से बाजार में करोड़ों बैरल कच्चा तेल तत्काल उपलब्ध हो सकेगा, जिससे ईरान संकट के कारण उत्पन्न हुई तेल की किल्लत और बढ़ती कीमतों पर लगाम लगेगी।वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने स्पष्ट किया कि यह एक अल्पकालिक उपाय है और इससे रूसी सरकार को कोई दीर्घकालिक या सार्थक वित्तीय लाभ नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का प्राथमिक लक्ष्य वैश्विक ऊर्जा बाजारों में स्थिरता लाना और अमेरिकी उपभोक्ताओं के साथ-साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी से बचाना है।

हापुड़ में नेता के घर से 55 एलपीजी सिलेंडर बरामद, गैस संकट के बीच जमाखोरी का भंडाफोड़

हापुड़। जिले में प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध जमाखोरी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। एक तरफ जहां आम जनता वैश्विक तनाव और आपूर्ति में बाधा के कारण रसोई गैस के एक-एक सिलेंडर के लिए तरस रही है, वहीं दूसरी तरफ भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों को छिपाकर रखने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हापुड़ प्रशासन की टीम ने स्थानीय नेता अब्दुल रेहान के आवास पर छापेमारी कर वहां से 55 भरे हुए एलपीजी सिलेंडर बरामद किए हैं। यह कार्रवाई उस समय हुई है जब पूरे क्षेत्र में गैस की भारी किल्लत और कालाबाजारी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। जानकारी के अनुसार, पिछले कई दिनों से जिला प्रशासन को सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग गैस संकट का फायदा

उठाकर सिलेंडरों का अवैध भंडारण कर रहे हैं और उन्हें ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। इसी क्रम में जब अधिकारियों को अब्दुल रेहान के घर पर बड़ी संख्या में सिलेंडर जमा होने की सटीक जानकारी मिली, तो संबंधित विभागों की एक संयुक्त टीम ने वहां छापेमारी की। घर के भीतर और स्टोर रूम में सिलेंडरों का बड़ा जखीरा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। प्रशासन ने तत्काल सभी 55 सिलेंडरों को जब्त कर लिया और उन्हें सुरक्षित रूप से संबंधित विभाग को सौंप दिया। इस घटना के बाद से स्थानीय निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि गैस एजेंसियों के चक्कर काटने और कई दिनों के इंतजार के बावजूद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है, जबकि प्रभावशाली लोग अपने घरों में सिलेंडरों का अंबार लगाए बैठे हैं।

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा आरंभ

एजेंसी। समालखा(हरियाणा)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का शुक्रवार को सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले ने उद्घाटन किया। इस दौरान सरकार्यवाह की ओर से वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। संघ ने बांग्लादेश सरकार से एक बार फिर आग्रह किया कि वह अपने यहां हिंदुओं के अधिकारों का संरक्षण करे। तीन दिवसीय यह बैठक हरियाणा के समालखा स्थित माधव सृष्टि परिसर में आयोजित की गई है। प्रतिनिधि सभा के प्रारंभ के बाद यहां सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के साथ पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर एवं प्रदीप जोशी सहित अन्य

बांग्लादेश सरकार से की हिंदुओं के संरक्षण की मांग

पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक के शुरुआती सत्रों में दिवंगत हस्तियों को श्रद्धांजलि दी गई तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकार के प्रयासों से आए सुधार और मणिपुर में संघ के प्रयासों से आए सकारात्मक परिणामों का स्वागत किया गया। इसके अलावा बांग्लादेश सरकार से एक बार फिर आग्रह किया गया कि हिंदुओं के अधिकारों का वहां संरक्षण प्रदान करे। सीआर मुकुंद ने बताया कि सरकार्यवाह ने अपने प्रतिवेदन में यह जानकारी दी कि संघ के शताब्दी वर्ष में किए गए प्रयासों से 4 हजार स्थान पर 5 हजार से अधिक शाखाओं में वृद्धि हुई है। गृह संपर्क अभियान के तहत संघ के कार्यकर्ता 10 करोड़ परिवारों तक पहुंचे हैं। तीन लाख से अधिक गांव में संघ के कार्यकर्ता गए हैं। केरल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां संघ के कार्यकर्ता साम्यवादी विचारधारा, मुसलमानों और ईसाई परिवारों से भी मिले हैं। अकेले केरल में 55 हजार से अधिक मुस्लिम और 54 हजार से अधिक ईसाई परिवारों में संघ के कार्यकर्ता संघ और समाज से जुड़े विषय लेकर गए हैं। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष के नाते 36 हजार से अधिक स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए हैं। इसमें अरुणाचल के एक दुर्गम क्षेत्र में आयोजित हिंदू सम्मेलन का उदाहरण उल्लेखनीय है। संघ के शताब्दी वर्ष में दो प्रकार के कार्यक्रमों की योजना की गई जिनमें एक संगठन विस्तार और दूसरा समाज की सज्जन शक्ति को सद्भाव, समरसता के लिए संगठित करने का उद्देश्य रखा गया। मुकुंद ने बताया कि शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की शुरुआत पिछले वर्ष दो अक्टूबर को नागपुर में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद एवं सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत के सान्निध्य में हुई।

प्राकृतिक आपदा प्रभावित 6 राज्यों को 1,912 करोड़ की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति (एचएलसी) ने वर्ष 2025 के दौरान आई बाढ़, फ्लैश फ्लड, बादल फटने, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान 'मोंथा' से प्रभावित छह राज्यों के लिए 1,912.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है। यह सहायता राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से दी जाएगी। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि इस राशि में आंध्र प्रदेश को 341.48 करोड़ रुपये, छत्तीसगढ़ को 15.70 करोड़, गुजरात को 778.67 करोड़, हिमाचल प्रदेश को 288.39 करोड़, नगालैंड को 158.41 करोड़ और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को 330.34 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। यह सहायता राज्यों के राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) में उपलब्ध वर्ष के शुरुआती बैलेंस के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन होगी। सरकार प्राकृतिक आपदाओं के समय राज्यों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और हर संभव मदद प्रदान कर रही है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार ने एसडीआरएफ के तहत 28 राज्यों को 20,735.20 करोड़ रुपये और एनडीआरएफ के तहत 21 राज्यों को 3,628.18 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

सोनिया गांधी से जुड़े मामले में सुनवाई टली, अब मामले की 30 मार्च को सुनवाई

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची में कथित जालसाजी को लेकर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी। लेकिन मामले में दायर रिवीजन पिटीशन पर शुक्रवार दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली ये सुनवाई टल गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 30 मार्च को होगी। शुक्रवार की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट से सुनवाई टालने की मांग की गई थी। इसके बाद अदालत ने नई तारीख दी। ये याचिका वकील विकास त्रिपाठी की तरफ से दायर की गई है। सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली याचिका को सितंबर में खारिज

किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के इसी फैसले को त्रिपाठी ने चुनौती दी है। दरअसल सोनिया गांधी के खिलाफ याचिका में नागरिकता और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। याचिका में दावा किया गया है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी। आरोप है कि नागरिकता मिलने से 3 साल पहले, यानी 1980 की मतदाता सूची में उनका नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में शामिल था। इस पर याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब सोनिया गांधी के पास 1983 तक नागरिकता नहीं थी, तब 1980 में किस आधार पर और किन दस्तावेजों के सहारे मतदाता सूची में नाम जोड़ा गया?

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया, एक और महत्वपूर्ण समझौता करने की कगार पर भारत-अमेरिका

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर शुक्रवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उन्होंने भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों पर जोर देकर कहा कि आज की दुनिया में दोनों देशों की दोस्ती बहुत जरूरी है। अमेरिकी राजदूत गोर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्यक्तिगत तालमेल ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में निर्णायक भूमिका निभाई है। गोर ने महज दो महीने पहले अमेरिकी दूत के रूप में कार्यभार संभाला है, शुरुआत में ही साफ किया कि मोदी और ट्रंप ही वे दो एकमात्र डीलमेकर थे, जिन्होंने इस व्यापार समझौते को सफलता की दहलीज तक पहुंचाया। सर्जियो ने कहा कि ट्रंप

के प्रशासन के दौरान भारत-यूएस संबंध और मजबूत हुए हैं, ट्रेड डील पर बात कर उन्होंने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अमेरिका का सबसे महत्वपूर्ण और विश्वसनीय पार्टनर बताया। इस मौके पर अमेरिकी राजदूत गोर ने महत्वपूर्ण घोषणा की, उन्होंने बताया कि भारत और अमेरिका क्रिटिकल मिनरल्स पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बेहद करीब हैं। यह प्रगति दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के ढांचे पर बनी सहमति के ठीक कुछ दिनों बाद देखने को मिली है। बात दें कि गोर इस समय भारत में अमेरिका के राजदूत के रूप में काम कर रहे हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने उन्हें दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत नियुक्त किया है। इसके पहले गोर व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति के सहायक और डायरेक्टर ऑफ प्रेसिडेंशियल पर्सनेल के पद पर थे। उनके नेतृत्व में पूरे संघीय सरकार में हजारों राजनीतिक नियुक्तियां रिकॉर्ड समय में की गईं। व्हाइट हाउस से पहले, गोर ने ट्रंप जूनियर के साथ मिलकर विनिंग टीम पब्लिशिंग की स्थापना की थी। यह अमेरिका के प्रमुख कंजरवेटिव प्रकाशन संस्थानों में से एक है।

रक्तदान से ट्रांसजेंडर और उच्च जोखिम वाले समूहों को बाहर रखने के फैसले पर केंद्र अडिग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, समलैंगिक पुरुषों और महिला सेक्स वर्कर्स को संभावित रक्तदाताओं की सूची से बाहर रखने के अपने निर्णय का पुरजोर बचाव किया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह कदम किसी समुदाय के प्रति भेदभाव की भावना से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक तथ्यों और स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों के आधार पर उठाया गया है। सरकार के अनुसार, इन विशिष्ट समूहों में एचआईवी और अन्य संक्रामक रोगों का प्रसार आम आबादी की तुलना में कहीं अधिक पाया गया है, जो रक्तदान की सुरक्षा प्रक्रिया के लिए एक बड़ा जोखिम हो सकता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया

कि राष्ट्रीय रक्त नीति का प्राथमिक लक्ष्य सबसे सुरक्षित डोनर पूल से रक्त प्राप्त करना है। उन्होंने अदालत को बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों और विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि इन समूहों में संक्रमण का खतरा सामान्य लोगों के मुकाबले 6 से 13 गुना तक अधिक होता है। ऐसी स्थिति में, उच्च जोखिम वाले समूहों से रक्त या उसके घटक प्राप्त करना राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के बुनियादी सिद्धांतों के विरुद्ध होगा। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग की वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा कि ट्रांसजेंडर, समलैंगिक पुरुषों और महिला सेक्स वर्कर्स में एचआईवी के अलावा हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी जैसे गंभीर संक्रमणों की दर भी काफी ऊंची है। मंत्रालय ने यह भी रेखांकित किया कि इस तरह के प्रतिबंध केवल भारत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दुनिया के कई विकसित और यूरोपीय देशों में भी यौन रूप से सक्रिय समलैंगिक पुरुषों और उच्च जोखिम वाले समूहों को रक्तदान से स्थायी रूप से वर्जित रखने के कड़े वैश्विक मानक लागू हैं। सरकार ने अदालत में इस बात पर विशेष जोर दिया कि यह मुद्दा केवल व्यक्तिगत अधिकारों या समानता के दावों तक सीमित नहीं है।

नवजात शिशु की मौत मामले में झारखंड के अधिकारियों को एनएचआरसी का नोटिस

नई दिल्ली। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर उपमंडल अस्पताल में नवजात शिशु की मौत के मामले में अस्पताल कर्मियों की तरफ से की गई लापरवाही का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने झारखंड के स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव और पश्चिम सिंहभूम जिले के उपायुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 7 मार्च को अस्पताल द्वारा एम्बुलेंस न दिए जाने के बाद पिता को शिशु के शव को गत्ते के बक्से में रख कर बंगरासाई गांव ले जाना पड़ा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

अधूरी सड़क पर टोल वसूली का मुद्दा उठाया

पलामू : नई दिल्ली में पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव से मुलाकात कर मेदिनीनगर नगर निगम के पास अधूरी एनएच-39 बाइपास सड़क पर टोल वसूली शुरू किए जाने से जनता को हो रही परेशानियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने पत्र लिखकर बताया कि अधूरे निर्माण के बीच टोल प्लाजा चालू कर देने से आम लोगों के आवागमन में गंभीर कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं। सांसद ने बताया कि यह टोल प्लाजा भोगू-शंखा खंड एनएच-39 पर स्थित है, जो रांची-वाराणसी कॉरिडोर के तहत भारतमाला परियोजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस टोल प्लाजा से 7 मार्च 2026 से टोल वसूली शुरू कर दी गई है, जबकि सड़क निर्माण कार्य अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। टोल प्लाजा के आसपास का हिस्सा भी अधूरा है और रांची की ओर लगभग चार किलोमीटर तक का मार्ग अभी निर्माणाधीन है, जिसकी शुरुआत टोल प्लाजा से करीब 100 मीटर की दूरी से ही हो जाती है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी दुबियाखंड, जोरकट, चियांकी, पोखराहा, जोड़, सिंगरा कला, लोहड़ा, पंडवा और राजहरा जैसे गांवों में अधूरे निर्माण कार्यों को लेकर एनएचएआई अधिकारियों को अवगत कराया गया था, लेकिन इन क्षेत्रों में काम की प्रगति अब भी धीमी बनी हुई है। इसके अलावा मेदिनीनगर शहर को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए प्रस्तावित कनेक्टिंग रोड का निर्माण भी अभी तक शुरू नहीं किया गया है। इसी खंड में पोखराहा और जोड़ गांव में प्रस्तावित दो फ्लाईओवर का निर्माण भी लंबित है, जो यातायात को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए आवश्यक माने जा रहे हैं। सांसद ने कहा कि इन परिस्थितियों के कारण स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। आसपास के कई गांवों के ग्रामीण और किसान प्रतिदिन कम दूरी तय कर मेदिनीनगर आते-जाते हैं, ऐसे में अधूरी सड़क के बावजूद टोल वसूली शुरू होने से उनकी परेशानियाँ और बढ़ गई हैं। उन्होंने एनएचएआई चेयरमैन से अनुरोध किया कि जब तक सड़क निर्माण कार्य पूरी तरह पूरा नहीं हो जाता, तब तक टोल वसूली को बंद किया जाए और सभी लंबित कार्यों को शीघ्र शुरू कर समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँ।

रांची में गूंजेगी क्षत्रिय हुंकार, 15 को गौरव समागम में जुटेंगे 50 हजार लोग

- तैयारियों को लेकर बोकारो में उत्साह, अधिकाधिक भागीदारी पर जोर

बोकारोः रांची के पुराने विधानसभा मैदान में आगामी 15 मार्च को आयोजित होने वाला क्षत्रिय गौरव समागम ऐतिहासिक और यादगार होगा। इस महासम्मेलन को लेकर बोकारो समेत पूरे झारखंड में क्षत्रिय समाज के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक, बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य व झारखंड निगरानी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण सिंह ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए यहां बताया कि इस समागम में राज्य के कोने-कोने से समाज के लगभग 50 हजार से अधिक सदस्य हिस्सा लेंगे।

क्षत्रिय एकता और समाज के भविष्य की रणनीति तय करने वाले इस कार्यक्रम में राजनीतिक जगत की कई दिग्गज हस्तियां शामिल होंगी। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह और सांसद लवली आनंद शिरकत करेंगी। वहीं, विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, सुनील सिंह, पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह और वरिष्ठ विधायक सरयू राय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर समाज की एकजुटता और विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए जाएंगे और आगामी कार्यक्रमों की औपचारिक घोषणा भी होगी। महासम्मेलन के दौरान धनबाद के नवनिर्वाचित मेयर संजीव सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। बोकारो जिले की भागीदारी पर चर्चा करते हुए जिला संयोजक मोंटी सिंह ने बताया कि जिले के सभी 9 प्रखंडों से 2000 से अधिक समाज के सदस्य रांची के लिए प्रस्थान करेंगे। सभी सदस्य एकजुट होकर इस आयोजन को सफल बनाने के लिए दिन-रात जुटे हुए हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक और तैयारियों के दौरान जितेंद्र सिंह, आनंद मोहन सिंह उर्फ टुनटुन सिंह और अनिल सिंह सहित समाज के कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह समागम क्षत्रिय समाज की शक्ति और गौरव को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

कसमार : तीन किसानों की खलिहान में लगी आग, हजारों का नुकसान

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड अंतर्गत सिंहपुर पंचायत के पूरनाडीह (करमा) गांव में गुरुवार की आधी रात अचानक आग लगने से तीन किसानों की खलिहान जलकर नष्ट हो गई। इस घटना में किसानों को काफी आर्थिक क्षति हुई है।

जानकारी के अनुसार पूरनाडीह निवासी दुखी महतो के पुत्र ध्रुव महतो और विकास महतो तथा आषाढ़ी महतो के पुत्र रीतवरण महतो की खलिहान आमने-सामने स्थित थी। गुरुवार की देर रात अचानक एक खलिहान में आग लग गई, जो देखते ही देखते अन्य खलिहानों तक फैल गई। आग की लपटें तेज होने के कारण तीनों किसानों की खलिहान इसकी चपेट में आ गई।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। ग्रामीणों ने बाल्टी और अन्य साधनों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण खलिहान में रखा अनाज व अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। घटना की सूचना मिलने पर जेएलकेएम के केंद्रीय उपाध्यक्ष भुवनेश्वर महतो मौके पर पहुंचे और क्षति का जायजा लिया। उन्होंने अंचल अधिकारी को घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित परिवारों को प्राकृतिक आपदा के तहत उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित किसानों को जल्द राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

रामनवमी से पहले मेदिनीनगर में दिखी सौहार्द की मिसाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू : मेदिनीनगर में रामनवमी महोत्सव की तैयारियों के बीच आपसी भाईचारे और सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। मोहम्मद कलाम के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने श्री महावीर नवयुवक दल (जनरल) के अध्यक्ष मंगल सिंह सहित जनरल कमिटी के सदस्यों को अंगवस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक सद्भाव और विभिन्न समुदायों के बीच आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना बताया गया।

इस अवसर पर मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि रामनवमी का पर्व मेदिनीनगर की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है और हर वर्ष इसकी भव्यता पूरे शहर को एक सूत्र में बांध देती है। उन्होंने कहा कि शहर में गंगा-जमुनी परंपरा और आपसी सम्मान की भावना ही सामाजिक एकता की सबसे बड़ी ताकत है, इसलिए सभी समुदायों का सहयोग इस पर्व को और भी गरिमामय बनाता है।

श्री महावीर नवयुवक दल (जनरल) के अध्यक्ष मंगल सिंह ने मुस्लिम समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेदिनीनगर की गंगा-जमुनी तहजीब ही इस शहर की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि सभी समाज के सहयोग और सहभागिता से ही रामनवमी महोत्सव हर वर्ष शांतिपूर्ण और भव्य रूप से संपन्न होता है।

कार्यक्रम में श्री महावीर नवयुवक दल के कोषाध्यक्ष किशोर सिन्हा, प्रदीप सिन्हा, विजय चंद्रवंशी, राजू चौहान, अमित कुमार रिंकू, आकाश कुमार, अभिषेक राज, अमृत अग्रवाल, प्रभात कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल और अभिजीत प्रताप देव सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। वहीं मुस्लिम समाज की ओर से अरशद अहमद (सन्नू), मो. जलालउद्दीन अंसारी, गुलाम मख्सूद, मुन्ना तड़ीपार, सलीम सदर साहब, कासिम, मुन्ना कुरैशी, मो. नसीम, जाहिद अहमद और मो. आशिक ने सभी को पगड़ी पोशी कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में दोनों समुदायों के लोगों ने आपसी एकता, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

मां काली की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा हेतु निकाली गई कलश यात्रा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः प्रखंड के नगरी पंचायत के पहाड़ी काली मंदिर में मां काली की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा हेतु शुक्रवार को कलश यात्रा निकाली गई।पांच दिवसीय इस धार्मिक अनुष्ठान के पहले दिन 251 महिलाओं व युवतियों ने सिर पर कलश धारण कर नगरी,रतिडीह,जोल्हाडीह का भ्रमण करते हुए सीता नाला नदी गया।कलशों में सुयोग्य ब्राह्मणों ने जल को अभिमंत्रित कर भरवाया।इस दौरान पूरा क्षेत्र धार्मिक जयघोष से गुंजायमान रहा।माता काली प्राण प्रतिष्ठा में यजमान के रूप मे जयराम नायक पत्नी बुधनी देवी,सुरेश सिंह पत्नी नीतू सिंह,देवनारायण नायक पत्नी सीमा देवी,रुपलाल साव पत्नी तीलकी देवी,उमेश मंडल पत्नी मुन्नी देवी रहेंगे।

यज्ञाचार्य शुभम पांडेय आचार्य शिव शंकर पांडेय एवं वेद व्यास पांडेय,शास्त्री रामदास मिश्रा, दीपक पांडेय के द्वारा विधि विधान से पूजा पाठ व अन्य अनुष्ठान कराया जाएगा।इस दौरान धार्मिक कार्यक्रम आयोजन समिति के संरक्षण लालदेवराम मांझी अध्यक्ष हरि उर्फ झुपर कांदु उपाध्यक्ष नन्दकिशोर साव सचिव अजय कुमार रजक उपसचिव विनय कुमार साव कोषाध्यक्ष देवनारायण नायक मुखिया जितेन्द्र दास,विजय कुमार पांडेय,सुधीर पांडेय कार्यपालक दंडाधिकारी धनबाद नारायण राम सदस्य रामचंद्र शर्मा,गौरव पांडेय,संजय साव,उमेश ठाकुर, कुणाल वर्णवाल,बजरंगी साव ,सुरेश पंडित,सुरज पंडित,आनंद साव,उत्तीम नायक,गिरधारी साव, दीपक रंगरेज,गणेश टुडू,रुपलाल ठाकुर, रामेश्वर शर्मा,उत्तीमचंद पंडित, विक्रम कुमार, बालेश्वर साव, महादेव कांदु झाएकिमयू के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो उपाध्यक्ष सुभाष पंडित, नन्दकिशोर पंडित,उमेश ठाकुर आदि सैकड़ों श्रद्धालु कलश यात्रा और धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम में सक्रिय हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण में गोविंदपुर की महिलाओं ने लिखी नई इबारत, आत्मनिर्भरता का गूंजा नारा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गोविंदपुर-ई पंचायत स्थित सीएलएफ भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में नारी शक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सामाजिक बंधनों से मुक्त होकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का पुरजोर आह्वान किया गया। समारोह का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. उषा सिंह, कांग्रेस महिला मोर्चा की प्रदेश महासचिव सुषमा कुमारी, स्थानीय मुखिया विश्वनाथ महतो और अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

वक्ताओं ने क्षेत्र की महिलाओं की सक्रियता की सराहना करते हुए बताया कि वर्तमान में यहां कुल 10 महिला स्वयं सहायता समूह पूरी मजबूती के साथ कार्य कर रहे हैं। इन समूहों की वित्तीय स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में इनके खातों में लगभग 1.76 करोड़ रुपये की जमा राशि उपलब्ध है। यह अनुमान भी लगाया गया कि आगामी छह महीनों के भीतर यह संचय बढ़कर करीब 4.76 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो महिला स्वरोजगार की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि होगी।

बंद इकाइयों को पुनः शुरू करने का संकल्प–समारोह के दौरान सरफराज अंसारी ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि कुछ आपसी विवादों के कारण पांच इकाइयां वर्तमान में बंद पड़ी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन विवादों को सुलझाकर इकाइयों को जल्द ही सुचारू किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को स्वरोजगार के लाभ से जोड़ा जा सके।

कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का स्वागत पारंपरिक रूप से पुष्पगुच्छ और मुकुट पहनाकर किया गया। इस गौरवमयी क्षण का गवाह बनने के लिए सीएलएफ अध्यक्ष किरण देवी, सचिव रवीना, कोषाध्यक्ष सोनिया कुमारी सहित बेरमो सीएफ की पदाधिकारी और सैकड़ों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए समाज के नवनिर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

मालती एंटरप्राइजेज में सिएट का एक्सक्लूसिव ट्रक सर्विस हब शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास में जोधाडीह मोड़ के समीप मालती एंटरप्राइजेज में शुक्रवार को सिएट का एक्सक्लूसिव ट्रक सर्विस हब का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जेडजीएम आशीष श्रीवास्तव, जोनल सर्विस मैनेजर सोमनाथ सरकार, रीजनल मैनेजर देवाशीष घोष और टेरिटरी मैनेजर चंदन कुमार झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि मालती एंटरप्राइजेज में स्थापित यह सिएट ट्रक सर्विस हब झारखंड का पहला ऐसा केंद्र है, जहां ट्रक मालिकों को एक ही स्थान पर गाड़ियों के अलाइनमेंट, बैलेंसिंग, नाइट्रोजन और टायर चेंजिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे ट्रक चालकों और मालिकों को अलग-अलग स्थानों पर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी और समय की भी बचत होगी।

उन्होंने बताया कि इस सर्विस हब में ट्रक सर्विस के दौरान ड्राइवरों के लिए भी विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। साथ ही उन्हें ट्रक के रखरखाव और टायर से जुड़ी विभिन्न तकनीकी जानकारियां भी दी जाएंगी। इसके अलावा सिएट ट्रक हब की ओर से समय-समय पर आयोजित होने वाले मेडिकल कैंप का लाभ भी ट्रक मालिकों और चालकों को मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों और अतिथियों ने इस पहल को ट्रक चालकों और परिवहन क्षेत्र के लिए उपयोगी बताया। इस सर्विस हब के शुरू होने से क्षेत्र के ट्रक मालिकों और ड्राइवरों को आधुनिक और बेहतर सर्विस सुविधाएं मिलने की उम्मीद जताई गई।

चांडिल डैम विस्थापितों के अधिकारों को लेकर सरकार का जवाब अधूरा – राकेश रंजन महतो

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कोल्हान : सुरयू राय द्वारा विधानसभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न के जवाब में हाफिजूल हसन , मंत्री, जल संसाधन विभाग, झारखंड सरकार द्वारा दिए गए उत्तर पर विस्थापित अधिकार मंच के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो ने गंभीर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

राकेश रंजन महतो ने कहा कि Swarnarekha Multipurpose Project के अंतर्गत बने Chandil Dam से प्रभावित हजारों परिवार आज भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। विधानसभा में दिए गए जवाब से यह स्पष्ट होता है कि कागजों पर भले ही कई कार्य पूरे दिखाए जा रहे हों, लेकिन वास्तविकता में अनेक विस्थापित परिवार आज भी मुआवजा, पुनर्वास और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार अब इस परियोजना को अगले एक से डेढ़ वर्ष के भीतर पूर्ण घोषित कर बंद करने की तैयारी कर रही है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि सरकार पहले यह सुनिश्चित करे कि परियोजना से प्रभावित सभी परिवारों को उनका वैधानिक अधिकार मिले।

राकेश रंजन महतो ने सवाल उठाया कि क्या सभी विस्थापितों को उनकी जमीन का उचित मुआवजा मिल चुका है? क्या सभी लाभुकों को विकास पुस्तिका प्रदान की गई है? क्या विकास पुस्तिका के आधार पर मिलने वाली नौकरियों का लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचा है? क्या पुनर्वास के लिए जमीन सभी विस्थापित परिवारों को उपलब्ध कराई गई है? और क्या स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं का लाभ वास्तव में हर प्रभावित परिवार को मिला है?

उन्होंने कहा कि यदि इन सवालों का जवाब नकारात्मक है, तो यह स्पष्ट है कि परियोजना से जुड़े वादे अभी भी अधूरे हैं। ऐसे में परियोजना को बंद करने से पहले सरकार को विस्थापितों के सभी लंबित मुद्दों का समाधान करना चाहिए।

राकेश रंजन महतो ने यह भी कहा कि जब भी कोई व्यक्ति या संगठन विस्थापितों के अधिकारों के लिए आवाज उठाता है, तो कुछ लोग उसकी आलोचना या बदनामी करने में लग जाते हैं। लेकिन अब समय आ गया है कि सभी विस्थापित परिवार और संगठन आपसी रंजिश, मतभेद और भेदभाव को छोड़कर एकजुट हों।

उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों, विस्थापित परिवारों और जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि आने वाले एक से डेढ़ वर्ष हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस दौरान हमें एकजुट होकर अपनी आवाज को मजबूत बनाना होगा, ताकि सरकार और विभाग को यह समझ में आए कि कागजों पर विकास दिखाने से वास्तविक समस्या समाप्त नहीं होती।

अंत में उन्होंने कहा कि यदि विस्थापितों को उनका पूरा अधिकार, न्यायपूर्ण मुआवजा, पुनर्वास और रोजगार नहीं मिलता है, तो विस्थापित समाज संगठित होकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी लड़ाई जारी रखेगा।

दूसरी शादी की चाहत में पत्नी पर जानलेवा हमला

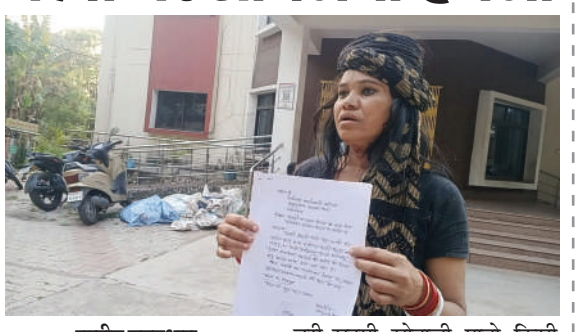

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेलाः जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र स्थित भाटिया बस्ती में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां दूसरी शादी की चाहत में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करने की कोशिश की। भाटिया बस्ती निवासी उमित पात्रो ने अपनी पत्नी सोनाली पात्रो के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना के बाद डरी-सहमी सोनाली पात्रो किसी तरह आदित्यपुर थाना पहुंची और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे की बताई जा रही है। मामले की सूचना मिलते ही आदित्यपुर थाना पुलिस ने घायल सोनाली पात्रो को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गम्हारिया भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

सरकारी स्कूलों में चोरी का खुलासा, 17 एलईडी टीवी और 10 टैब बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चन्द्रपुरा थाना क्षेत्र स्थित राजकीयकृत गवर्नमेंट सेकेंडरी स्कूल जुनौरी में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में दो युवकों को गिरफ्तार करते हुए चोरी गए 10 टैब और 17 एलईडी टीवी बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार 4 मार्च 2026 की रात अज्ञात चोरों ने स्कूल कार्यालय का ताला तोड़कर नौ टैब चोरी कर लिए थे। इस संबंध में चन्द्रपुरा थाना में कांड संख्या 21/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। चोरी की घटना के उद्भेदन और सामान की बरामदगी के लिए पुलिस उपाधीक्षक सह पुलिस निरीक्षक बेरमो अंचल नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। तकनीकी शाखा बोकारो की सहायता से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने करण कुमार रजवार के घर से छह टैब और उसके साथी सागर कुमार के घर से तीन टैब बरामद किए।

पुलिस ने पूछताछ के दौरान दोनों की निशानदेही पर करण कुमार रजवार उर्फ भौन्दू के घर से एक अन्य टैब और 43 इंच के 17 एलईडी टीवी भी बरामद किए। जांच में सामने आया कि ये सभी टैब और टीवी सरकारी स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई के लिए उपलब्ध कराए गए थे। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि स्कूल बंद रहने और सुरक्षा गार्ड की निगरानी नहीं होने का फायदा उठाकर वे सरकारी विद्यालयों को निशाना बनाते थे। बरामद एलईडी टीवी नावाडीह, जरीडीह, हरला और पेटरवार थाना क्षेत्रों के विभिन्न सरकारी स्कूलों से चोरी किए गए थे।

गिरफ्तार आरोपियों में 22 वर्षीय करण कुमार रजवार उर्फ भौन्दू, पिता स्व. संतोष रजवार, निवासी सेक्टर-9 महुआर बस्ती, थाना हरला तथा 19 वर्षीय सागर कुमार, पिता संतोष प्रमाणिक, निवासी वैधमारा, थाना हरला शामिल हैं। दोनों का पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं पाया गया है।

छापामारी दल में पुलिस उपाधीक्षक नवल किशोर सिंह, चन्द्रपुरा थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह, अमरजीत कुमार, कुन्दन कुमार पासवान, प्रवीण कुमार महतो, रंजन कुमार, हवलदार शशिभूषण प्रसाद, रामेश्वर यादव, द्वारिका लाल प्रसाद, मुस्ताक अंसारी, मनीष कुमार सिंह और अनीश कुमार शामिल थे।

आंगनबाड़ी केंद्र स्कूल भवन में शिफ्ट करने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मेदिनीनगर : पलामू जिला समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त समिरा एस की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति का विस्तृत अवलोकन करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में कुल 2629 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें से 947 केंद्र किराए के भवनों में चल रहे हैं। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि शेष 119 आंगनबाड़ी केंद्रों को कोलोकेशन के माध्यम से स्कूल भवनों में शत-प्रतिशत शिफ्ट किया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

बैठक में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 20 मार्च तक सभी लंबित आवेदनों को प्राप्त कर उनका भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही 184 आंगनबाड़ी केंद्र भवनों के निर्माण कार्य की परियोजना-वार प्रगति का भी अवलोकन किया गया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण, वर्षा जल संरक्षण और पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यपालक अभियंता को इस माह के अंत तक सभी लंबित कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के विद्युतीकरण, पोषण ट्रैकर के सभी संकेतकों, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना तथा समर कार्यक्रम से संबंधित प्रतिवेदनों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी 2629 आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका-सहायिका की उपलब्धता का समेकित प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए और इस माह के अंत तक सभी रिक्त पदों पर चयन सुनिश्चित किया जाए।

आगामी गर्मी को देखते हुए उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि जिन आंगनबाड़ी केंद्रों के चापाकल खराब हैं उनकी सूची 24 घंटे के भीतर सभी महिला पर्यवेक्षकों को उपलब्ध कराई जाए, ताकि शीघ्र मरम्मत कर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान सहित विभिन्न सीडीपीओ उपस्थित रहीं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

जैनामोड़ में हुनरमंद हाथों को मिला सम्मान, बढ़ते कदम फाउंडेशन ने सिलाई प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को बांटे उपहार

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के उल्लासपूर्ण अवसर पर जरीडीह प्रखंड के जैनामोड़ स्थित सिलाई केंद्र में बढ़ते कदम फाउंडेशन द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सिलाई सीखकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही महिलाओं के उत्साह को दोगुना करने का प्रयास किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में टांड़ मोहनपुर पंचायत की मुखिया उर्मिला कुमारी ने शिरकत की और प्रशिक्षण केंद्र की ट्रेनर तारा देवी के साथ मिलकर केक काटा।

मुखिया उर्मिला कुमारी ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्होंने देश का नाम रोशन करने वाली प्रख्यात महिलाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि ग्रामीण महिलाओं को भी अपनी सीमाओं से बाहर निकलकर अपनी प्रतिभा को पहचानना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिलाई जैसे कौशल से महिलाएं न केवल अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर सकती हैं, बल्कि समाज में अपनी एक विशिष्ट पहचान भी बना सकती हैं।

संस्था के निदेशक कृष्णा दत्ता ने भारत की आजादी के आंदोलन से लेकर वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य तक में महिलाओं की गौरवशाली भागीदारी को रेखांकित किया। उन्होंने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सिलाई के क्षेत्र में निपुण बनकर वे स्वयं तो आत्मनिर्भर बनेंगी ही, साथ ही उन्हें अन्य ग्रामीण युवतियों को भी प्रशिक्षित कर स्वरोजगार के अभियान से जोड़ना चाहिए।

इस अवसर पर दीपमाला दत्ता, अंजू कुमारी, संजू कुमारी, ममता देवी, रेखा देवी, सिखा कुमारी, लक्की कुमारी, खुशबू कुमारी के साथ-साथ बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं के बीच उपहार वितरित किए गए।

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनीं 35 से अधिक समस्याएं, त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

बोकारो : आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान और प्रशासन के साथ उनके सीधे संवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में- हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम (जनता दरबार) का आयोजन किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 35 से अधिक फरियादियों की समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की और उनके संवेदनशील निराकरण का भरोसा दिलाया।

जनता दरबार के दौरान शिक्षा विभाग, सामान्य शाखा, चास अंचल, आपूर्ति, राजस्व विवाद और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़े आवेदन प्रमुखता से प्राप्त हुए। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदन पर संज्ञान लेते हुए उन्हें संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित किया और सख्त निर्देश दिए कि इन मामलों की अविलंब जांच कर पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जन समस्याओं के निपटारे में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण भगत और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त की इस सक्रियता से दूर-दराज के क्षेत्रों से आए ग्रामीणों में अपनी समस्याओं के समाधान के प्रति नई उम्मीद जगी है।

ऐश पौंड को ले गतिरोध बरकरार, त्रिपक्षीय वार्ता में कई मुद्दों पर चर्चा

एसडीएम ने दिया मजदूरों के बकाये भुगतान और कार्य शुरू कराने का निर्देश

बोकारो थर्मल: डीवीसी के ऐश पौंड से छाई उठाव को लेकर चल रहा विवाद शुक्रवार को दूसरे दिन भी बना रहा, जिससे बिजली उत्पादन की निरंतरता पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ऐश पौंड के मजदूरों ने अपनी मांगों और पिछले बकाये के समर्थन में दो नई कंपनियों, शर्मा ट्रांसपोर्ट और बी-टू-वी, को कार्य शुरू करने से रोक दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शुक्रवार शाम डीवीसी निदेशक भवन में बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ और एसडीपीओ बशिष्ठ नारायण सिंह की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित की गई। बैठक के दौरान बेरमो एसडीएम ने मजदूरों की जायज मांगों पर कड़ा रुख अपनाते हुए डीवीसी प्रबंधन को निर्देश दिया कि पिछली कंपनी के लंबित भुगतान से कटौती कर मजदूरों के चार माह का बकाया वेतन तुरंत चुकाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने सभी कार्यरत मजदूरों को परिचय पत्र निर्गत करने और उनकी ईपीएफ व ईएसआई कटौती सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया। नई कंपनियों ने अपनी ओर से भविष्य के भुगतान और नियमानुसार सुविधाएं देने पर सहमति व्यक्त की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बिजली उत्पादन एक अनिवार्य सेवा है और इसमें किसी भी प्रकार का अवरोध स्वीकार्य नहीं है। बेरमो एसडीपीओ ने इस बात पर चिंता जताई कि छाई उठाव बाधित होने के कारण पावर प्लांट को बंद करना पड़ा था, जो कि एक अत्यंत गंभीर मामला है। एसडीएम ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि अब छाई उठाव में कोई अनावश्यक बाधा उत्पन्न की गई, तो संबंधित व्यक्तियों को चिन्हित कर उन पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उन्होंने स्थानीय थाना प्रभारी को इस दिशा में कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, वार्ता के तुरंत बाद कार्य धरातल पर शुरू नहीं हो सका, लेकिन डीवीसी के जीएम (ऐश मैनेजमेंट) एए कुजूर ने विश्वास जताया कि रात्रि से ही नई कंपनियों द्वारा छाई उठाव का कार्य हर हाल में प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में डीवीसी के अधिकारियों के साथ-साथ सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव, जानकी महतो, मुखिया प्रतिनिधि महबूब आलम और अन्य मजदूर प्रतिनिधि शामिल थे।

डीपीएस बोकारो को मिली प्रतिष्ठित 7-स्टार रेटिंग, बना देश का अग्रणी एसडीजी स्कूल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

» गौरव में जुड़ा एक और स्वर्णिम अध्याय, प्राचार्य ने विद्यालय परिवार को दिया श्रेय

बोकारो : शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर सफलता का परचम लहराया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचारी प्रयोगों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विद्यालय के निरंतर प्रयासों को भारत सरकार की मुहर मिली है। नीति आयोग और एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार से संबद्ध सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट (सीईडी) फाउंडेशन ने डीपीएस बोकारो को 7-स्टार रेटिंग से सम्मानित किया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता विद्यालय को स्कूल स्तर पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी), यानी संधारणीय विकास लक्ष्यों को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए प्रदान की गई है। बता दें कि डीपीएस बोकारो ने न केवल किताबी ज्ञान, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों में विशेष संचेतना जागृत करने की दिशा में एक मानक स्थापित किया है। यही कारण है कि 7-स्टार रेटिंग के साथ-साथ विद्यालय को सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में देशभर में एक पायोनियर (अग्रणी) के रूप में मान्यता मिली है।

उल्लेखनीय है कि संधारणीय विकास और पर्यावरण-मैत्री प्रयासों के लिए विद्यालय को गत वर्ष भी सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) स्कूल अवार्ड से नवाजा जा चुका है। हाल ही में विद्यालय की सफलता में एक और मील का पत्थर तब जुड़ा, जब इस दिशा में प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के कुशल मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। उन्हें भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय से संबद्ध नेशनल एजुकेशन ट्रस्ट ऑफ इंडिया (एनईआई) की ओर से बेस्ट प्रिंसिपल अवार्ड प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हें पर्यावरणीय प्रबंधन, नवाचारी पद्धतियों और छात्रों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए मिला।

शुक्रवार को विद्यालय के वरीय उप प्राचार्य अंजनी भूषण एवं उपप्राचार्या शालिनी शर्मा ने सांकेतिक रूप से यह गरिमामयी सम्मान प्राचार्य डॉ. गंगवार को सुपुर्द किया। इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य ने कहा कि यह 7- स्टार रेटिंग केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि हमारे विद्यालय परिवार की सामूहिक मेहनत, दृष्टि और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का जीवंत प्रतिबिंब है। उन्होंने इसका श्रेय स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ-साथ समस्त विद्यालय परिवार को देते हुए आगे भी संधारणीय विकास की दिशा में प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। कहा कि भविष्य में भी विद्यालय प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और हरित भारत के निर्माण की दिशा में सतत प्रयासरत रहेगा।

जिसका कोई नहीं, उसके आप हैं...

सोशल मीडिया की गुहार पर डीसी ने दिखाई मानवता, दीपक के बुझते जीवन को मिलेगी नई रोशनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: जिसका कोई नहीं, उसके आप हैं... सोशल मीडिया पर लिखी गई यह एक पंक्ति आज एक मासूम की जिंदगी बचाने का जरिया बन गई। बोकारो रेलवे स्टेशन के खुले आसमान के नीचे, भूख और बीमारी से जूझ रहे बेबस बच्चे दीपक के लिए बोकारो प्रशासन किसी देवदूत की तरह सामने आया है। इस हृदयविदारक मामले को बोकारो के जाने-माने युवा सामाजिक कार्यकर्ता और पशुप्रेमी प्रशांत द्विवेदी ने प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने दीपक की दयनीय स्थिति के वीडियो साझा करते हुए जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री से मदद की गुहार लगाई थी। दीपक, जिसके माता-पिता (लक्ष्मी देवी और राहुल) स्टेशन पर बर्तन धोकर और मजदूरी कर किसी तरह गुजर-बसर करते हैं, बीमारी के कारण चलने-फिरने में भी असमर्थ था। उसके पास न रहने को छत थी और न इलाज के पैसे।

जैसे ही यह मामला बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा के संज्ञान में आया, उन्होंने त्वरित कार्रवाई की। सबसे खास बात यह रही कि उपायुक्त महोदय का जन्मदिन था। अपने विशेष दिन पर उत्सव के बजाय उन्होंने कर्तव्य और मानवता को सर्वोपरि रखा।डीसी बोकारो ने तत्काल जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को निर्देशित किया। कुछ ही घंटों के भीतर, दीपक को रेस्क्यू कर सदर अस्पताल, बोकारो में भर्ती कराया गया।

सोशल मीडिया पर साझा की गई नवीनतम तस्वीरों में देखा जा सकता है कि दीपक अब अस्पताल के बिस्तर पर है और डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी निगरानी कर रही है। डीसी बोकारो ने स्वयं ट्वीट कर जानकारी दी कि दीपक को सदर अस्पताल बोकारो में भर्ती करवाया गया है। मेडिकल टीम द्वारा उपचार किया जा रहा है। बाल संरक्षण टीम इसकी निगरानी कर रही है। जोहार।

कुल मिलाकर, यह घटना दर्शाती है कि यदि सोशल मीडिया का सही उपयोग हो और प्रशासन संवेदनशील हो, तो व्यवस्था की अंतिम कतार में खड़े व्यक्ति तक भी मदद पहुँच सकती है। प्रशांत द्विवेदी के इस प्रयास और उपायुक्त अजय नाथ झा की त्वरित संवेदनशीलता की पूरे जिले में सराहना हो रही है। आज दीपक अस्पताल में सुरक्षित है, और बोकारो ने यह साबित कर दिया है कि यहां का प्रशासन सिर्फ फाइलों में नहीं, बल्कि धरातल पर भी जनता के साथ खड़ा है।

बोकारो में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की दस्तक

» डॉ. आशा लकड़ा ने की मामलों की सुनवाई, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की माननीय सदस्य डॉ. आशा लकड़ा शुक्रवार को अपने बोकारो प्रवास के दौरान जिले की प्रशासनिक गतिविधियों और जनजातीय मामलों की समीक्षा में जुटी रहीं। बोकारो परिसदन पहुंचने पर उपायुक्त अजय नाथ झा और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने उन्हें पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। इस शिष्टाचार भेंट के बाद माननीय सदस्य ने सीधे जनहित और न्याय से जुड़े मामलों पर अपना ध्यान केंद्रित किया।

परिसदन स्थित सभागार में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के दौरान डॉ. आशा लकड़ा ने सुकुरमनी देवी एवं अन्य से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत सुनवाई की। उन्होंने मामले के हर तकनीकी और जमीनी पहलू को बारीकी से समझा और संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे इस प्रकरण पर एक विस्तृत और पारदर्शी प्रतिवेदन जल्द से जल्द प्रस्तुत करें। सुनवाई के दौरान उनका रुख कड़ा रहा और उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तथ्यों की गंभीरता से जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रभावित पक्ष को समय पर न्याय मिल सके।

इस सुनवाई के दौरान आयोग के निदेशक वाई. पी. यादव और पी. के. दास सहित पूरी टीम मौजूद रही। साथ ही जिले की ओर से अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी और जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो सहित विधि सलाहकार और वरिष्ठ अन्वेषक भी उपस्थित रहे। आयोग की इस सक्रियता से यह साफ संदेश गया है कि जनजातीय अधिकारों और उनसे जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बेटियों को शिक्षित करने के साथ-साथ महत्वाकांक्षी बनाना समय की मांग : डीडीसी

» बोकारो जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 20 महिला मुखिया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़ा के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जिला प्रशासन द्वारा जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी) में पंचायती राज एवं विकेंद्रीकरण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण शासन में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और उन्हें नेतृत्व के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने अन्य अतिथियों के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यशाला के दौरान जिले की उन 20 महिला मुखियाओं को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने पंचायतों में विकास के अनुकरणीय कार्य किए हैं। इसके साथ ही, उपस्थित सभी महिला मुखियाओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधा भेंट किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष ने इस अवसर पर जोर देकर कहा कि पंचायतों के समग्र विकास के लिए महिलाओं को केवल भागीदार नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आगे आना होगा।

बेटियों के आत्मविश्वास और शिक्षा पर जोर-उप विकास आयुक्त श्रीमती मजूमदार ने समाज में बेटियों की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि उन्हें शिक्षित करने के साथ-साथ महत्वाकांक्षी बनाना समय की मांग है। उन्होंने महिला प्रतिनिधियों से अपील की कि वे जिस समर्पण से अपने घर को संभालती हैं, उसी लगन से अपनी पंचायतों को भी आदर्श बनाएं। वहीं, जिला पंचायत राज पदाधिकारी (डीपीआरओ) ने मानवाधिकार, महिला सुरक्षा और बाल विवाह जैसे गंभीर विषयों पर प्रतिनिधियों को जागरूक किया।

योजनाओं और अधिकारों की दी गई जानकारी-कार्यक्रम में मनरेगा के तहत महिलाओं को मिलने वाले विशेष अधिकारों और जेएसएलपीएस के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। बुंडू की मुखिया निहारिका सुकृति, जरीडीह पूर्वी की मुखिया कंचन देवी और अन्य प्रतिनिधियों ने जेंडर रेस्पॉन्सिव पंचायत (लिंग के प्रति संवेदनशील पंचायत) की अवधारणा पर अपने जमीनी अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समापन उपस्थित सभी लोगों द्वारा बाल विवाह जैसी कुप्रथा के खिलाफ सामूहिक शपथ लेने के साथ हुआ।

कथारा कोलियरी में कोयला स्टॉक में भीषण आग, करोड़ों के नुकसान की आशंका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बेरमो अनुमंडल अंतर्गत सीसीएल की कथारा कोलियरी में नए कोयला स्टॉक में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। आग इतनी भयावह है कि करोड़ों टन कोयला धू-धू कर जल रहा है और दूर-दूर तक धुएं का घना गुबार दिखाई दे रहा है। इस आगजनी से करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

घटना के बाद पूरे इलाके में धुएं का गुबार फैल गया है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों को सांस लेने में कठिनाई और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आग की लपटें और धुएं का विशाल गुबार दूर से ही देखा जा सकता है, जो पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा बन गया है।

बताया जा रहा है कि कोयला लगातार जलकर राख में तब्दील हो रहा है, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है। हालांकि इस गंभीर घटना को लेकर अब तक कोलियरी प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है और अधिकारी कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे हैं, जिससे उनकी जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कथारा कोलियरी में कोयला स्टॉक में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। हर साल गर्मी के मौसम में इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन प्रबंधन की ओर से इसके स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इसके कारण यह समस्या हर वर्ष दोहराई जाने वाली गंभीर चुनौती बनती जा रही है।

गरगा नदी के कायाकल्प के लिए चास में बनेगा अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान

» नदियों और जल स्रोतों को अपने बेटे-बेटियों की तरह दें सम्मान : उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गरगा नदी और अन्य स्थानीय जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त कर उनके पुराने स्वरूप को वापस लौटाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। शुक्रवार को समाहरणालय में आयोजित मल्टी स्टेकहोल्डर वर्किंग ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जल संरक्षण को लेकर एक अत्यंत संवेदनशील और भावनात्मक अपील की। उन्होंने कहा कि हमें अपनी नदियों और जल स्रोतों को अपने बेटे-बेटियों की तरह सम्मान देना चाहिए और उनकी स्वच्छता को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी माननी चाहिए।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (एनआईयूए) और नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) के सहयोग से देश के 60 शहरों के लिए तैयार किए जा रहे अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान (यूआरएमपी) के तहत चास शहर को भी शामिल किया गया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिया है कि बेस लाइन सर्वे के लिए आवश्यक डेटा और सूचनाएं बिना किसी देरी के निर्धारित समय सीमा के भीतर एजेंसी को उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागों के बीच आपसी समन्वय ही इस योजना की सफलता की आधारशिला है।

प्रदूषण के कारणों की होगी पहचान और समाधान-बैठक के दौरान नदी प्रबंधन से जुड़े तकनीकी पहलुओं जैसे फ्लड प्लान, मास्टर प्लान, रिवर जोन की पहचान, लिक्विड व सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सीवरेज प्लान पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने उन कारकों और सामग्रियों को चिन्हित करने पर विशेष जोर दिया जो गरगा नदी को दूषित कर रहे हैं। संबंधित विभागों को इन कारणों की पहचान कर ठोस और प्रभावी समाधान की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

इस बैठक में अपर नगर आयुक्त चास संजीव कुमार, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे, नमामि गंगे के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार और दामोदर बचाव समिति के सदस्यों सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का लक्ष्य न केवल बुनियादी ढांचा तैयार करना है, बल्कि जन-जागरूकता के माध्यम से नदियों के प्रति नागरिकों के नजरिए में भी सकारात्मक बदलाव लाना है।

प्रहरी मेला में खोरठा कलाकारों के गीतों से झूम उठे श्रोता

» सूरज जायसवाल व करण कुमार कर्मकार ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर में प्रहरी मेला के तीसरे दिन गुरुवार की रात खोरठा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई प्रसिद्ध लोक कलाकारों ने मंच पर अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों को देर रात तक मंत्रमुग्ध बनाए रखा। कार्यक्रम में खोरठा के लोकप्रिय कलाकार नेपाल महतो, शेखर शरदेंदु, हबीब नाज और अशोक महतो ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति दी। नेपाल महतो ने स्वर्गीय सुरेश जायसवाल को समर्पित अपना स्वरचित गीत गाकर कार्यक्रम में भावनात्मक माहौल बना दिया। वहीं अशोक महतो के गीत 'तोहर प्रेमे हारलो जीवन ओ सांवरो गीत गाकर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। शेखर शरदेंदु ने 'जइबइ जंगलवा खइबइ भेलवा और हबीब नाज ने चले गे धनी तोरा लइ जइबइ कसमार बजरिया गीत भी लोगों के बीच खासे लोकप्रिय रहे। इसके अलावा शशि और उसके साथियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य ने कार्यक्रम में अलग ही रंग भर दिया और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि कसमार के समाजसेवी सूरज जायसवाल एवं राष्ट्रीय तीरंदाज एवं झारखंड सरकार के राज्य तीरंदाजी प्रशिक्षक करण कुमार कर्मकार द्वारा फीता काटकर की गई। इसके बाद अतिथियों ने स्वर्गीय सुरेश जायसवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपने संबोधन में करण कुमार कर्मकार ने कहा कि उनके जीवन की दिशा तय करने में प्रहरी मेला का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि जब वे एक साधारण युवक थे, तब इसी मंच ने उनकी प्रतिभा को पहचान दी और उन्हें तीरंदाजी के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिला। वहीं सूरज जायसवाल ने मेला के इस वर्ष के थीम 'यातायात जागरूकता' की सराहना करते हुए कहा कि जीवन अत्यंत मूल्यवान है, इसलिए वाहन चलाते समय प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम में राजू महतो, पंकज जायसवाल, प्रयाग कुमार, कुमारी उषा, मेला कमेटी के अध्यक्ष घनश्याम महतो, व्यवस्थापक रामसेवक जायसवाल व दीपक सवाल, कोषाध्यक्ष पंकज कुमार जायसवाल सहित विष्णु जायसवाल, सौरभ राय (मोंटी), सिद्धेश्वर प्रजापति, दिलीप शर्मा, यूनुस अंसारी, रोमेल अंसारी, अंकुश जायसवाल, विनीत जायसवाल, विजय ठाकुर, संजय जायसवाल, अमित जायसवाल, अजय कुमार आदि उपस्थित थे। वहीं मानू देव, प्रभाष नायक तथा जितेंद्र कुमार ने वाद्य यंत्रों की संगत कर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने झारखण्ड पुलिस को दिए 636 बोलेरो और 849 बाइक, धनबाद पहुंची 40 बोलेरो व 45 बाइक

धनबाद / रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा राज्य में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक तथा प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बड़ी संख्या में नए वाहनों का लोकार्पण कर उन्हें आमजन की सेवा के लिए समर्पित किया गया। मुख्यमंत्री ने झारखण्ड पुलिस को कुल 636 चार पहिया वाहन तथा 849 दो पहिया वाहन उपलब्ध कराए, जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

इसी क्रम में शुक्रवार की रात राजधानी से 40 बोलेरो वाहन धनबाद पहुंचाए गए, जिन्हें जल्द ही जिले के विभिन्न थाना और पुलिस पदाधिकारियों को आवंटित किया जाएगा। इसके साथ ही जिले के लिए 45 अपाचे बाइक भी आवंटित की गई हैं, जो पुलिस की गश्ती व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाएंगी।

इन वाहनों के आने से धनबाद जिले में पुलिस की गश्त व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। विशेष रूप से दूर-दराज और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस की पहुंच तेज होगी, जिससे आम जनता की सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी।

एसएसपी प्रभात कुमार के अनुसार, इन वाहनों का उपयोग थानों की गश्ती टीमों, विशेष अभियान दलों तथा विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा किया जाएगा, ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

एसएसपी का कहना है कि नए वाहनों के शामिल होने से पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ेगी और जिले में अपराध नियंत्रण के प्रयासों को और गति मिलेगी।

बीएसएल की प्रगति और पारदर्शिता का प्रतिबिंब बना द इंडेवर, ईडी ने किया पहले का विमोचन

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के संकार्य प्रभाग ने तकनीकी विकास और सूचनाओं के आदान-प्रदान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शुक्रवार को प्लांट के टेक्निकल सेल विभाग द्वारा संकलित त्रैमासिक तकनीकी बुलेटिन द इंडेवर के प्रथम अंक का भव्य विमोचन किया गया। इस गौरवशाली क्षण के मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त रहे, जिन्होंने बुलेटिन की पहली प्रति का अनावरण कर इसे प्लांट के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए समर्पित किया।

यह बुलेटिन केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि प्लांट के भीतर हो रहे बदलावों का एक व्यापक दस्तावेज है। इसमें सुरक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों के साथ-साथ प्लांट के भीतर और बाहर संचालित विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की गई है। इस अंक की एक प्रमुख विशेषता प्लांट की खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के प्रयासों का विवरण है। बुलेटिन में यह रेखांकित किया गया है कि कैसे विभिन्न विभागों में एकल स्रोत से खरीदे जाने वाले उपकरणों और पुर्जों को अब प्रतिस्पर्धात्मक निविदा के माध्यम से खरीदने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे न केवल गुणवत्ता सुधरेगी बल्कि लागत में भी कमी आएगी।

विमोचन के इस विशेष अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल सेल) अजय कुमार के साथ-साथ सुरक्षा, मैकेनिकल, कोल्ड रोलिंग मिल्स, रिफ्रैक्टरी और इंस्ट्रूमेंटेशन जैसे प्रमुख विभागों के मुख्य महाप्रबंधक व वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। अधिशासी निदेशक श्री दत्त ने प्रथम अंक के सफल प्रकाशन पर पूरी टेक्निकल सेल टीम की पीठ थपथपाई। उन्होंने टीम को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आने वाले अंकों को और अधिक सूचनाप्रद, बेहतर और उपयोगी बनाया जाए, ताकि यह बुलेटिन प्लांट की तकनीकी दक्षता बढ़ाने में एक मील का पत्थर साबित हो।

असर्फी अस्पताल में शव रोकने का आरोप, विधानसभा में विधायक रागिनी ने सरकार को घेरा

धनबाद / रांचीः बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह ने असर्फी अस्पताल में शव रोकने के मामले को उठाते हुए सरकार से सवाल किया।

विधानसभा में सूचना के माध्यम से मुद्दा उठाते हुए विधायक रागिनी ने बताया कि जामाडोबा, झरिया निवासी गुड्डू सिंह उर्फ संजीत सिंह एक दुर्घटना में घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

विधायक ने सदन में कहा कि स्वास्थ्य मंत्री स्वयं यह कहते हैं कि किसी मरीज की मृत्यु हो जाने के बाद अस्पताल में किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता और शव को परिजनों को सौंप दिया जाता है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है।

उन्होंने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि–जब मंत्री कहते हैं कि मृत्यु के बाद किसी प्रकार का पैसा नहीं लगता, तो फिर असर्फी अस्पताल में परिजनों से पैसे की मांग क्यों की जा रही है? जब तक पैसा नहीं दिया जाता, तब तक शव को नहीं छोड़ा जाता। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?"

रागिनी सिंह ने सरकार से स्पष्ट जवाब मांगते हुए कहा कि अगर ऐसा नियम है तो उसका पालन क्यों नहीं हो रहा है और अगर पालन नहीं हो रहा है तो सरकार ऐसे अस्पतालों के खिलाफ क्या कार्रवाई करेगी।

उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार पहले ही अपनों को खोने के दर्द से गुजरते हैं, ऐसे में अस्पतालों द्वारा शव रोककर पैसे की मांग करना बेहद अमानवीय है। सरकार को इस मामले में सख्त कदम उठाने चाहिए ताकि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

जनता दरबारः आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए उपायुक्त, समस्याओं के निष्पादन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन। धनबादः शुक्रवार को उपायुक्त आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा।

जनता दरबार में वार्ड नं 19 में जलापूर्ति से संबंधित मामले, ट्रांसजेंडर सर्टिफिकेट बनाने, रैयती जमीन पर अवैध कब्जा की शिकायत, दिव्यांग पेंशन देने, आवास योजना का लाभ देने, सेवानिवृत्त के उपरांत पेंशन भुगतान करने, होमगार्ड चेक लिस्ट में नाम नहीं आने की शिकायत, चौकीदार बहाली के द्वितीय लिस्ट जारी करने, डीएमएफटी फंड से डीप बोरिंग तथा सोलर पंप के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने, बीसीसीएल द्वारा ब्लास्टिंग कर रैयती जमीन और घर को नुक़सान पहुंचाने, किराएदार द्वारा दुकान पर जबरन कब्जा करने, राशन कार्ड बनाने समेत कई अन्य शिकायतें तथा आवेदन प्राप्त हुई।

उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

एसएसपी ने राजगंज थाना का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा

लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन पर जोर, सड़क हादसों में कमी लाने, गश्त बढ़ाने, सूचना तंत्र मजबूत करने का निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

» राजगंज थाना को मिलेगा नया चार पहिया और दो पहिया वाहन

धनबादः धनबाद जिले में अपराध नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने शुक्रवार को राजगंज थाना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अंचल निरीक्षक मोहम्मद रुस्तम और थाना प्रभारी अलीशा समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना परिसर के विभिन्न विभागों और कार्यालय कक्ष का क्रमवार निरीक्षण करते हुए वहां की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सीसीटीएनएस कक्ष, कम्प्यूटर रूम, काउंसिलिंग सेंटर, मालखाना, बैरक, कॉन्फ्रेंस रूम, रिकॉर्ड रूम, कैंटीन, महिला हेल्प डेस्क और सीरिस्ता का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दस्तावेजों के संधारण, रिकॉर्ड के रखरखाव, मालखाने की व्यवस्था और पुलिसकर्मियों के रहने की व्यवस्था की भी जानकारी ली।

एसएसपी ने थाना क्षेत्र में होने वाले सड़क हादसों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए एनएचएआई के साथ नई सुरक्षा रणनीति बनाकर हादसों में कमी लाने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि थाने में आने वाले सभी मामलों की सही ढंग से प्रविष्टि की जाए तथा रिकॉर्ड को अद्यतन रखा जाए।

एसएसपी ने कहा कि थाने की व्यवस्था सुव्यवस्थित और पारदर्शी होनी चाहिए ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा करते हुए उन्होंने महिला संबंधित मामलों के प्रति संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस दौरान एसएसपी ने थाने में दर्ज कांडों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली और विभिन्न मामलों के अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अनुसंधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी लंबित कांडों का अनुसंधान पूर्ण कर समय पर न्यायालय में चार्जशीट समर्पित की जाए, ताकि अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई हो सके और न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आए।

एसएसपी ने थाना क्षेत्र की विधि-व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों से जानकारी ली और निर्देश दिया कि क्षेत्र में नियमित रूप से गश्ती अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए तथा सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत किया जाए, ताकि अपराध की घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण पाया जा सके।

इसके अलावा उन्होंने थाने में लंबित वारंटों की समीक्षा करते हुए सभी वारंटों का जल्द तामिल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही फरार चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जल्द से जल्द कानून के शिकंजे में लाया जाए।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी महोदय ने पुलिस पदाधिकारियों और जवानों से उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान का निर्देश दिया। इसके अलावे उन्होंने थाना को अतिरिक्त नया चार पहिया वाहन और दो पहिया उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया।

एसएसपी ने सभी पदाधिकारियों व जवानो को आम जनता के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने की भी हिदायत दी। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता आम लोगों को सुरक्षा प्रदान करना और उनकी शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान करना है।

विधानसभा में गूंजा ऊर्जा मित्रों के रोजगार का मुद्दा, राज सिन्हा ने समायोजन की उठाई मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबाद / रांचीः धनबाद विधायक राज सिन्हा ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा में धनबाद सहित पूरे राज्य के ऊर्जा मित्रों के रोजी-रोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया।

विधायक राज सिन्हा ने सदन में कहा कि धनबाद सहित पूरे झारखंड में लगभग 6500 युवक ऊर्जा मित्र के रूप में पिछले 10–15 वर्षों से राज्य एवं राजस्व हित में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इन ऊर्जा मित्रों ने बिजली विभाग के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्मार्ट मीटर लग जाने के कारण ऊर्जा मित्रों के सामने रोजी-रोटी और आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। राज्य सरकार ने पूर्व में ऊर्जा मित्रों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। विधायक राज सिन्हा ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि ऊर्जा मित्रों को मानव दिवस (Man-Day) के रूप में समायोजित किया जाए, ताकि वर्षों से सेवा दे रहे इन युवाओं के रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और उनके परिवारों के सामने उत्पन्न संकट दूर हो। उन्होंने कहा कि राज्य के हजारों परिवारों की आजीविका इससे जुड़ी हुई है, इसलिए सरकार को इस विषय पर संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। श्री सिन्हा ने स्पष्ट कहा कि ऊर्जा मित्रों के हितों की रक्षा के लिए वे सदन से लेकर सड़क तक आवाज उठाते रहेंगे।

आईआईटी आईएसएम में नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम का समापन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः शिक्षा मंत्रालय की प्रमुख पहल मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत आयोजित पाँच दिवसीय नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम का सफल समापन आईआईटी आईएसएम धनबाद के एमएमटीटी सेंटर में हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी आईएसएम के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और अकादमिक पेशेवरों में नेतृत्व क्षमता को मजबूत करना था। कार्यक्रम में देश के कई प्रमुख संस्थानों जैसे सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी रायचूर, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी, विनोबा भावे यूनिवर्सिटी तथा बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी सहित अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पाँच दिनों तक चले इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों के व्याख्यान, इंटरैक्टिव चर्चा और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को अकादमिक नेतृत्व से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की विषयवस्तु राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप तैयार की गई थी, जिसका उद्देश्य शिक्षकों और उच्च शिक्षण संस्थानों की क्षमता को संस्थागत विकास और नवाचार की दिशा में मजबूत करना था।

समापन सत्र में आईआईटी आईएसएम धनबाद के प्रो. सोमनाथ चट्टोपाध्याय और प्रो. ज्ञान प्रकाश उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर बधाई दी और उन्हें अपने-अपने संस्थानों में प्राप्त अनुभवों और सीख को लागू करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. मृणालिनी पांडे तथा सह-समन्वयक प्रो. एम.डी. इरफान ने प्रतिभागियों, संसाधन व्यक्तियों और कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने नेतृत्व से जुड़ी सीख को अपने संस्थानों में लागू करने और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जनगणना 2027 का प्रथम चरणः मकान सूचीकरण व मकानों की गणना का दिया प्रशिक्षण

» देश के विकास व नीतियों के निर्माण में अति महत्वपूर्ण है जनगणनाः उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए जिला व चार्ज अधिकारियों तथा तकनीकी सहायकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आज से समाहरणालय के सभागार में शुरू हुआ। उपायुक्त आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे तथा अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर इसका शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जनगणना किसी भी देश के विकास के लिए योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण करने के लिए अति महत्वपूर्ण है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य की योजनाएं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाता है। लगभग डेढ़ दशक के बाद यह जनगणना कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सभी पदाधिकारी एवं कर्मी इसे पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सम्पन्न करें।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही सभी बातों को ध्यानपूर्वक समझें एवं प्रशिक्षण को सफल बनाएं। इसमें जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं, प्रश्नों के उपयोग, डेटा संकलन की प्रक्रिया तथा क्षेत्र में कार्य करने के सही तौर तरीकों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

जनगणना कार्य निदेशालय, रांची, झारखंड से आए राष्ट्रीय प्रशिक्षक सह सहायक निदेशक मुरारी मोहन ने सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक उदाहरणों एवं पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से मकान सूचीकरण एवं भवनों की गणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को समझाया। बताया कि इस बार की जनगणना पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से सम्पन्न की जाएगी। मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रगणक हर घर व हर ब्लॉक का डेटा संकलन करेंगे। डिजिटल जनगणना से सूचनाओं का संधारण, तेजी और सटीकता से किया जा सकेगा।

प्रशिक्षण के बाद सभी चार्ज अधिकारी अपने-अपने चार्ज अंतर्गत जनगणना 2027 प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य शुरू करेंगे।

मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, राष्ट्रीय प्रशिक्षक सह सहायक निदेशक मुरारी मोहन, जिला खेल पदाधिकारी सह सांख्यिकी पदाधिकारी श्री उमेश लोहरा, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, प्रकाश कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कतरास थाना को मिला नया थानेदार, प्रवीण कुमार ने संभाली कमान

कतरास में अपराध रोकना पहली प्राथमिकताः थानेदार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

कतरास (धनबाद): कतरास थाना के नए थानेदार प्रवीण कुमार ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान थानेदार असीत कुमार सिंह ने उनका स्वागत करते हुए पदभार सौंपा। मीडिया से बात करते हुए थानेदार प्रवीण कुमार ने कहा कि अपराध को नियंत्रित रखना और विधि-व्यवस्था बनाए रखना पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आम जनता के लिए थाना का दरवाजा 24 घंटे खुला रहेगा और अपराधियों से सख्ती से निपटा जाएगा।

थानेदार ने बताया कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस गश्ती बढ़ाई जाएगी और ट्रैफिक व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि आम जनों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाएगा और समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

नए थानेदार के आगमन पर रेल आंदोलनकारी राजेंद्र प्रसाद राजा, शौकत खान, परवेज इकबाल, कतरास बाजार चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष उदय वर्मा सहित कई लोगों ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया।

"स्मार्ट लोन समाधान" बनाएगा प्रक्रिया सरल

कम समय में सरलता से संपन्न होगी लोन डिसबर्समेंट की प्रक्रियाः उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नए व्यवसाय स्थापित करके स्व-रोजगार के अवसर पैदा करने, असंगठित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को वित्तीय, तकनीकी तथा व्यावसायिक सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई), मुद्रा लोन सहित अन्य माइक्रो लोन के सरलता से डिसबर्समेंट के लिए "स्मार्ट लोन समाधान" का प्रयोग किया जाएगा।

इसको लेकर उपायुक्त आदित्य रंजन ने आज नगर आयुक्त, अनुमंडल दंडाधिकारी, जिला उद्योग केंद्र, अग्रणी जिला प्रबंधक, विभिन्न बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक तथा "स्मार्ट लोन समाधान" के प्रतिनिधि के साथ बैठक कर पूरी योजना का विस्तार पूर्वक अध्ययन किया।

उपायुक्त ने कहा कि इसके शुरू होने से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से लोन के लिए आवेदनों की प्राप्ति, स्क्रूटनी, स्वीकृति एवं डिसबर्समेंट की प्रक्रिया कम समय में सरलता से संपन्न होगी। जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। एआई द्वारा प्रथम चरण की स्क्रुटनी के बाद आवेदन के अस्वीकृत होने की संभावना कम होगी। बैंक अधिकारियों के लिए भी समय की बचत होगी।

वहीं "स्मार्ट लोन समाधान" के प्रतिनिधि ने बताया कि आवेदक को फॉर्म भरने से पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस खुद आवेदक से बात करेगा। एआई द्वारा डोक्युमेंट मांगे जाएंगे। एआई उसका सत्यापन करेगा। आवेदक के सिबिल स्कोर की जांच करेगा। पूर्व में ली गई लोन की जानकारी लेगा। यदि आवेदक पत्नी के नाम से लोन लेगा तो उनके पति के डोक्युमेंट मांगेगा। आवेदक के कोटेशन की जांच करेगा। फेस वेरिफिकेशन करेगा। व्यवसायिक स्थल का लाइव जियो टैग विडियो बनाएगा।

बताया कि एआई द्वारा प्रथम चरण की स्क्रुटनी पूरी करने तथा सभी 74 फिल्ड में डाटा भरने के बाद सारे फॉर्म प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (बीपीएम) को भेजे जाएंगे। बीपीएम से फॉर्म क्लस्टर में जाएगा। तत्पश्चात सभी औपचारिकताएं सही पाए जाने पर बैंक जाएगा। बैंक जाने से पहले ही योग्य आवेदन स्वीकृत या अयोग्य आवेदन अस्वीकृत हो जाएंगे।

इसके अलावा सॉफ्टवेयर के माध्यम से पुराने आवेदनों का डिजिटाइजेशन, एआई वीडियो केवाईसी, जन समस्या समाधान के अलावा अन्य सेवा प्रदान की जाएगी।

बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद, एलडीएम अमित कुमार, बैंक ऑफ़ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया सहित अन्य बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक मौजूद थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

17 मार्च से गोड्डा में गृह रक्षक भर्ती परीक्षा, अभ्यर्थियों को राजेन्द्र स्टेडियम में होना होगा उपस्थित

गोड्डा : जिले में झारखंड गृह रक्षा वाहिनी के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी गृह रक्षकों के नव-नामांकन के लिए शारीरिक जाँच और लिखित परीक्षा का आयोजन संभावित रूप से 17 मार्च 2026 से किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार सभी योग्य अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर उर्जानगर (महागामा) स्थित राजेन्द्र स्टेडियम में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र के साथ फोटोयुक्त पहचान-पत्र लाना होगा। पहचान के लिए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस में से किसी एक दस्तावेज को साथ रखना अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा पहचान सत्यापन के लिए दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो भी साथ लाने का निर्देश दिया गया है।

प्रशासन ने बताया कि शारीरिक जाँच और लिखित परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी, तिथि, गतिविधियों की समय-सारणी और अन्य आवश्यक सूचनाएं जिला की आधिकारिक वेबसाइट www.godda.nic.in पर अपलोड की जाएंगी।

जिला चयन समिति ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रशासनिक आवश्यकता या अन्य परिस्थितियों के अनुसार परीक्षा की तिथियों में बदलाव किया जा सकता है। इसलिए अभ्यर्थियों को समय-समय पर वेबसाइट पर जारी सूचनाओं पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

समाहरणालय सभागार में गैस एजेंसियों एवं राइस मिलर्स के साथ उपायुक्त की समीक्षा बैठक संपन्न

दुमका: समाहरणालय सभागार, दुमका में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिले के विभिन्न गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में रसोई गैस आपूर्ति की स्थिति, वितरण प्रणाली तथा उपभोक्ता सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।गैस एजेंसी प्रतिनिधियों ने उपायुक्त को अवगत कराया कि जिले में रसोई गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है तथा गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। इस पर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में गैस की कालाबाजारी नहीं होनी चाहिए। यदि कालाबाजारी की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित एजेंसी की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उपायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि सभी उपभोक्ताओं को निर्धारित सरकारी दर पर ही गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए तथा वितरण व्यवस्था पारदर्शी और समयबद्ध रहे। बैठक में यह जानकारी दी गई कि शहरी क्षेत्र के उपभोक्ता गैस सिलेंडर की बुकिंग के 25 दिन बाद पुनः बुकिंग करा सकेंगे, जबकि ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता 45 दिन बाद दोबारा बुकिंग कर सकेंगे।बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले के राइस मिलर्स के साथ भी समीक्षा बैठक की। उन्होंने धान अधिप्राप्ति कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा मिलर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जानकारी दी गई कि जिले में धान अधिप्राप्ति का कार्य 31 मार्च तक संचालित किया जाएगा। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी सहित विभिन्न गैस एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डुमरी में पंचायत समिति बैठक, आंगनबाड़ी व आपूर्ति व्यवस्था पर उठे सवाल

डुमरी : प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख उषा देवी ने की। इस अवसर पर अंचलाधिकारी सह प्रभारी बीडीओ शशि भूषण वर्मा, उपप्रमुख उपेंद्र महतो, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप मंडल, विधायक प्रतिनिधि अमित महतो और पूर्व प्रमुख यशोदा देवी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पंचायत समिति सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की। विशेष रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति को लेकर कई शिकायतें सामने आईं। पंचायत समिति सदस्य शम्भू महतो ने अमरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के पूरी तरह जर्जर होने और भवन की स्थिति अत्यंत खराब होने की बात रखी। इस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों की सूची तैयार कर संबंधित विभाग को भेजी जाएगी ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बैठक में आपूर्ति विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भी कई सदस्यों ने शिकायतें दर्ज कराईं और व्यवस्था में सुधार की मांग की।

बैठक में पंचायत समिति सदस्य अखिलेश राणा, निक्कू मिर्धा, जयंती देवी, बीरबल पंडित और मौजीलाल महतो के अलावा पशुपालन विभाग के राजेश कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी आकिब अंसारी, बीटीएम मुकेश कुमार, एजीएम सतीश मुर्मू, बीएओ महेश प्रसाद, बीसीओ प्रभाष गुप्ता, एमओ प्रमोद कुमार और लेखराज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अप्रैल में होगा दुमका प्रीमियर लीग-2, 14 से शुरू होगा खिलाड़ियों का पंजीयन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : दुमका प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-2 के आयोजन को लेकर शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन के प्रायोजक अशोका न्यूकेयर हॉस्पिटल और आयोजक डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन, दुमका के पदाधिकारियों ने टूर्नामेंट की रूपरेखा पर चर्चा की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि दुमका प्रीमियर लीग सीजन-2 के लिए खिलाड़ियों का पंजीयन 14 मार्च से 19 मार्च तक किया जाएगा। पंजीयन के लिए खिलाड़ियों को आधार कार्ड और एक फोटोग्राफ साथ लाना अनिवार्य होगा। साथ ही खिलाड़ियों का वर्तमान सत्र में जिला क्रिकेट संघ, दुमका की किसी टीम से जुड़ा होना जरूरी होगा। पंजीयन शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है और पंजीयन जिला क्रिकेट संघ, दुमका के कार्यालय में किया जाएगा।

पंजीकृत खिलाड़ियों की ऑक्शन 25 मार्च को आयोजित की जाएगी। टूर्नामेंट में अधिकतम 8 और न्यूनतम 6 टीमों के भाग लेने की संभावना है। दुमका प्रीमियर लीग सीजन-2 के आयोजन की संभावित तिथि 5 अप्रैल से 20 अप्रैल तक तय की गई है।

बैठक में जिला क्रिकेट संघ, दुमका के अध्यक्ष भास्कर अजीत सिंह, सचिव शावर्ण मनोज कुणाल, कन्वेनर सह प्रायोजक डॉ तुषार ज्योति और सह सचिव विश्वजीत चटर्जी मौजूद रहे। सचिव शावर्ण मनोज कुणाल ने बताया कि बहुप्रतीक्षित दुमका प्रीमियर लीग सीजन-2 का आयोजन भव्य तरीके से किया जाएगा, जिसमें खेल से जुड़े लोगों के साथ जिला प्रशासन का भी सहयोग लिया जाएगा।

वहीं अध्यक्ष भास्कर अजीत सिंह ने कहा कि टूर्नामेंट में पुराने टीमों और उनके ऑनर को प्राथमिकता दी जाएगी, साथ ही नए टीम मालिकों का भी स्वागत किया जाएगा। कन्वेनर सह प्रायोजक डॉ तुषार ज्योति ने कहा कि डीपीएल सीजन-2 दुमका के खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच साबित होगा।

बच्चा चोरी के आरोपी को पुलिस हिरासत में रखा गया।

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : गोला प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बरलंग थाना के ग्राम सुगाटीकरा मे ग्रामीणों द्वारा एक संदिग्ध बच्चा चोर को बीते बुधवार को पकड़ कर पुलिस को सोपा गया था।ग्रामीणों ने चोरी के आरोप में उसकी जमकर पिटाई कर दी थी।इतना ही नही आरोपी को ग्रामीणों ने बिजली के पोल मे बांधकर दुबारा पीटा गया था। जिससे उसकी हालत खराब हो गई थी।घायल के बाद पुलिस ने उसे बरलंगा उप- स्वास्थ्य केन्द्र मे इलाज के बाद थाना मे रखकर स्वास्थ्य, भोजन आदि की ब्यवस्था कर रहे है।आरोपी नेअपना नाम बाबुआ लोधी, बिहार का रहने वाला बताया। वर्तमान में पुलिस उसे दो दिन से पूछताछ कर रही है।पूछताछ के क्रम में उसने कुछ भी बताने से इनकार किया है।पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिर वह बरलंगा थाना क्षेत्र कैसे पहुंचा।ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी के साथ और दो अन्य लोग थे। जो मौके पर फरार हो गए।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खरीफ-2025 फसल बीमा योजना को मिली स्वीकृति, 51,762 किसानों को मिलेगा लाभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा : बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (B-PMFBY) के तहत खरीफ-2025 में बीमित किसानों के अधिसूचित क्षेत्र और फसलों के सत्यापन को लेकर जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति (DLMC) की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अंजली यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में योजना के क्रियान्वयन और प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान बीमित फसलों की स्थिति, किसानों के पंजीकरण, दावा निपटान और बीमा कंपनी की कार्यप्रणाली पर चर्चा की गई। साथ ही चक्रवात और असामयिक बारिश से फसल क्षति को लेकर टोल-फ्री नंबर पर प्राप्त शिकायतों तथा प्रखंडवार प्रगति की भी समीक्षा की गई।

जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि खरीफ-2025 में मक्का के 2010 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो 1585.191 हेक्टेयर क्षेत्रफल से संबंधित हैं, जबकि धान के 49,752 आवेदन 37,999.894 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए प्राप्त हुए हैं। समिति द्वारा विचार-विमर्श के बाद मक्का और धान के कुल 51,762 किसानों के 39,585.084 हेक्टेयर बीमित क्षेत्रफल को स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे इन किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिल सकेगा।

उपायुक्त अंजली यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक किसानों तक योजना का लाभ पहुंचाया जाए और कोई भी पात्र किसान इससे वंचित न रहे। उन्होंने संबंधित विभाग और बीमा कंपनी को निर्देश दिया कि पात्र किसानों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से दावा भुगतान सुनिश्चित किया जाए तथा अनावश्यक विलंब न हो।

बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी अभिजीत शर्मा, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीकुंड व रहमतपुर स्वास्थ्य केंद्र चालू करने की मांग, विधायक निसात आलम ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर विधायक निसात आलम ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा में महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने बरहरवा प्रखंड के श्रीकुंड और रहमतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को जल्द चालू कराने की मांग की। इस संबंध में उन्होंने विभागीय मंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन भी सौंपा।

जानकारी के अनुसार बरहरवा प्रखंड के श्रीकुंड पंचायत स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीकुंड तथा आहुतग्राम पंचायत के रहमतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन पूरी तरह तैयार हैं। लेकिन डॉक्टर, एएनएम और पैरामेडिकल कर्मियों की नियुक्ति नहीं होने के कारण दोनों स्वास्थ्य केंद्र अब तक शुरू नहीं हो पाए हैं।

विधायक निसात आलम ने बताया कि इन अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति के लिए जिला प्रशासन की ओर से पद सृजन का प्रस्ताव राज्य मुख्यालय भेजा जा चुका है। यदि डॉक्टर, एएनएम और अन्य स्टाफ की नियुक्ति हो जाती है तो दोनों स्वास्थ्य केंद्र जल्द ही चालू हो सकते हैं, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि अस्पताल शुरू होने से स्थानीय लोगों को इलाज के लिए पश्चिम बंगाल या अन्य दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की मजबूरी समाप्त हो जाएगी और ग्रामीण क्षेत्रों में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मामले पर विभागीय मंत्री और अपर मुख्य सचिव ने भी सकारात्मक रुख दिखाते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जिले के उपायुक्त से रिपोर्ट मांगी गई है और प्रक्रिया पूरी कर दोनों स्वास्थ्य केंद्रों को जल्द चालू करने का प्रयास किया जाएगा। विधायक ने यह भी कहा कि क्षेत्र में जहां-जहां अस्पताल बनकर तैयार हैं, लेकिन डॉक्टरों की कमी के कारण सेवाएं शुरू नहीं हो पा रही हैं, वहां डॉक्टरों की नियुक्ति सुनिश्चित कराने के लिए विभाग से लगातार पहल की जा रही है।

42 दिनों से लापता मजदूर का नहीं मिला सुराग, पत्नी ने एसपी से लगाई गुहार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पतरातू : रामगढ़ के बासल थाना क्षेत्र अंतर्गत बीचा पंचायत के सालगो खुदिया टोला निवासी 41 वर्षीय मजदूर रामवृक्ष बेदिया पिछले 42 दिनों से लापता हैं। काफी खोजबीन के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिलने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले को लेकर लापता मजदूर की पत्नी आरती देवी ने रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक से पति की तलाश कराने की गुहार लगाई है।

परिजनों के अनुसार रामवृक्ष बेदिया गांव के ही तिलका बेदिया के साथ 29 जनवरी को मजदूरी के लिए दिल्ली गए थे। तिलका ने उन्हें गुड़गांव में काम दिलाने की बात कही थी। दोनों पतरातू स्टेशन से जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन पकड़कर 31 जनवरी की रात दिल्ली पहुंचे और रातभर स्टेशन पर ही रुके। अगले दिन जिस व्यक्ति से काम को लेकर बात हो रही थी, उससे संपर्क नहीं हो पाया। काफी प्रयास के बाद भी फोन रिसीव नहीं होने पर दोनों ने घर लौटने का निर्णय लिया और तिलका बेदिया ने गोरखपुर जाने का टिकट लिया।

इसी दौरान दिल्ली स्टेशन के बाहर कुछ अज्ञात लोगों ने दोनों को ऑटो में बैठाकर सुनसान स्थान पर ले जाकर उनसे छिनतई की। रामवृक्ष बेदिया से 1500 रुपये और तिलका बेदिया से मोबाइल छीन लिया गया। इसके बाद दोनों किसी तरह दिल्ली स्टेशन पहुंचे और गोरखपुर जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए। तिलका बेदिया के अनुसार ट्रेन जब बस्ती स्टेशन पर रुकी और आगे बढ़ी तो रामवृक्ष अपनी सीट पर नहीं थे। काफी खोजबीन के बावजूद उनका कोई पता नहीं चला। इसके बाद तिलका अकेले ही गोरखपुर पहुंचा और वहां से छपरा होते हुए 2 फरवरी को अपने गांव लौट आया।

आरती देवी ने बताया कि दिल्ली में रहने के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने तिलका के मोबाइल से फोन कर कहा था कि दोनों को शराब पीने और छेड़छाड़ के आरोप में पकड़ लिया गया है और उन्हें छुड़ाने के लिए पैसे भेजने को कहा गया। इसके बाद दोनों परिवारों ने मिलकर करीब साढ़े चार हजार रुपये मोबाइल पर भेजे, जिसके बाद फोन बंद हो गया।

घटना को लेकर ग्रामीणों और परिजनों को तिलका बेदिया की बातों पर संदेह है। परिजनों ने बासल थाना में गुमशुदगी का आवेदन देकर पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच करने, तिलका बेदिया से कड़ी पूछताछ करने और जिस मोबाइल नंबर पर पैसे मांगे गए थे उसकी लोकेशन की जांच कराने की मांग की है।

आरती देवी ने बताया कि रामवृक्ष बेदिया ही परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। उनके पांच बच्चे हैं, जिनमें चार बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि तीन बेटियां और एक बेटा अभी घर पर हैं। 42 दिन बीत जाने के बाद भी पति का कोई पता नहीं चलने से पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

असित कुशवाहा युवा आजसू के दुमका जिला प्रभारी नियुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के निर्देशानुसार संगठन विस्तार के तहत युवा आजसू में जिला वार प्रभारियों की घोषणा की गई है।इसी क्रम में दुमका जिले से असित कुशवाहा को युवा आजसू का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व ने आशा व्यक्त की है कि उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी और जिले में युवाओं को जोड़ने का अभियान और तेज होगा।

असित कुशवाहा की इस नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।पार्टी कार्यकर्ता जयदेव मंडल, ललन मिश्रा, अनुनय मंडल, आनंद मांझी, सितेन मंडल, सपन देहरी, कर्पूरी ठाकुर, कृष्ण माझी, सदानंद लायक, मणिलाल मांझी,चंदन कुमार,अरविंद राउत,मार्शल टुडू, केशव मंडल,शशि पल,रवि मुर्मू,नयन मंडल,मनोज राय,अजीत कुमार ,प्रद्युम्न कुमार,अर्जुन साह भीम नारायण, बिकाश यादव, शाकिर कुमार आदि ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

भव्य कलश यात्रा के साथ बारापलासी में श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : जामा प्रखंड अंतर्गत बारापलासी हटिया परिसर में शुक्रवार को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सिर पर कलश लेकर महिलाएं और युवतियां भक्ति गीतों और जयकारों के साथ शोभायात्रा में शामिल हुईं, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया।

कलश यात्रा की शुरुआत ठाकुरबाड़ी से हुई, जो पिपरा, बारा पलासी, लकड़ और दिवानी पलासी का भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल पहुंची, जहां विधिवत कलश स्थापना की गई। शोभायात्रा में वृंदावन से आए कथा वाचक आचार्य दुर्गेश नन्दन जी महाराज भी शामिल हुए और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया।

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि 13 मार्च से 21 मार्च तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा, जबकि 22 मार्च को हवन और भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में बारापलासी और आसपास के ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर रामकथा यज्ञ समिति के संजीव चौधरी, राजकुमार मंडल, रितेश भालोठिया, पवन भालोठिया, प्रेम कुमार साह, गोकुल बिहारी, गुलाब रॉय, तुषारकांत कुंवर, सुरेश भालोठिया, दिनेश भालोठिया, माकूल सेन, तपन सेन, अमर जोशी, प्रमोद साह, सुभाष नाग, उत्सव भुवानिया, बिक्की केलंका, कमल केलंका तथा मुख्य यजमान हरीश अग्रवाल और पायल देवी सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

एलपीजी गैस की किल्लत से लोग परेशान, चैंबर ऑफ कॉमर्स ने उपायुक्त से की कार्रवाई की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। जिले में इन दिनों एलपीजी गैस सिलेंडर की गंभीर किल्लत से आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई दिनों से गैस की आपूर्ति बाधित रहने के कारण लोगों के घरों में खाना बनाने तक की समस्या उत्पन्न हो गई है। खासकर जिन परिवारों में शादी-विवाह या अन्य सामाजिक कार्यक्रम तय हैं, उनके लिए स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है।

इसी समस्या को लेकर ईस्टर्न झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, साहिबगंज के आठ सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में उपायुक्त हेमंत सती से उनके कार्यालय में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के समक्ष जिले में गैस की अनियमित आपूर्ति और आम लोगों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया।

अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति अत्यधिक प्रभावित है। कई उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, वहीं कुछ गैस एजेंसियों द्वारा फोन तक नहीं उठाया जा रहा है और सिलेंडर की डिलीवरी में भी लापरवाही बरती जा रही है। इससे आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर नहीं मिलने से लोगों के सामने भोजन बनाने तक की समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के उपभोक्ता गैस एजेंसियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। कई परिवारों को वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में लकड़ी या कोयले का सहारा लेना पड़ रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से इस गंभीर समस्या पर तत्काल संज्ञान लेते हुए गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कराने तथा लापरवाही बरतने वाले वितरकों पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की, ताकि आम जनता को राहत मिल सके

अफवाह की राजनीति और जिम्मेदारी से भागता विपक्ष

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद वह स्थान है जहां जनता से जुड़े हर बड़े मुद्दे पर गंभीर और जिम्मेदार चर्चा होनी चाहिए लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हाल के वर्षों में विपक्ष की राजनीति का एक बड़ा हिस्सा केवल हंगामा और अफवाह फैलाने तक सीमित होता जा रहा है। एलपीजी सिलेंडर को लेकर संसद के बाहर हुई नारेबाजी और आरोपों की बौछार इसी प्रवृत्ति का उदाहरण है। हाल ही में संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने नारे लगाए कि नरेंदर भी गायब और सिलेंडर भी गायब इस तरह के नारे सुनने में भले ही आकर्षक लगते हों लेकिन यह देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं हैं बल्कि यह केवल राजनीतिक माहौल को गरमाने की कोशिश भर है ।जनता यह समझती है कि देश की ऊर्जा जरूरतों और वैश्विक परिस्थितियों जैसे गंभीर विषयों को केवल नारेबाजी से नहीं, बल्कि ठोस नीति और विवेकपूर्ण चर्चा से हल किया जा सकता है। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने यह दावा किया कि आने वाले समय में ईंधन का बड़ा संकट पैदा हो सकता है और इसके लिए उन्होंने सरकार की विदेश नीति को जिम्मेदार ठहराया लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया ऊर्जा आपूर्ति की चुनौतियों से जूझ रही है ,पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थिति ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। ऐसे में किसी एक देश की सरकार को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराना वास्तविकता से दूर और राजनीतिक बयानबाजी ज्यादा प्रतीत होता है। भारत जैसे विशाल देश की ऊर्जा जरूरतें बहुत बड़ी हैं और इन्हें पूरा करने के लिए सरकार को कई स्तरों पर लगातार प्रयास करने पड़ते हैं ।पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। विभिन्न देशों के साथ दीर्घकालिक समझौते किए गए हैं। आपूर्ति के नए स्रोत तलाशे गए हैं और वैकल्पिक ऊर्जा पर भी बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। सौर ऊर्जा हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है ताकि भविष्य में ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता बढ़ सके। इसके बावजूद विपक्ष लगातार यह माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है कि देश किसी बड़े संकट की ओर बढ़ रहा है ।संसद में चर्चा से पहले ही सड़क और संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर देना यह दिखाता है कि विपक्ष का उद्देश्य समाधान निकालना नहीं बल्कि डर का वातावरण बनाना है।

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

ललित गर्ग

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का व्यवहारिक विकल्प भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए। इस प्रश्न का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इससे जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को भी स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए। हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों,

धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है। इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे। इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए। निश्चितरूप से यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति की गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरने दोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

केरल के इतिहास के कुछ सबक सीखिए राहुलजी!

संजय पराते

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी ने 7 मार्च को यूडीएफ की एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने पैसों सहित केरल के लोगों को कई तरह की सौगातें देने का वादा करते हुए पाँच गारंटियों की घोषणा भी की। इन गारंटियों में केएसआरटीसी की बसों में महिलाओं के लिए मुफ़्त यात्रा, छात्राओं के लिए हर महीने इनाम, युवाओं के लिए बिना ब्याज के ऋण, स्वास्थ्य बीमा और बढ़ी हुई पेंशन आदि शामिल हैं। इन गारंटियों से केरल कोई हलचल नहीं हुई, खासकर इसलिए कि केरलम के लोग पहले से ही केरल सरकार की ऐसी कई योजनाओं का फायदा उठा रहे हैं। बहरहाल, श्रीमान गांधी के भाषण का मकसद अलग था। उन्होंने मोदी सरकार और एलडीएफ सरकार के बीच एक 'गुप्त' गठबंधन की डरावनी तस्वीर दिखाने में अपनी समझ और ऊर्जा की ताकत लगाई, और यह 'साबित' करने की कोशिश की कि अगर मोदी सरकार जनविरोधी है, तो राज्य की एलडीएफ़ सरकार को भी उसी श्रेणी में रखा जाना चाहिए। उन्होंने इसे सीजेपी (कम्युनिस्ट जनता पार्टी) कहा, और अपने ही प्रकरण का हवाला देकर अपनी बात साबित करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि ईडी ने उन पर 55 दिनों तक मुकदमा चलाया, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री पर एक दिन भी मुकदमा नहीं चला। बदकिस्मती से, यह बात झूठी निकली, क्योंकि नेशनल हेराल्ड प्रकरण में श्रीमान गांधी और उनके परिवार पर लंबे समय से मुकदम चल रहा है, जबकि केरल के मुख्यमंत्री को उनके नाम पर चल रहे एकमात्र गंभीर प्रकरण, एसएनएस-लवलिन केस से पहले ही बरी कर दिया गया था। ईडी की आदत है कि अगर विपक्ष में किसी के खिलाफ बाल की खाल के बराबर भी चूक मिले, तो वह उस पर झपट पड़ता है और राहुल गांधी के पास इतने कंकाल हैं, जो दिखाते हैं कि कई कांग्रेसी इस थोड़-सी चूक पर फिसल गए हैं और भाजपा में शामिल हो गए हैं। शायद राहुल गांधी के लिए फायदेमंद यह होगा कि वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वालों का एक डोजियर रखें, न कि एक बेतुकी तुलना के आधार पर किसी गुप्त गठबंधन के बारे में बकवास करें। राहुलजी के लिए केरल के इतिहास से कुछ सबक लेना भी फायदेमंद होगा। केरल के कुछ कांग्रेस नेताओं की बताई बेकार की कहानियों से बचना भी फायदेमंद होगा। ऐसा पहला सबक

1957 का है, जब नए बने केरल राज्य में एक कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई, और उसने वे ज़रूरी सुधार शुरू किए, जिन्हें केंद्र में सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार भी कर सकती थी। इसमें भूमि सुधार, शिक्षा सुधार, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, पुलिस सुधार, सरकारी नियुक्तियों में आरक्षण के नियम और शासन का विकेंद्रीकरण आदि शामिल थे। बहरहाल, कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने इन सुधारों का विरोध करने का फैसला किया और सरकार को गिराने के लिए जातिवादी और सांप्रदायिक ताकतों के साथ मिलीभगत की। इस तरह, कांग्रेस की वजह से सांप्रदायिकता को केरल में पहली बार सांस लेने की जगह मिली। दूसरा सबक 1971 का है। उस समय केरल में कांग्रेस की यूडीएफ सरकार थी। थालास्सेरी में, मंदिर के जुलूस और युवाओं के एक समूह के बीच एक छोटी-सी कहा-सुनी के बाद थालास्सेरी और उसके आस-पास एक बड़ी आगजनी हो गई, जहाँ आरएसएस ने मुस्लिमों के घरों पर हमला किया और उनकी मस्जिदों और दुकानों में आग लगा दी। यह सीपीआई(एम) के कार्यकर्ता ही थे, जिन्होंने मुस्लिम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की और उन्हें आरएसएस के हमलों से बचाया। इस बचाव कार्य का नेतृत्व पिनाराई विजयन कर रहे थे, जो उस समय स्थानीय विधायक थे। तब से आरएसएस ने सीपीआई(एम) को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानना शुरू कर दिया और जब भी और जहाँ भी मुमकिन होता है, उन्हें शारीरिक हमलों और हत्या का निशाना बनाना शुरू कर दिया। पिनाराई, वह गाँव जहाँ से कॉमरेड विजयन आते हैं, इस हमले के इलाके के बीच में था। आरएसएस की भीड़ से लड़ते हुए दो सौ से ज़्यादा सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने अपनी जान दे दी। उस इलाके की कांग्रेस या तो मूकदर्शक बनी रही या आरएसएस के साथ मिली हुई थी। तीसरा सबक 1984 का है। एक बार फिर यूडीएफ सरकार सत्ता में थी, जिसके मुख्यमंत्री श्री के. करुणाकरण थे। निलक्कल में, जो सबरीमाला से ज़्यादा दूर नही है, एक शिव मंदिर से सदियों पुराना एक पत्थर का क्रॉस मिला। सीरियन कैथोलिक चर्च उस जगह पर एक मस्जिद बनाना चाहता था, जिसका शिव मंदिर के अधिकारियों ने विरोध किया। आरएसएस और श्री कुम्मनम राजशेखरन (जो अभी राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेता और मिज़ोरम के पूर्व राज्यपाल हैं) के नेतृत्व वाले अयप्पा सेवा संघम समेत सभी हिंदू संगठनों ने इसका विरोध किया। श्री राजशेखरन हिंदू आंदोलन के मुख्य संगठनकर्ता थे। यूडीएफ ने बीच-बचाव की बातें तो बहुत कीं, लेकिन असल में साथ हिंदुओं का दिया। आखिर में सीरियन चर्च को अपनी परियोजना छोड़नी पड़ी और उस जगह से पत्थर का क्रॉस हटाना पड़ा। यह शायद केरल में हिंदुत्व ताकतों की पहली जीत थी, जिसे यूडीएफ सरकार की 'गुप्त' मिलीभगत से हासिल किया गया था, जिससे असल में सांप्रदायिक ताकतों के पक्ष में एक बड़ा झुकाव आया, और इसके बाद हिंदुत्व की ताकतों का उदय हुआ। चौथा सबक 1987 का है। एलडीएफ ने विधानसभा चुनाव एक खुले, समझौताहीन, सांप्रदायिकता विरोधी मंच से जीता था। एलडीएफ को हराने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ ने एलडीएफ के खिलाफ एक संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार उतारने का प्रयोग किया, जिसे सीएलबी (कांग्रेस-लीग-भाजपा) कहा जाने लगा। ऐसे उम्मीदवार बेपोर विधानसभा और वटकारा लोकसभा, दोनों सीटों पर खड़े किए गए थे। यह अनैतिक गठबंधन दोनों सीटें हार गया। वटकारा में एलडीएफ उम्मीदवार के रूप में जीतने वाले व्यक्ति के. पी. उन्नीकृष्णन थे, जो एक पुराने कांग्रेसी सांसद थे, जिनका हाल ही में निधन हो गया है। श्रीमान गांधी इस बात से खुश हो सकते हैं कि सभी कांग्रेसी ऐसे बेकार तरीकों का समर्थन नहीं करते थे! पांचवां सबक काफ़ी नया है और बेशक, राहुलजी इससे अवगत है। कुछ भाजपाई वकीलों ने सबरीमाला मंदिर में मासिक-धर्म वाली लड़कियों को पूजा करने की इजाज़त दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया, जहां ऐसी पूजा पर रिवाज़ के तौर पर प्रतिबंध है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम स्टार्ट करने की सोच सकते है, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें की दूसरों से तभी दोस्ती करें और अपनी बाते शेयर करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता आपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन खुशियां लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओं को घर के कार्यों से राहत मिलेगी। आज का आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा। शाम का समय भाई बहनों के साथ हंसी-मजाक में बीतेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। समय का सही इस्तेमाल करके काम पूरा करें। आज सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके जीवन में खुशियाँ लेकर आया है। आज बच्चों को करियर के मामले में बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें ग़ौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेगी। युवाओं को बढ़िया नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हुए हैं उन्हे पुराने किये गये कार्यों में वाह-वाही मिलेगी।

कन्या राशि : आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी इससे आपका सकारात्मक विचार बनेगा। ऑफिस के कार्यों को करते समय फोकस बनायें रखें।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज अपने काम को आसान तरीके से करने का रास्ता निकाल लेंगे। नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। परिवार की जिम्मेदारी सही तरीके से निभाएंगे, जिससे प्रसन्नता बनी रहेगी। पैसों से संबंधित चिंता दूर होगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज आपकी इच्छा शक्ति मजबूत बनी रहेगी। आज आपको अपने अन्दर इगो लेन से बचना होगा।

धनु राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। करीयर को बढ़ाने मे किये गये प्रयासों के चलते लाभ होगा। आज अपने प्रिय व्यक्ति की निकटता से आपको खुशी होगी। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी, आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है, मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप समाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा सुखद रहेगी।

मीन राशि :आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुए धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दांपत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज नकारात्मक विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे। आज गुस्से को नियंत्रित करने की कोशिश करें।

अमेरिका में भारतीयों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं से उपजे सवाल

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका स्वयं को दुनिया का सबसे विकसित और सबसे बड़ा लोकतांत्रिक समाज बताता है। वह मानवाधिकार, समानता और बहुसांस्कृतिक समाज की बात भी करता है, विश्व में जहां भी अमेरिका अपनी सैन्य कार्रवाई करता है, वहां इस कार्रवाई किए जाने का कारण भी वहां के समाज पर हो रहे अत्याचार को ही अक्सर बताता है पर आज अमेरिका में ही पिछले एक दशक में भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ सामने आई हिंसक घटनाओं की लंबी श्रृंखला उसकी इस छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। साल 2016 से 2026 के बीच अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ 41 बड़ी गंभीर घटनाएँ दर्ज की गई हैं। इनमें से 38 मामलों में भारतीय मूल के लोगों की मौत हुई है और 3 मामलों में लोग गंभीर हमलों से बच गए। इन घटनाओं में गोलीबारी, लूटपाट, अपहरण, संदिग्ध मौतें, सड़क दुर्घटनाएँ और नस्लीय घृणा से जुड़े हमले शामिल हैं। वस्तुतः हाल ही में 1 मार्च 2026 को टेक्सास के ऑस्टिन में हुई गोलीबारी में 21 वर्षीय भारतीय मूल की छात्रा सविता शान की मौत ने इस मुद्दे को फिर से वैश्विक चर्चा में ला दिया है। इस गोलीबारी में हमलावर ने अंधाधुंध फायरिंग की। इस तरह की यह घटना अकेली नहीं है, न ही ये एक अलग प्रकार का कोई प्रकरण है, बल्कि यह पिछले कई वर्षों से सामने आ रही घटनाओं की एक चिंताजनक श्रृंखला का हिस्सा है। सवाल यह है कि क्या यह केवल अपराध की घटनाएँ हैं या इसके पीछे समाज में पनप रही कोई गहरी मानसिकता भी काम कर रही है?

अमेरिकी में रहने का भारतीयों का सपना और बढ़ती मौतें- अमेरिका लंबे समय से भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा और करियर का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। हर वर्ष हजारों भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए वहाँ जाते हैं, किंतु पिछले कुछ वर्षों में सामने आई घटनाएँ इस "अमेरिकन ड्रीम" के पीछे छिपे खतरों को भी उजागर करती हैं। साल 2025 में टेक्सास में कार्तिक वेंकट साई बद्दिरेड्डी नामक छात्र की पेट्रोल पंप पर काम करते समय लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी वर्ष वॉशिंगटन डीसी में कोय्यादा रवि तेजा को खाना डिलीवरी करते समय लुटेरों ने गोली मार दी। साल 2024 में जॉर्जिया में विवेक सैनी की निर्मम हत्या ने पूरे भारतीय समुदाय को झकझोर दिया। बताया गया कि वह एक बेघर व्यक्ति की मदद करता था लेकिन उसी व्यक्ति ने बाद में हथौड़े से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसी वर्ष वरुण राज पुचा नामक छात्र को जिम में चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिसे पुलिस ने संभावित हेट क्राइम माना। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अमेरिका में पढ़ने जाने वाले विदेशी छात्रों की सुरक्षा वास्तव में उतनी मजबूत है जितनी बताई जाती है?

कामकाजी भारतीयों पर अपराधियों की नजर- अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र पढ़ाई के साथ-साथ छोटे-मोटे काम भी करते हैं। गैस स्टेशन, सुविधा स्टोर, डिलीवरी सेवाएँ और रेस्टोरेंट जैसे क्षेत्रों में भारतीय युवाओं की मौजूदगी काफी अधिक है और यही कार्यस्थल कई बार अपराधियों के लिए आसान निशाना बन जाते हैं। साल 2018 में शरथ कोप्पू नामक भारतीय छात्र की रेस्टोरेंट में लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। साल 2017 में विक्रम जरयाल को वॉशिंगटन में गैस स्टेशन पर काम करते समय गोली मार दी गई। साल 2023 में ओहायो में सैइश वीरा नामक युवक की गैस स्टेशन पर लूट के दौरान हत्या कर दी गई। वस्तुतः इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि सेवा क्षेत्र में काम करने वाले प्रवासी युवाओं को अक्सर असुरक्षित परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, जहाँ अपराध की आशंका अधिक होती है।

नस्लीय घृणा का कड़वा सच- हालाँकि सभी घटनाओं को सीधे नस्लीय घृणा से नहीं जोड़ा जा सकता पर कुछ मामलों में ऐसी मानसिकता साफ दिखाई देती है। साल 2017 में कंसास में इंजीनियर श्रीनिवास कुचिभोटला की हत्या ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आक्रोश पैदा किया था। हमलावर ने गोली चलाने से पहले कथित रूप से कहा था, "अपने देश वापस जाओ।" इसी तरह वॉशिंगटन में दीप राय नामक सिख व्यक्ति पर गोली चलाने वाले हमलावर ने भी विदेशी विरोधी टिप्पणी की थी। इन घटनाओं ने यह सवाल उठाया कि क्या अमेरिका के समाज में विदेशी मूल के लोगों के प्रति असहिष्णुता बढ़ रही है। कुछ घटनाएँ इतनी भयावह थीं कि उन्होंने पूरे भारतीय समुदाय को हिला दिया। साल 2022 में कैलिफोर्निया में भारतीय मूल के एक सिख परिवार- जसदीप सिंह, उनकी पत्नी जसलीन कौर, आठ महीने की बच्ची और भाई अमनदीप सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी गई। साल 2026 में पंजाब के अवतार सिंह का कैलिफोर्निया में अपहरण कर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार यह संभवतः पहचान की गलती का मामला था।

रहस्यमयी मौतें और लंबी जांच- कुछ घटनाएँ ऐसी भी हैं जिनमें मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए। 2024 में परुचुरी अभिजीत का शव जंगल में एक कार के अंदर मिला। इसी वर्ष समीर कामथ और नील आचार्य जैसे छात्रों की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई। इन घटनाओं में कुछ सड़क दुर्घटनाएँ भी शामिल हैं, लेकिन उनमें भी विवाद सामने आए। 2023 में सिएटल में भारतीय छात्रा जाह्नवी कंदुला की मौत एक पुलिस वाहन की टक्कर से हो गई। बाद में एक पुलिस अधिकारी की कथित हंसी से जुड़ा ऑडियो सामने आया, जिसने इस मामले को और विवादित बना दिया। 2019 में टेक्सास में दो भारतीय छात्राओं की हिट-एंड-रन दुर्घटना में मौत हो गई थी। रिपोर्ट में तीन ऐसे मामले भी दर्ज हैं जिनमें भारतीयों पर हमला हुआ लेकिन वे बच गए। 2025 में शिकागो में एक भारतीय छात्र को कार में बैठे-बैठे गोली मार दी गई। 2024 में एक अन्य छात्र पर चार हथियारबंद लुटेरों ने हमला किया। ये घटनाएँ दिखाती हैं कि खतरा केवल जान जाने तक सीमित नहीं है।

भारतीय समुदाय की बढ़ती चिंता- अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या लगभग 50 लाख से अधिक है। यह समुदाय तकनीक, चिकित्सा, शिक्षा और व्यापार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाओं ने इस समुदाय के बीच असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है। भारत में भी उन परिवारों के बीच चिंता बढ़ रही है जिनके बच्चे पढ़ाई के लिए अमेरिका जाते हैं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

138 एलपीजी सिलेंडर जब्त, आरोपी फरार, कालाबाजारी के आरोप पर गोदाम में छापेमारी

पटना। पटना के दानापुर में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। गुरुवार रात अनुमंडल प्रशासन ने शाहपुर थाना क्षेत्र में एक गोदाम पर छापा मारा गया। इस दौरान 138 घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए। इनमें से 25 सिलेंडर भरे हुए थे। एसडीएम अनिरुद्ध पांडेय के निर्देश पर एएसडीओ सहित आपूर्ति विभाग की टीम ने शाहपुर पुलिस के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। छापेमारी की भनक लगते ही कालाबाजारी में लिप्त लोग मौके से फरार हो गए। जांच के दौरान जब्त किए गए सिलेंडरों से संबंधित कोई वैध कागजात नहीं मिले। इसके बाद टीम ने सभी सिलेंडरों को जब्त कर लिया। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि ये सिलेंडर किस गैस एजेंसी के थे। आपूर्ति निरीक्षक ने

आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दानापुर के एएसडीओ तेज प्रताप ने बताया कि,'जिलाधिकारी के निर्देश पर घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर सुचारू रूप से न मिलने की कई शिकायतें मिल रही थीं, जिसकी लगातार जांच की जा रही थी।' एएसडीओ के अनुसार, इसी क्रम में शाहपुर थाना क्षेत्र में कालाबाजारी के लिए घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण की सूचना मिली थी। जिसके बाद यह छापेमारी की गई। उन्होंने यह भी बताया कि जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

'पवन सिंह के कई अफेयर थे,अक्षरा से लड़ाई होती थी'

पटना। भोजपुरी के पावर स्टार कहे जाने वाले पवन सिंह और एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर से चर्चा में हैं। इस बार भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने पवन- अक्षरा की पर्सनल लाइफ को लेकर नया खुलासा किया है। एक वक्त था जब भोजपुरी इंडस्ट्री में उनके और पवन सिंह के अफेयर की खूब चर्चा थी। सालों बाद मोनालिसा ने इस पर अपनी बात रखी है। एक इंटरव्यू के दौरान मोनालिसा से पूछा गया कि, आपने 'पवन राजा' और 'सरकार राज' जैसी फिल्मों में पवन सिंह और अक्षरा के साथ काम किया। उस वक्त जब पवन सिंह के साथ आपके अफेयर की चर्चा होती थी तो अक्षरा को क्या फर्क पड़ता था?

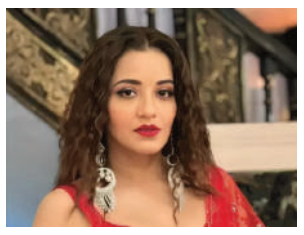

इस पर मोनालिसा ने कहा कि, मुझे नहीं पता। क्योंकि अक्षरा ने मुझसे कभी कुछ नहीं कहा। वो लोग सेट पर अपने में ही रहते थे। मोनालिसा ने ये भी कहा कि पवन सिंह को लोग घमंडी और बदतमीज बोलते हैं, लेकिन उन्होंने मेरे साथ कभी गलत नहीं किया। ना ही गलत तरीके से बात की। उन्होंने ये भी कहा कि मैं बी ग्रेड की फिल्में भी की हैं। इंटीमेट सीन में कई एक्टर मुझ पर हावी भी हुए। मोनालिसा ने बताया कि,भोजपुरी इंडस्ट्री में ऐसा है कि अगर आपने किसी के साथ 5-6 मूवीज कर ली, तो लोग कहने लगते हैं कि अफेयर हो गया। मैंने जब पवन सिंह और खेसारी के साथ काम किया, तो उनके पहले से अफेयर चल रहे थे। पवन सिंह मेरे साथ जब काम करते थे, तो उनके पहले से बहुत सारे अफेयर चल रहे थे। उस टाइम झगड़े भी होते थे। वैनिटी में उनके झगड़े होते थे और सेट का पूरा माहौल खराब हो जाता था।

बिहार के 5 जिलों में यलो अलर्ट, किशनगंज में तेज बारिश, पटना में चली ठंडी हवा

पटना। बिहार में गुरुवार देर शाम को अचानक मौसम ने करवट ली है। सीमांचल क्षेत्र के किशनगंज में तेज बारिश हुई। पटना में ठंडी हवा चलने से मौसम सुहावना हो गया। इसके साथ कई शहरों में मौसम बदला है। मौसम विभाग के अनुसार, 14 से 16 मार्च के बीच उत्तर और पूर्वी बिहार के कई इलाकों में आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश की संभावना है। इससे गर्मी और उमस से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह बदलाव बहुत लंबे समय तक रहने वाला नहीं है। राज्य में उमस भरी गर्मी से पूरी तरह राहत मिलने की संभावना कम है। अगले कुछ दिनों तक दिन में तेज धूप लोगों को परेशान कर सकती है। आज प्रदेश के कई जिलों में अधिकतम तापमान 34 से 37 डिग्री के बीच बना रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार में हल्की बारिश को लेकर येलो अलर्ट है। इन जिलों में कहीं-कहीं बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। इसके अलावा राज्य के अन्य बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। दिन में तेज धूप निकलने के कारण लोगों को गर्मी का सामना करना पड़

सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस समय बिहार के मौसम पर कई मौसमी प्रणालियों का असर पड़ रहा है। एक ओर पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) उत्तर भारत के मौसम को प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी भी वातावरण में बदलाव ला रही है। इसी कारण कुछ इलाकों में अचानक बादल, हवा और हल्की बारिश हो रही है। इसके उलट ज्यादातर जिलों में मौसम शुष्क बना हुआ है। मौसम के इस मिश्रित प्रभाव के कारण तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

आईजीआईएमएस में 2 दिन की नवजात की क्रिटिकल सर्जरी सफल, पीड़ित बच्ची का 3 घंटे चला ऑपरेशन

पटना। पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में डॉक्टरों की टीम ने दो दिन की नवजात बच्ची की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की है। बच्ची ट्रेकियो-इसोफेगल फिस्टुला (टीईएफ) नामक जन्मजात बीमारी से पीड़ित थी, जिसमें श्वासनली और भोजन नली असामान्य रूप से जुड़ी होती हैं। डॉक्टरों ने इस चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन को आधुनिक थोराकोस्कोपी तकनीक और वन-लंग वेंटिलेशन की मदद से पूरा किया। डॉक्टरों के अनुसार, इतनी कम उम्र के नवजात में ऐसी सर्जरी करना बेहद जोखिम भरा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। IGIMS की विशेषज्ञ टीम ने लगभग तीन घंटे चले ऑपरेशन के बाद बच्ची को सुरक्षित कर लिया। फिलहाल, नवजात की हालत स्थिर बताई जा रही है और वह धीरे-धीरे स्वस्थ हो रही है। नवजात बच्ची का जन्म मधुबनी सदर अस्पताल में हुआ था। जन्म के बाद जब परिजन उसे घर ले जा रहे थे, तब बच्ची के सीने में घरघराहट और सांस लेने में परेशानी होने लगी। स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए आईजीआईएमएस रेफर कर दिया था। आईजीआईएमएस पहुंचने के बाद डॉक्टरों की टीम ने बच्ची की जांच की। जांच में उसे ट्रेकियो-इसोफेगल फिस्टुला (टीईएफ) नामक जन्मजात बीमारी होने का पता चला। इस स्थिति में भोजन नली और श्वासनली के बीच असामान्य जुड़ाव हो जाता है, जिससे दूध या भोजन फेफड़ों में जा सकता है और नवजात को सांस लेने में गंभीर समस्या हो सकती है। शिशु शल्य चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. विनीत कुमार ठाकुर के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने इस जटिल सर्जरी को अंजाम दिया। टीम में डॉ. ओम पुर्वे, डॉ. रोहित और डॉ. विवेक रंजन शामिल थे। डॉक्टरों ने आधुनिक थोराकोस्कोपी तकनीक का इस्तेमाल करते हुए ऑपरेशन किया। यह एक मिनिमली इनवेसिव तकनीक है, जिसमें बड़े चीरे की जगह छोटे छेद के जरिए कैमरा और सर्जिकल उपकरण डालकर ऑपरेशन किया जाता है। इससे सर्जरी के बाद मरीज को जल्दी रिकवरी मिलती है और संक्रमण का खतरा भी कम होता है। इस ऑपरेशन की खास बात यह रही कि इसे वन-लंग वेंटिलेशन तकनीक के साथ किया गया। नवजात शिशुओं में यह प्रक्रिया अत्यंत चुनौतीपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि इतने छोटे शरीर में सांस और ऑक्सीजन के स्तर को संतुलित बनाए रखना बेहद मुश्किल होता है।

चंदनकियारी पंचायत समिति की बैठक में जनसमस्याओं पर हंगामा

राष्ट्रीय मुख्यधार

बिजली कटौती और जलसंकट को लेकर आंदोलन की चेतावनी

चंदनकियारी (बोकारो) : चंदनकियारी प्रखंड सभागार में शुक्रवार को प्रमुख निवारण सिंह चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित प्रखंड स्तरीय पंचायत समिति की बैठक हंगामेदार रही। बैठक के दौरान बिजली की लचर व्यवस्था, गहराते जलसंकट और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर जनप्रतिनिधियों ने कड़ा रोष व्यक्त किया। प्रमुख ने विभागीय अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रखंड में पावरग्रिड होने के बावजूद उपभोक्ताओं को महज 8 से 10 घंटे ही बिजली मिल रही है, जिससे भीषण गर्मी में विद्यार्थियों और व्यापारियों का जीना दूभर हो गया है।

प्रमुख ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नियमित बिल वितरण के बजाय उपभोक्ताओं का भयादोहन कर अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आपूर्ति व्यवस्था में तत्काल सुधार नहीं हुआ और मनमानी नहीं रुकी, तो वे पंचायत समिति सदस्यों के साथ बिजली कार्यालय के समक्ष भूख हड़ताल पर बैठने को मजबूर होंगे।

गर्मी की दस्तक के साथ ही क्षेत्र में उत्पन्न पेयजल समस्या पर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में प्रखंड मुख्यालय स्थित बंद पड़ी जलापूर्ति योजना को अविलंब शुरू करने और विभिन्न पंचायतों में खराब पड़े सैकड़ों चापाकल की युद्धस्तर पर मरम्मत सुनिश्चित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। जनप्रतिनिधियों ने संबंधित विभाग से आग्रह किया कि जलसंकट से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में लापरवाही पर नाराजगी- बैठक में तीन दर्जन आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका और सहायिका के चयन प्रक्रिया में हो रही देरी का मामला भी प्रमुखता से उठा। प्रमुख ने नाराजगी जताते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी होने के छह महीने बाद भी जिला कार्यालय द्वारा अनुमोदन नहीं किया जाना गंभीर लापरवाही है, जिससे केंद्रों का संचालन पूरी तरह बाधित है। इसके अतिरिक्त, सदस्यों ने मनरेगा, आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए और आमजन की परेशानियों को दूर करने की मांग की। इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय वर्मा, अंचलाधिकारी रवि आनंद और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तृप्ति पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

- आनन-फानन में कर्मचारियों को बाहर निकाला गया, बम और डॉग स्क्वायड की टीम जांच कर रही

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद एहतियातन कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया गया है। परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस के साथ बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड की टीम कैंपस में पहुंचकर तलाशी ले रही है। पटना SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि, 'मेल के जरिए धमकी आई है। फिलहाल, इसकी छानबीन हो रही है।'

स्पीकर ने कैंपस की जांच के दिए आदेश: बिहार विधानसभा सचिवालय की ओर से बताया गया कि, 'आज बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ई मेल मिला। माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने तुरंत इस पर संज्ञान लेते हुए सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की। अध्यक्ष ने ख्याति सिंह, प्रभारी सचिव को निर्देश दिया

कि वो मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को इस बात की जानकारी देकर विधानसभा परिसर की सुरक्षा दृष्टिकोण से शीघ्र जांच कराएं।' मौके पर मौजूद बीजेपी नेता ने बताया, ये नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी की सरकार है। सुशासन की सरकार है। किसी तरह का कुछ नहीं होने वाला है। जिसने धमकी दी है वो निश्चित तौर पर पकड़े जाएंगे। किसी को छोड़ा नहीं जाएगा।

सरकारी अस्पतालों में गैस संकट, 10 दिन से कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं

एजेंसी, पटना

पटना में कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति ठप होने से सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था पर असर पड़ने लगा है। पिछले करीब 10 दिनों से सिलेंडर नहीं मिलने के कारण कई बड़े अस्पतालों के किचन और हॉस्टल मेस में भोजन बनाने में परेशानी हो रही है। इसका असर PMCH, IGIMS, NMCH और LNJP हड्डी अस्पताल जैसे प्रमुख अस्पतालों में देखने को मिल रहा है। कई जगहों पर मरीजों और मेडिकल छात्रों के लिए इंडक्शन चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है।

इंडक्शन चूल्हों से बनाई जा रही रसोई: समस्या के समाधान के लिए बुधवार देर रात पीएमसीएच और आईजीआईएमएस के मेस में इंडक्शन चूल्हे मंगाए गए। गुरुवार सुबह से मरीजों और छात्र-छात्राओं के लिए भोजन इन्हीं इंडक्शन चूल्हों पर तैयार किया जा रहा है। पीएमसीएच के धनवंतरी हॉस्टल के एक मेडिकल छात्र ने बताया कि गैस आपूर्ति बाधित होने से मेस में भोजन बनाने में दिक्कत होने लगी थी। छात्रों के विरोध के बाद तत्काल इंडक्शन चूल्हों की व्यवस्था की गई, जिससे रोटी समेत अन्य भोजन तैयार किया जा सका। पीएमसीएच के डीएच-1, जीवक और चाणक्या हॉस्टल के मेस के साथ-साथ आईजीआईएमएस और एनएमसीएच के हॉस्टलों में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है। पीएमसीएच के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया कि अस्पताल में जीविका के माध्यम से प्रतिदिन करीब 2000 मरीजों के लिए भोजन तैयार किया जाता है।

भिलाई को रौंद बोकारो स्टील की टीम पहुंची सेमीफाइनल में

संवाददाता

बोकारो : दुर्गापुर के नेहरू स्टेडियम में जारी इंटर स्टील प्लांट पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन वह सब कुछ देखने को मिला, जिसकी उम्मीद एक खेल प्रेमी करता है- धमाकेदार रेड, चट्टानी डिफेंस और आखिरी सेकंड तक टिका रोमांच! बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के शेरों ने अपने अदम्य साहस और जुझारूपन का परिचय देते हुए सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया है।

शुक्रवार का दिन मैदान पर किसी फिल्मी क्लाइमेक्स से कम नहीं था। बोकारो का सामना दिग्गज भिलाई स्टील प्लांट की टीम से था। मैच के हर मिनट में पासा पलटता रहा। एक तरफ भिलाई की आक्रामकता थी, तो दूसरी तरफ प्रशिक्षक सह प्रबंधक गोपाल ठाकुर की कुशल रणनीति। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर ऐसी रही कि जब रेफरी की अंतिम सीटी बजी, तो स्कोरबोर्ड

28-28 की बराबरी पर थमा था। इस कड़े संघर्ष और शानदार प्रदर्शन के आधार पर बोकारो ने धमाकेदार अंदाज में सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

शनिवार का दिन बोकारो के लिए सुपर सैटरडे होने वाला है। सेमीफाइनल के पहले बड़े मुकाबले में बोकारो की भिड़ंत आरआईएनएल विशाखापत्तनम की मजबूत टीम से होगी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में सेलम स्टील प्लांट और भिलाई स्टील प्लांट की टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए जोर आजमाइश करेंगी। खेल प्रेमियों की निगाहें अब पूरी तरह से शनिवार के इस महामुकाबले पर टिकी हैं।

मैदान पर बोकारो का परचम लहराने वाली इस टीम में निखिल कुमार, दिग्विजय राउत, शिव प्रसाद सोरेन, विक्की कुमार, गोलू कुमार, प्रिंस, राहुल, नवाज दिलशान, भीषण और कुलदीप कुमार जैसे धुरंधर शामिल हैं। टीम की इस उपलब्धि पर बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन सहित तमाम वरीय अधिकारियों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। हर तरफ बस एक ही उम्मीद है कि बोकारो की यह टीम विशाखापत्तनम को मात देकर खिताबी जीत दर्ज करे।

- इंटर स्टील प्लांट पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता : आज विशाखापत्तनम से आरपार की भिड़ंत

लाइब्रेरी से लौट रही छात्रा 48 घंटे से लापता, परिवार को अपहरण का शक

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा में 20 साल की छात्रा के लापता होने का मामला सामने आया है। छात्रा पिछले 48 घंटे से गायब है और उसका अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। परिवार ने अपहरण की आशंका जताई है। घटना के दिन का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में छात्रा अपने घर की ओर जाती दिखाई दे रही है। इसी दौरान दो युवक पहले से रास्ते में मौजूद नजर आते हैं, जो उसका पीछा करते दिख रहे हैं। एक अन्य सीसीटीवी फुटेज में छात्रा डरकर भागती हुई भी दिखाई दी है।

घर लौटते समय किया था फोन: लापता छात्रा की बड़ी बहन शालिनी कुमारी के मुताबिक, 'मेरी बहन नेहा कॉलेज में पढ़ाई करती है। 11 मार्च को रोज की तरह सुबह 8 बजे लाइब्रेरी क्लास के लिए गई थी। वह श्रीरामपुर टोला स्थित रविदास

मंदिर के पीछे वाली गली में पढ़ने जाती थी।

परिवार ने जताई अपहरण की आशंका: परिवार ने मामले को लेकर बिहटा थाना में लिखित आवेदन दिया है। परिजनों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में उनकी बहन भागती हुई दिखाई दे रही है, लेकिन वह घर नहीं पहुंची। ऐसे में

- सीसीटीवी में पीछा करते दिखे दो लड़के, फोन बंद

उन्हें अपहरण की आशंका है। घटना के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी छात्रा का मोबाइल बंद है, जिससे परिवार में डर और चिंता का माहौल बना हुआ है।

पुलिस कर रही तलाश: बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि, 'छात्रा की मां की ओर से थाने में आवेदन दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और छात्रा की तलाश के लिए टीम का गठन किया गया है।' उन्होंने बताया कि, 'सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। छात्रा के मोबाइल की आखिरी लोकेशन भी ट्रेस की जा रही है।' पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा करने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री का फैसला गठबंधन तय करेगा- श्रवण कुमार

निशांत को सीएम बनाने की मांग पर बोले- हर दल चाहता है उसका नेता सीएम बने

एजेंसी, पटना

मंत्री श्रवण कुमार ने राज्य की राजनीति, राज्यसभा चुनाव और मुख्यमंत्री पद को लेकर कई अहम बातें कही हैं। कहा कि, 'मुख्यमंत्री किसका होगा, इसका फैसला बड़े स्तर पर होगा।' उन्होंने कहा कि, 'यह निर्णय गठबंधन में शामिल सभी दल मिलकर करेंगे।' साथ ही उन्होंने राज्यसभा की सभी सीटों पर NDA की जीत का दावा भी किया।

मुख्यमंत्री पद को लेकर क्या बोले मंत्री: मंत्री श्रवण कुमार से जब पूछा गया कि, भारतीय जनता पार्टी की ओर से कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री उनका होगा। इस पर उन्होंने कहा कि, 'यह सब बड़े स्तर पर तय होगा।' उन्होंने कहा कि, 'जिसने यह बयान दिया है, उसी से जाकर पूछा

जाना चाहिए कि उन्हें कैसे पता है कि मुख्यमंत्री कौन होगा।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर उन्होंने कहा कि, 'हर दल का नेता चाहता है कि उसका नेता मुख्यमंत्री बने, उनका नेतृत्व आगे आए।'

राज्यसभा चुनाव को लेकर मंत्री ने कहा कि, 'बिहार में हो रही तरक्की और विकास को देखते हुए विधायक मतदान करेंगे, चाहे वे किसी भी दल के हों।' उन्होंने दावा किया कि, 'महागठबंधन के उम्मीदवार की हार होगी और एनडीए पांचों सीटों पर जीत हासिल करेगा।' उन्होंने बताया कि, राज्यसभा चुनाव को लेकर हाल ही में हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं।' बिहार में गैस सिलेंडर की कमी की शिकायतों पर उन्होंने कहा कि, 'कुछ लोग कालाबाजारी करने में लगे हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार इस मामले को गंभीरता से देख रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पांचवें उम्मीदवार के नाम पर सस्पेंस: राज्यसभा की पांचवीं सीट के लिए उम्मीदवार को लेकर शिवेश कुमार राम और उपेंद्र कुशवाहा के नाम की चर्चा है। हालांकि, मंत्री श्रवण कुमार ने कहा है कि, 'उम्मीदवार के नाम का खुलासा उचित समय पर किया जाएगा।'

पटना नगर निगम कर्मी करेंगे नगर आयुक्त का घेराव

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम के कर्मी अपनी मांगों की पूर्ति के लिए 12 अप्रैल को मुख्यमंत्री के सामने विशाल प्रदर्शन करेंगे। इसके पहले 30 मार्च को निगम मुख्यालय मौर्या लोक में नगर आयुक्त का घेराव किया जाएगा। यह जानकारी पटना नगर निगम चतुर्थवर्गीय कर्मचारी महासंघ अध्यक्ष नन्द किशोर दास ने दी। उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त और राज्य सरकार मजदूर विरोधी हैं। उनके वादा खिलाफी के विरुद्ध हर सफाई कर्मी के मन में काफी आक्रोश है।

सफाई कर्मचारियों ने अपनी 9 मांगों को लेकर मोर्चा खोला है। उनमें बिहार में सफाई कर्मचारी आयोग का गठन, तीन वर्ष से अधिक एक ही स्थान पर जमे कर्मचारी अधिकारियों

को अविलंब ट्रांसफर किया जाना, निजीकरण समाप्त कर स्थाई बहाली करने की मांग शामिल है। इसके अलावा दैनिक कर्मियों कि सेवा स्थाईकरण, सेवानिवृत्त और मृत कर्मियों के सभी बकाया राशि का भुगतान, एमएसीपी लाभ का भुगतान करने, समान काम के समान वेतन लागू करने, निजी एजेंसी के अधीन काम कर रहे सफाई मजदूरों को कुशल मजदूरी भुगतान, वर्दी की राशि भुगतान करने सहित अन्य मांगें हैं।

एनडीए विधायकों की सम्राट चौधरी के आवास पर बैठक

एजेंसी, पटना

पटना में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर NDA ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में एनडीए विधानमंडल दल की अहम बैठक उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आवास पर हुई। बैठक में गठबंधन के सभी घटक दलों के विधायक शामिल हुए। बैठक में राज्यसभा की पांचों सीटों पर जीत सुनिश्चित करने की रणनीति पर चर्चा की गई। साथ ही विधायकों को मतदान की प्रक्रिया और उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। नेताओं ने कहा कि एनडीए के पास पर्याप्त संख्या बल है और गठबंधन राज्यसभा की सभी पांचों सीटों पर जीत दर्ज करेगा। विपक्ष की ओर से एक सीट जीतने के दावे को लेकर भी चर्चा हुई और विधायकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई।

विधायकों को दिया गया मतदान का प्रशिक्षण: बैठक में बताया गया कि राज्यसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया सामान्य चुनाव से अलग होती है। इसलिए सभी विधायकों को विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कई नए विधायक भी

पहली बार राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे, इसलिए उन्हें वोटिंग के नियम और तकनीकी पहलुओं के बारे में समझाया गया। नेताओं ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद यह पहला मौका है जब इस तरह का चुनाव हो रहा है, इसलिए सभी को विस्तार से जानकारी दी जा रही है कि वोटिंग कैसे करनी है और किन बातों का ध्यान रखना है।

एनडीए ने राज्यसभा चुनाव को लेकर लगातार बैठकें करने का फैसला किया है। 14 मार्च को विधायकों की बैठक उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर आयोजित होगी, जहां वोटिंग प्रक्रिया को लेकर फिर से प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अगले दिन 15 मार्च को जदयू कोटे से मंत्री विजय चौधरी के आवास पर भी विधायकों की बैठक बुलाई गई है। इसके साथ ही सभी विधायकों को निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव तक पटना में ही रहें और किसी को भी पटना से बाहर नहीं जाना है।

मुख्यमंत्री को लेकर बयान से सियासत गरम: बैठक के बाद बिहार सरकार के मंत्री लखेंद्र पासवान के एक बयान से सियासी चर्चा तेज हो गई। उन्होंने कहा कि, 'बिहार में जब भी मुख्यमंत्री का चेहरा बदलेगा, तो वह भाजपा का ही होगा। एनडीए के भीतर भी यही इच्छा है कि अगला मुख्यमंत्री भाजपा से हो। हालांकि, इस बयान पर जदयू की ओर से तुरंत प्रतिक्रिया भी सामने आई। बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि, 'ऐसी कोई बात नहीं हुई है। लोग अक्सर अनुमान के आधार पर ऐसी बातें कहते रहते हैं, लेकिन इस पर कोई आधिकारिक चर्चा नहीं हुई है।' बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्धि यात्रा के दौरान भावुक होने की घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बिहार के लिए लंबे समय तक काम किया है और उनका जनता से गहरा जुड़ाव है। ऐसे में उनका भावुक होना स्वाभाविक है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में युवक व किसान की मौत, पांच गंभीर

बाराबंकी , एजेंसी। तमाम कोशिशों के बाद भी जिले में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। तेज रफ्तार के कारण बीते 24 घंटे के अंदर अलग-अलग स्थानों पर हुई पांच दुर्घटनाओं में एक युवक और बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र की महुलारा ग्राम पंचायत के गुलरिहा गांव निवासी योगेंद्र पाल (21) बुधवार देर रात भीखरपुर गांव निवासी अपने बहनोई मुकेश कुमार (35) के साथ बाइक से जा रहे थे। पुलिस के अनुसार लखनऊ-अयोध्या नेशनल हाईवे पर सफदरगंज चौराहे के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने योगेंद्र पाल को मृत घोषित कर दिया, जबकि मुकेश कुमार का इलाज चल रहा है। योगेंद्र के दो बड़े भाई पंजाब के भटिंडा में निजी नौकरी करते हैं।

रामसनेहीघाट क्षेत्र के ही बढ़इन पुरवा गांव निवासी पूर्णमासी (50) साइकिल से एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। सिद्धौर-केसरगंज मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल पूर्णमासी की कुछ देर बाद सड़क पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे। मृतक के परिवार में चार बच्चे हैं। उधर फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के अचैचा गांव निवासी युवक सुरेंद्र कुमार रात में मिठवारा गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा देवा के सालेनगर निवासी जगतपाल देवा नहर के पास बोलेरो की टक्कर से घायल हो गए। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया।

लखनऊ-अयोध्या नेशनल हाईवे पर बृहस्पतिवार को रामसनेहीघाट क्षेत्र के काशीपुर गांव के पास फसल काटने वाली मशीन लादकर जा रही डीसीएम ट्रक की टक्कर से सड़क किनारे खड्ड में पलट गई। हादसे में पंजाब प्रांत के भटिंडा जिले के पक्खा गांव निवासी चालक दरबाया सिंह (65) और खलासी राजविंदर घायल हो गए।

सप्लाई में कमी के साथ बंद हुई सिलिंडरों की ऑनलाइन बुकिंग

बाराबंकी , एजेंसी। खाड़ी देश में चल रहे युद्ध के कारण उपजा घरेलू एलपीजी गैस का संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इसका सीधा असर घरों के रसोईघरों के साथ होटल, रेस्टोरेंट व खानपान सामग्री बनाने से जुड़े कारोबारियों पर दिखने लगा है। मांग के अनुरूप सप्लाई न होने से दिन भर लाइन में लगने के बाद भी लोगों को घरेलू सिलिंडर नहीं मिल पा रहा है। बुकिंग बढ़ने के कारण सप्लाई से जुड़ी तेल कंपनियों द्वारा संचालित ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था भी पूरी तरह से फेल हो गई है। नई बुकिंग न हो पाने से उपभोक्ताओं की परेशानी भी बढ़ गई है।

जिन उपभोक्ताओं ने बुकिंग करा रखी है उनके घरों तक भी सिलिंडर नहीं पहुंच पा रहे हैं। एलपीजी गैस सिलिंडर न मिलने से कई होटल और रेस्टोरेंट भी बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। जिले में घरेलू गैस सिलिंडर उपभोक्ताओं की संख्या करीब 6.75 लाख है। इन्हें घरेलू सिलिंडरों की आपूर्ति के लिए 235 गैस एजेंसियां संचालित हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन करीब 17 हजार से ज्यादा गैस सिलिंडर की आपूर्ति उपभोक्ताओं को की जा रही है।

इसके बावजूद मांग के अनुरूप घरेलू सिलिंडरों की आपूर्ति न हो पाने से परेशानी बढ़ रही है। हालांकि डीएसओ डॉ. राकेश कुमार तिवारी ने बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में गैस सिलिंडर उपलब्ध हैं सभी एजेंसी संचालकों को निर्देश जारी किए गए हैं कि उपभोक्ताओं को प्राथमिकता पर गैस सिलिंडर उपलब्ध कराए जाएं। यदि कहीं से कोई शिकायत आती है तो इसकी जांच कराई जाएगी।

गैस उपभोक्ता विवेक मिश्रा का कहना है कि तीन दिन से ऑनलाइन बुकिंग के लिए परेशान हूं लेकिन बुकिंग नहीं हो पा रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसियों के ऑनलाइन नंबर ज्यादातर व्यस्त बता रहे हैं या फिर बंद हो गए हैं। जिससे ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो पा रही है। बृहस्पतिवार को सूरतगंज स्थित एजेंसी पर गैस लेने पहुंचा तो बिना बुकिंग के सिलिंडर न देने की बात कह कर वापस कर दिया गया। शहर के कांशीराम कॉलोनी और छाया चौराहा स्थित एजेंसी पर पूरे दिन उपभोक्ता गैस के लिए लाइन में लगे नजर आए।

गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि ऑनलाइन बुकिंग के साथ ही वितरण के लिए जरूरी ओटीपी नंबर भी उपभोक्ताओं के लिंकअप मोबाइल नंबर पर नहीं आ रहा है। इस कारण से बुकिंग के बाद भी उपभोक्ताओं को सिलिंडर देने में दिक्कत बढ़ती जा रही है। एजेंसी संचालकों का कहना है कि आपूर्ति के लिए गैस सिलिंडरों की कमी नहीं है बल्कि ओटीपी न मिलने के कारण वितरण में परेशानी बढ़ रही है।

गैस सिलिंडर के लिए मारामारी, बेकाबू हुए हालात

बुलानी पड़ रही पुलिस, जाम और प्रदर्शन की नौबत

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में रसोई गैस की किल्लत से हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। उद्योग-धंधों पर भी इसका असर पड़ना शुरू हो गया है। घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी सिलिंडर नहीं मिल पाने से लोगों का धैर्य जवाब देने लगा है। ईरान-इस्त्राइल युद्ध से प्रदेश के ज्यादातर जिलों में रसोई गैस का संकट गहराता जा रहा है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि गैस एजेंसियों पर सुबह से ही भीड़ जुट रही है। गैस न मिलने से नाराज ग्राहकों व एजेंसी के कर्मचारियों के बीच तकरार हो रही है। गैस की किल्लत से उद्योग-धंधे भी बुरी तरह से प्रभावित हैं। प्रयागराज के झुंसी में बात इतनी बढ़ गई कि मौके पर पुलिस बुलानी पड़ी। कुछ देर के लिए गैस एजेंसी कार्यालय भी बंद कर दिया गया।

शाहजहांपुर के जलालाबाद में रसोई गैस सिलिंडर न मिलने से नाराज उपभोक्ताओं ने हंगामा करते हुए सुबह करीब दस बजे बरेली-फर्रुखाबाद हाईवे पर जाम लगा दिया। हालांकि, सूचना पाकर कुछ ही देर बाद वहां पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवा बुलवा दिया। गोरखपुर के भरोहिया में रसोई गैस की किल्लत से लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी सिलिंडर नहीं मिल पाने से लोगों का धैर्य जवाब देने लगा है। पीपीगंज स्थित एजेंसी सील होने के बाद गैस वितरण ठप होने से उपभोक्ताओं का गुस्सा बृहस्पतिवार को फूट पड़ा। उन्होंने जमकर प्रदर्शन किया।

आगरा, एटा, कासगंज और मैनपुरी में ऐसे हैं हालात : घरेलू एलपीजी सिलिंडर के लिए बृहस्पतिवार को भी मारामारी रही। गैस एजेंसियों पर लोग लाइन लगाकर बैठे रहे। बुकिंग न होने से भी उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गैस किल्लत से खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ गए हैं। दुकानों पर नई रेट लिस्ट लग गई है।

फिरोजाबाद: चूड़ी उद्योग पर ताले की नौबत : फिरोजाबाद जिले मेंरसोई गैस का संकट गहराता जा रहा है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि गैस एजेंसियों पर सुबह से ही लोगों की भीड़ जुट रही है। गैस कंपनी के औद्योगिक इकाइयों को दी जाने वाली गैस के कोटे में 20 प्रतिशत की कटौती से कांच व चूड़ी उद्योग पर ताले लटकने की नौबत आ गई है। आपूर्ति बहाल नहीं हुई, सैकड़ों कारखाने बंद हो सकते हैं। इससे बड़ी संख्या में कामगार बेरोजगार हो जाएंगे।

हाथरस: घुंघरुओं की खनक पर भी असर : गैस आपूर्ति बाधित होने की मार बिसावर के चांदी के घूंघरू और आभूषण बनाने के कारोबार पर पड़ी है। व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की आपूर्ति नहीं होने से यहां की 180 छोटी-बड़ी फैक्टरियों में काम बंद हो गया है। करीब 4000 कारीगरों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। पर्यावरण नियमों के कारण सभी इकाइयों में केवल गैस से चलने वाली मशीनों से ही घुंघरू को जोड़कर पायल, पाजेब और अन्य आभूषण बनते हैं। यहां का घुंघरू उद्योग देश के कई बड़े बाजारों तक पहचान रखता है।

जौनपुर में 61 और भदोही में 24 घरेलू सिलिंडर बरामद : वाराणसी सहित 10 जिलों में घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की कम आपूर्ति से स्थिति और गंभीर हो गई है। वाराणसी के अन्नक्षेत्रों में गैस स्टॉक खत्म हो रहा है तो वहां चूल्हे लग गए हैं। बड़े होटलों में भी चूल्हे लगा दिए गए हैं। जौनपुर के जफराबाद थानाक्षेत्र के कल्यानपुर बाजार में जनसेवा केंद्र और कास्मेटिक की दुकान पर छापा मारकर 61 सिलिंडर बरामद किए गए। भदोही के दुर्गागंज तिराहे पर कालाबाजारी की सूचना पर पूर्ति विभाग ने आनंद किचन सर्विस से 12 घरेलू सिलिंडर, पांच किलो के तीन भरे और पांच किलो के खाली नौ सिलिंडर जब्त किए हैं। यहां पर 53 उपभोक्ताओं की पासबुक मिली हैं। मिर्जापुर में वितरकों ने मोबाइल बंद कर लिए हैं। आजमगढ़, चंदौली, सोनभद्र, गाजीपुर और बलिया में सुबह से ही गैस एजेंसियों पर कतार लग गई थी।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा है कि युद्ध से उत्पन्न वैश्विक परिस्थितियों पर सरकार की नजर है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं को गैस या अन्य जरूरी ईंधन की किल्लत नहीं होने दी जाएगी। रसोई गैस सिलिंडर की कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वित्त मंत्री गुरुवार को सदर विधायक सरिता भदौरिया के पुत्र के विवाह में शामिल होने आए थे।

मेरठ में गैस सिलिंडर के लिए मची मारामारी, एजेंसियों पर हंगामा और नोकझोंक, कालाबाजारी जोरों पर

मेरठ, एजेंसी। इंडेन गैस के सर्वर पर नो बुकिंग के बाद बृहस्पतिवार को सिलिंडर के लिए एजेंसियों पर लंबी कतारें लग गईं। दिनभर उपभोक्ता बिना खाए-पिए घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। घंटों इंतजार के बाद भी सिलिंडर न मिलने पर कई एजेंसियों पर नोकझोंक के बाद जमकर हंगामा हुआ। जनता का गुस्सा फूटने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह समझा-बुझाकर शांत कराया। उधर, डीएम वीके सिंह ने एक बार फिर जिले में सिलिंडर की कमी न होने का दावा किया। प्रशासन ने चेताया कि किसी तरह की अफवाहों से बचें। अगर सिलिंडर की कालाबाजारी पकड़ी गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परतापुर थाना क्षेत्र के पुट्ठा रोड स्थित ब्रह्म ज्योति गैस एजेंसी, गगोल रोड स्थित इंडेन गैस की बाल सुंदरा गैस एजेंसी और मोहिद्दीनपुर स्थित भारत गैस की वर्धमान गैस एजेंसी पर बृहस्पतिवार की सुबह छह बजे ही उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग गईं। सैकड़ों की संख्या में सिलिंडर लेने पहुंचे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। लंबी लाइन होने के चलते कई उपभोक्ता आपस में भिड़ते नजर आए। इस दौरान कई जगह नोकझोंक और जमकर हंगामा हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत किया।

कतार में खड़े लोगों के बीच कई बार कहासुनी हुई और कुछ स्थानों पर धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। उपभोक्ताओं का आरोप था कि गैस एजेंसी के कर्मचारी कुछ प्रभावशाली लोगों को अधिक रेट पर सिलिंडर उपलब्ध करा रहे हैं। जबकि, आम जनता को कई दिनों तक एजेंसी के चक्कर लगाने के बाद भी सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। लोगों का कहना है कि कालाबाजारी करने वाले गैस एजेंसियों से मिलीभगत कर ऊंचे दामों पर सिलिंडर घर-घर पहुंचा रहे हैं।

इसी को लेकर वर्धमान गैस एजेंसी के बाहर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और हंगामा शुरू हो गया। हंगामा देख एजेंसी संचालक ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया और गैस वितरण व्यवस्था को दोबारा सुचारू कराया। उधर, कॉमर्शियल गैस की सप्लाई बाधित होने से होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों की परेशानी भी बढ़ गई है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि प्राथमिकता घरेलू गैस की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने की है, ताकि आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि हंगामे की सूचना पर पुलिस पहुंची थी लोगों को समझाकर शांत किया गया।

गैस की किल्लत से परिषदीय स्कूलों में मिड डे मील प्रभावित : दौराला विकास खंड के परिषदीय विद्यालयों में गैस की किल्लत के कारण मिड डे मील बंद होने की कगार पर है। रसोई गैस की उपलब्धता कम होने से विद्यालयों को सिलिंडर जुटाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। भराला स्थित प्राथमिक विद्यालय की इंचार्ज शशि कौशिक ने बताया कि मिड डे मील बनाने के लिए उन्हें 1350 रुपये में घरेलू सिलिंडर खरीदना पड़ा। सामान्य स्थिति में सिलिंडर आसानी से उपलब्ध हो जाता था, लेकिन इन दिनों बुकिंग भी नहीं हो पा रही है।

भाजपा नेता अंशिता सोनू मिश्रा ने मां सरोजिनी की पुण्यतिथि पर किया सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन : नेताओं की भीड़

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां समाजसेविका सरोजनी मिश्रा की तृतीय पुण्यतिथि पर आयोजित किए गए सुंदरकांड पाठ में भाजपा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं का भी जमावड़ा रहा।

गुजैनी स्थित निज निवास में भारतीय जनता पार्टी के चर्चित युवा नेताओं में से एक देवेंद्र मिश्रा सोनू द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, विधायक सुरेंद्र मैथानी ,वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व विधायक अजय कपूर ,दक्षिण भाजपा के अध्यक्ष शिवराम सिंह, भाजपा नेता मनोज सिंह, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक मिश्रा, पूर्व मंत्री शिव कुमार बेरिया समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व अध्यक्ष वीर सेन यादव, व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता ,बाबू सिंह चंदेल समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। भाजपा नेता देवेंद्र मिश्रा सोनू और अंशिता मिश्रा की अगुवाई में सुंदरकांड के पाठ का समापन भक्ति भावपूर्ण भजनों के साथ हुआ जिसके बाद सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

हर किसी के सुख दुख में सदैव खड़े होने वाले और सहयोग के मामले में व्यवहार कुशलता के पर्याय वार्ड 55 गुजैनी की पूर्व पार्षद प्रत्याशी भाजपा नेता अंशिता देवेन्द्र मिश्रा सोनू के बारे में यह भी अवगत कराते चलें कि समस्याओं के खिलाफ विकास के मामले में भी उन्होंने जिस तरह से सफलता पूर्वक कदम बढ़ाए हैं, उससे मतदाताओं के बीच पैदा उनकी लोकप्रियता ने उन्हें एक बार फिर चुनाव जीतने जैसी क्षमता के नजदीक भी खड़ा कर दिया है। वहीं कानपुर दक्षिण में भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र मिश्रा सोनू की भी गिनती जुझारू, व्यवहार कुशल और तेजतर्रार युवा नेताओं में की जाती है। खास बात यह भी कि अंशिता देवेंद्र मिश्रा सोनू की लोकप्रियता का यह प्रभाव केवल भाजपा तक ही सीमित नहीं है बल्कि अन्य सभी राजनीतिक दलों के लोग भी उसके दायरे से बाहर नहीं है,जिसकी मजबूत बानगी उनकी मां सरोजिनी मिश्रा की तृतीय पूर्ण तिथि

पर आयोजित सुंदरकांड पाठ के भव्य अनुष्ठान में भी दिखाई पड़ी। कुल मिलाकर हर वर्ग ,हर धर्म और हर जाति के मतदाताओं में लगातार मजबूत होती उनकी पकड़ विरोधियों के लिए गंभीर चिंता का कारण भी बताई जाती है। इस अवसर पर आगतों का स्वागत शैलेंद्र मिश्रा आदि ने भी किया।

यूपी बोर्ड परीक्षा संपन्न, अंतिम दिन 45 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

पीलीभीत , एजेंसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाएं बृहस्पतिवार को शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो गईं। अंतिम दिन हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विभिन्न विषयों की परीक्षा आयोजित हुई, इसमें 45 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

बृहस्पतिवार को यूपी बोर्ड परीक्षा के अंतिम दिन हाईस्कूल की प्रथम पाली में कृषि विषय की परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में कुल 201 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 191 ने परीक्षा दी, जबकि 10 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी पाली में इंटर की कंप्यूटर विषय की परीक्षा भी आयोजित हुई। इसमें पंजीकृत 152 परीक्षार्थियों में से 143 ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि नौ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में इंटर की संस्कृत विषय की परीक्षा हुई। इसमें कुल 308 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 282 ने परीक्षा दी, जबकि 26 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित परीक्षार्थियों में 17 छात्र और नौ छात्राएं शामिल रहीं। जिले में परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी गई।

बुखार और उल्टी-दस्त का कहर, 19 भर्ती

रायबरेली , एजेंसी। जिले में ठंडा-गर्म मौसम के कारण बुखार और उल्टी-दस्त के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल में 19 मरीजों को भर्ती कराया गया, जिससे इमरजेंसी वार्ड में दिनभर भीड़भाड़ रही। ओपीडी में भी मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ओपीडी में 1700 से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचे। इसमें परचा बनवाने के लिए मरीजों को पसीना बहाना पड़ा।

जिले में बदलते मौसम के मिजाज ने लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। अचानक तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण वायरल संक्रमण और पेट संबंधी बीमारियां बढ़ गई हैं। बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मरीजों का तांता लगा रहा। एक-एक करके मरीज भर्ती होने के लिए पहुंचे। बुखार व उल्ची-दस्त के चपेट में आने के बाद अनुज (30), रौनक (1), प्रियंका (25), सलोनी (22), पंचम (60), मीरा (30), ललिता (27), मोनी (18), कंचन (55), आरती (40) आदि मरीजो को भर्ती करके इलाज शुरू किया गया।

जिला अस्पताल की ओपीडी में बृहस्पतिवार को सुबह से ही मरीजों की भारी भीड़ देखी गई। ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचे 1700 से अधिक मरीजों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सबसे बड़ी समस्या पर्चा बनवाने की थी, जहां लंबी कतारों के कारण मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

शासन की टीम करेगी डीआईओएस कार्यालय में करोड़ों के घोटाले की जांच

पीलीभीत , एजेंसी। डीआईओएस ऑफिस के करोड़ों के घोटाले की जांच के लिए आखिरकार शासन स्तर से कमेटी का गठन कर दिया गया है। अपर शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। टीम जल्द ही पूरे मामले की गहनता से जांच शुरू करेगी। माना जा रहा है कि इस पूरे मामले में कई डीआईओएस, लेखाधिकारी और कोषागार के जिम्मेदारों की भूमिका सामने आएगी।

डीआईओएस ऑफिस में पिछले माह विभागीय बजट को ठिकाने लगाने का खेल सामने आया था। कार्यालय में चपरासी से बाबू बनकर काम करने वाले इल्हाम शम्सी की पत्नी के खाते में एक करोड़ का विभागीय लेनदेन का मामला सामने आने के बाद घोटाले की परतें खुली थीं। डीएम के स्तर से जांच कराई गई तो सामने आया कि एक नहीं बल्कि करीब 35 खातों में विभागीय मद का संदिग्ध लेनदेन किया गया।

इसमें इल्हाम के करीबियों के करीब चार खाते में भी 2.5 करोड़ का लेनदेन पाया गया। यह खेल वर्ष 2019 से शुरू हुआ था। इसमें विभागीय लिपिक से लेकर तत्कालीन डीआईओएस, लेखाधिकारी व कोषागार के जिम्मेदारों तक की सहमति के बाद धनराशि का लेनदेन किया गया।

जांच के बाद इल्हाम शम्सी को निलंबित करने के साथ उसके व उसकी उसकी पत्नी अर्शी खातून के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। अर्शी को जेल भेज दिया गया। इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने मंडलीय टीम के अलावा शासन स्तर से जांच कराने की लिए पत्राचार किए थे। इसपर अब शासन ने संज्ञान लेकर जांच कमेटी का गठन कर दिया है।

अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम बनाई गई है। टीम जल्द ही पूरे मामले की जांच शुरू करेंगी। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि शासन स्तर से जांच कमेटी बनाई गई है। जो पूरे प्रकरण की गहनता से जांच करेगी।

10 वाली चाय 20 में, समोसा और कचौड़ी भी हुई महंगी, गैस संकट का दिखा असर

आगरा , एजेंसी। कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की किल्लत और बढ़ती कीमतों के कारण आगरा के बाजारों में चाय, समोसा और कचौड़ी समेत कई फास्ट फूड के दाम बढ़ गए हैं। दुकानदारों का कहना है कि महंगी गैस के कारण कारोबार चलाना मुश्किल हो रहा है, जबकि ग्राहक बढ़ती कीमतों से परेशान हैं।

आगरा में एलपीजी गैस सिलिंडर की किल्लत के बीच बाजार में खाने-पीने के सामान की कीमतों में पहले ही बढ़ोतरी कर दी गई है। चाय-नाश्ते से लेकर फास्ट फूड तक लगभग हर चीज महंगी हो गई है। दुकानदार गैस महंगी होने का हवाला दे रहे हैं, जबकि कई स्थानों पर अभी भी पुराने दाम पर उपलब्ध सिलिंडर का इस्तेमाल किया जा रहा है।

शहर के विभिन्न बाजारों में चाय, समोसा, कचौड़ी, चाट व अन्य फास्ट फूड के दाम बढ़ा दिए गए हैं। बाजार में बढ़ती महंगाई का असर सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है। दैनिक मजदूरी करने वाले और मध्यम वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

कमला नगर स्थित रेस्तरां संचालक पोला भाई ने बताया कि कॉमर्शियल सिलिंडर 3500 रुपये में भी उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। मजबूरी में कुछ खाने-पीने की वस्तुओं के दामों में वृद्धि की और कुछ आइटमों की बिक्री बंद कर दी है। वहीं हरीपर्वत क्षेत्र के दिल्ली गेट स्थित चाय की दुकानों पर अब गैस संकट का असर साफ दिखाई देने लगा है। पहले जहां सुबह से रात तक ग्राहकों की भारी भीड़ लगी रहती थी, वहीं अब गैस के दाम बढ़ने और कॉमर्शियल सिलिंडर की किल्लत के कारण ग्राहकों की संख्या में कमी आ गई है।

दुकानदार ओमप्रकाश ने बताया कि पहले कुल्हड़ वाली चाय 20 रुपये में मिलती थी, लेकिन गैस महंगी होने के कारण अब चाय की कीमत 25 रुपये करनी पड़ी है। उन्होंने बताया कि दुकान पर उनके पास आखिरी सिलिंडर बचा है। इसके बाद चाय बनाना मुश्किल हो सकता है। इसके साथ ही छोटे-छोटे चाय विक्रेता जो अब तक 10 रुपये की एक चाय बेच रहे थे, उन्होंने चाय अब 20 रुपये में देना शुरू कर दिया है।

दूसरे दुकानदार दीपक कुमार ने बताया कि गैस संकट के कारण उनकी चाय की दो दुकानें बंद करनी पड़ी हैं। सिलिंडर 3 से 4 हजार रुपये तक मिल रहा है, जिससे कारोबार चलाना मुश्किल हो गया है। फिलहाल वह ग्राहकों को चाय पिलाने के लिए इंडक्शन चूल्हे का सहारा ले रहे हैं।

लंगड़े की चौकी निवासी जानकी प्रसाद का कहना है कि कुछ दुकानदारों ने बिना किसी स्पष्ट कारण के ही कीमतों में वृद्धि कर दी है। इससे रोजमर्रा के नाश्ते और छोटे-मोटे खाने का खर्च भी बढ़ गया है। कई दुकानदार घरेलू गैस सिलिंडर का उपयोग कर रहे हैं, जो उन्हें पुराने दाम पर मिले हैं। इसके बावजूद खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी गई हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने एच-1बी वीजा देने की प्रक्रिया में बदलाव किया, अब सैलरी के आधार पर होगा चयन

नई दिल्ली। अमेरिका ने एच-1बी वीजा प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब लाभार्थियों का चयन रैंडम लॉटरी के बजाय वेतन के आधार पर होगा। इसके लिए अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी ने फॉर्म I-129 का नया सिस्टम बनाया है, जिसे 1 अप्रैल 2026 से अनिवार्य कर दिया जाएगा। कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों के लिए दाखिल याचिका में नौकरी से जुड़ी जानकारी देनी होगी। इससे पहले की तुलना में ज्यादा अनुभवी और हाई सैलरी पाने वाले प्रोफेशनल्स को वीजा मिलने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। नए सिस्टम में आवेदकों को चार वेतन स्तरों में बांटा जाएगा। जिस पद का वेतन स्तर जितना ऊंचा होगा, चयन प्रक्रिया में उसे उतने अधिक मौके मिलेंगे। मसलन, लेवल-4 के उम्मीदवार को चार मौके मिलेंगे, जबकि लेवल-1 को सिर्फ एक मौका मिलेगा। फॉर्म I-129 का उपयोग अस्थायी कामगारों को अमेरिका बुलाने के लिए किया जाता है। अमेरिका का श्रम विभाग हर पेशे और शहर के लिए एक मानक वेतन तय करता है। उसी के आधार पर नौकरी को लेवल-1 से लेवल-4 में रखा जाता है। ट्रम्प के आदेश का क्या असर- भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, क्योंकि हर साल कुल जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा में से 70% भारतीय प्रोफेशनल्स को जारी किए जाते हैं। एच-1 बी वीजा की फीस कितनी- पहले फीस लगभग 9 हजार डॉलर यानी करीब 8 लाख 30 हजार रुपए थी, लेकिन सितंबर 2025 में ट्रम्प ने इसे बढ़ाकर 1 लाख डॉलर यानी लगभग 90 लाख रुपए कर दिया। इस वीजा की अवधि कितनी है- 3-3 साल के लिए दो बार जारी होता है। कुल अवधि 6 साल के बाद आवेदक चाहे तो ग्रीन कार्ड यानी नागरिकता से पहले की स्टेज के लिए आवेदन कर सकता है।

चीन की रेडक्रॉस सोसाइटी ईरान की आईआरसीएस को 2 लाख डॉलर की मदद देगी

बीजिंग/मॉस्को। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के सैन्य टकराव के बीच चीन की रेडक्रॉस सोसाइटी ने ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी (आईआरसीएस) को आपातकालीन मानवीय सहायता के तौर पर 2,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की है। चीन ने ईरान के एक प्राइमरी स्कूल पर हाल ही में हुए हमले में छात्रों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उधर, रूस की तरफ से राष्ट्रपति के आदेश पर अजरबैजान के रास्ते भेजी गई 13 टन मानवीय सहायता ईरान के अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने चीनी विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने शुक्रवार को कहा कि चीन ने ईरान के एक प्राथमिक स्कूल पर हमले में छात्रों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। प्रवक्ता ने कहा कि चीन की रेडक्रॉस सोसाइटी ने ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी को आपातकालीन मानवीय सहायता के तौर पर 200,000 अमेरिकी डॉलर देने का फैसला किया है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु (एए) ने रूस के आपातकालीन मंत्रालय के हवाले से गुरुवार को बताया था कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर अजरबैजान के रास्ते ईरान को 13 टन मानवीय सहायता भेज गई है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दवाओं वाली यह खेप अजरबैजान को सौंप दी गई है, ताकि इसे आगे ईरानी अधिकारियों तक पहुंचाया जा सके।बयान में कहा गया है कि मंत्रालय के विमानन विभाग ने दवाओं को अजरबैजान गणराज्य तक पहुँचाने का इंतज़ाम किया, ताकि उन्हें आगे इस्लामिक गणराज्य ईरान की सरकार के अधिकृत प्रतिनिधियों को सौंपा जा सके।

ईरान का अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को निशाना बनाने का दावा

इस्तांबुल/वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के भीषण होते सैन्य टकराव के बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने मिसाइल और ड्रोन हमले में अमेरिकी विमान वाहक पोत अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) को नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका ने अभी तक ईरान के दावे की पुष्टि नहीं की है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु (एए) के मुताबिक ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने मिसाइल और ड्रोन हमले में अमेरिकी विमान वाहक पोत अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) को भारी नुकसान पहुंचाया है। आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि क्षेत्र में चल रहे सैन्य अभियानों के दौरान अमेरिकी नौसेना के इस विमानवाहक पोत को निशाना बनाया गया। लेकिन हमले से हुए नुकसान या संभावित हताहतों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। इसी बीच, अमेरिकी टेलीविजन और रेडियो प्रसारक कोलंबिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम (सीबीएस) ने नाम नहीं छापने की शर्त पर दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में एक अलग घटना में एक ईरानी जहाज अमेरिकी विमानवाहक पोत अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन के काफी करीब पहुंच था। अमेरिकी नौसेना ने उस जहाज को दूर रहने की चेतावनी देने के लिए कार्रवाई की। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि एक अमेरिकी युद्धपोत से ईरानी जहाज पर नौसैनिक तोप से गोलीबारी की गई। पूरी तरह ऑटोमैटिक यह नौसैनिक तोप आमतौर पर डिस्ट्रॉयर और क्रूजर जहाज़ों के आगे के हिस्से में लगाई जाती है। हालांकि, शुरुआती गोलीबारी के दौरान निशाना चूक गया था। फिलहाल, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ये गोलियां चेतावनी के तौर पर चलाई गई थीं या सीधे हमले के लिए। इसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हेलफायर मिसाइलों से लैस सैन्य हेलीकॉप्टर भेजा गया, जिसने ईरानी जहाज की ओर दो मिसाइलें दागीं। इस संबंध में अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आई है कि उस जहाज को कितना नुकसान हुआ या उसके चालक दल की क्या स्थिति है। अमेरिकी सैन्य अभियानों की निगरानी करने वाली इकाई अमेरिकी सेंट्रल कमांड से जब इस मामले पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि फिलहाल उनके पास साझा करने के लिए कोई जानकारी नहीं है।

फोरेंसिक जांच से खुलासा- नेपाल में जेन जी विद्रोह के दौरान आगजनी में इस्तेमाल हुआ था पेट्रोलियम पदार्थ

काठमांडू। नेपाल में पिछले वर्ष ८-९ सितंबर को हुए जेन–जी आंदोलन के दौरान संसद भवन, सर्वोच्च अदालत, देश के प्रमुख प्रशासनिक भवन सिंहदरबार और राष्ट्रपति भवन में आग लगाने के लिए पेट्रोलियम पदार्थ के उपयोग की पुष्टि फॉरेंसिक परीक्षण से हुई है। इन प्रदर्शनों के दौरान संसद भवन के बाहर 17 सहित कुल 19 लोगों की मौत हो गई थी। इसके विरोध में ९ सितंबर को देशभर में हिंसात्मक प्रदर्शन हुए थे। जेन–जी आंदोलन के दौरान आगजनी वाले स्थानों से राख और कोयले के टुकड़े, जली हुई मिट्टी, जले हुए तारों के टुकड़े, आधे जले लकड़ी के टुकड़े और आधे जले कपड़ों के नमूने सहित कुल 15 नमूने अलग-अलग जिप-लॉक प्लास्टिक में पैक किए गए थे। इसके साथ ही 12 मिलीलीटर पीले रंग का तरल पदार्थ सेंट्रीफ्यूज ट्यूब में रखकर भारत के दिल्ली भेजा गया था। ये सभी नमूने सीलबंद कार्टन में रखकर, बाहर से कपड़ा लपेटकर और टेप से सील करके भेजे गए थे। इन प्रदर्शनों के दौरान जले हुए भवनों से एकत्र किए गए १५ नमूनों की जांच भारत के गृह मंत्रालय के अधीन सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी में की गई। जांच में पेट्रोलियम पदार्थ के अवशेष पाए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि नमूनों में पेट्रोलियम उत्पाद (पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन) के अवशेष मिले हैं। परीक्षण के लिए भेजा गया एक तरल नमूना पेट्रोल ही था। प्रयोगशाला में इन १५ नमूनों की जांच भौतिक-रासायनिक विधि, रासायनिक परीक्षण, थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी और गैस क्रोमैटोग्राफी–मास स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री तकनीक के माध्यम से की गई, जिससे पेट्रोलियम उत्पादों और उनके अवशेषों की पहचान हुई। विशेषज्ञों के अनुसार यदि आग लगी जगह से लिए गए नमूनों में हाइड्रोकार्बन पाए जाते हैं, तो यह पेट्रोलियम पदार्थ के इस्तेमाल का संकेत होता है।अमेरिका की व्योमिंग विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में पीएचडी करने वाले काठमांडू इंस्टीट्यूट ऑफ अप्लाइड साइंसेस के वरिष्ठ वैज्ञानिक वसंत गिरी ने कहा कि जिस नमूने में पेट्रोलियम पदार्थ के अवशेष होते हैं, उसमें हाइड्रोकार्बन पाए जाते हैं और हाइड्रोकार्बन पेट्रोलियम पदार्थों में ही मिलता है।

बांग्लादेश में दो बसों में टक्कर दूल्हा-दुल्हन समेत 14 की मौत

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में मोंगला-खुलना हाइवे पर बांग्लादेश नेवी की एक बस और एक यात्री मिनसी बस के बीच आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दूल्हा-दुल्हन और एक ही परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। यह हादसा गुरुवार शाम करीब 4:00 बजे बेलाई पुल के पास हुआ। मिनी बस में शादी समारोह से लौट रहे एक ही परिवार के सदस्य सवार थे। विपरीत दिशा से आ रही नेवी की बस से मिनी बस की टक्कर के बाद चीख-पुकार मच गई।

बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी लोगों ने बाद में अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में मोंगला उपजिला के वार्ड नंबर आठ से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष अब्दुर रज्जाक, उनके बेटे और दूल्हे सब्बीर, दुल्हन मारजिया अख्तर मितु, मितु की दादी अनवारा बेगम, रज्जाक की पत्नी अंजुमारा बेगम, उनकी बेटियां लामिया और आइशी, आइशी के पति सामियुल, बहू पुतुल, पुतुल का बेटा अलीफ, ईरान, मिनी बस का ड्राइवर नईम, इब्राहिम सानी और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

काटाखाली हाइवे पुलिस स्टेशन प्रभारी अधिकारी मो. जफर अहमद ने बताया कि कोयरा से मोंगला की ओर जा रही मिनी बस की टक्कर नेवी की बस से हो गई। टक्कर में मिनी बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल डॉक्टर महनाज मोर्शरफ ने बताया कि एक ही परिवार के कई घायलों को अस्पताल लाया गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।

बीएनपी नेता के घर मातम

रूपसा उपजिला स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर राजेश ने बताया कि चार शवों को अस्पताल में रखा गया है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि अब्दुर रज्जाक अपने छोटे बेटे सब्बीर की शादी कोयरा उपजिला के नक्शा गांव की मारजिया अख्तर मितु से करवाने के बाद रिश्तेदारों के साथ घर लौट रहे थे। इस हादसे से पूरे इलाके में शोक है।

सभी उम्मीदवार, राजनीतिक दल 35 दिन के भीतर चुनाव खर्च का विवरण सार्वजनिक करें: चुनाव आयोग

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के निर्वाचन आयोग ने प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों से अपने चुनाव खर्च का विवरण 35 दिन के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आयोग ने आय-व्यय के इस विवरण को सार्वजनिक भी करने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि चुनाव सम्पन्न होने की तिथि से 35 दिनों के भीतर राजनीतिक दलों को निर्वाचन आयोग के समक्ष और उम्मीदवारों को अपने जिले के प्रादेशिक/जिला निर्वाचन कार्यालय में चुनाव प्रचार-प्रसार से संबंधित आय-व्यय का पूरा विवरण जमा करना होगा। साथ ही यह भी जानकारी देनी होगी कि उक्त विवरण सार्वजनिक किया गया है।

आयोग ने राजनीतिक दलों से अपने चुनावी खर्च का विवरण सार्वजनिक करने का निर्देश दिया है। यह विवरण अपने जिले के प्रादेशिक/जिला निर्वाचन कार्यालय के सूचना बोर्ड, संबंधित गाँवपालिका, नगरपालिका या वार्ड कार्यालय के सूचना बोर्ड, राजनीतिक दल के किसी भी स्तर के कार्यालय या वेबसाइट, आम संचार माध्यमों (अखबार, रेडियो, टेलीविजन आदि) या सामाजिक सञ्जाल (फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि) के माध्यम से सार्वजनिक किया जा सकता है।

आयोग ने चेतावनी दी है कि जो राजनीतिक दल या उम्मीदवार चुनावी खर्च का विवरण प्रस्तुत नहीं करेंगे, उसे सार्वजनिक नहीं करेंगे या विवरण सार्वजनिक करने के प्रमाण सहित लिखित जानकारी आयोग तथा संबंधित निर्वाचन कार्यालय को नहीं देंगे, उनके खिलाफ निर्वाचन (कसुर तथा सजाय) ऐन की धारा 31 के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

निर्वाचन (कसुर तथा सजाय) ऐन की धारा 31 की उपधारा (2) के अनुसार चुनावी खर्च का विवरण आयोग द्वारा निर्धारित तरीके से सार्वजनिक करना कानूनी रूप से अनिवार्य है, ताकि सभी को इसकी जानकारी मिल सके।

वाराणसी स्टेशन पर 3.54 करोड़ का सोना बरामद

दो गिरफ्तार, अफ्रीका से बांग्लादेश होते हुए पहुंचा था भारत

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस से जीआरपी थाना के पुलिसकर्मियों ने दो किलो से अधिक सोना बरामद किया है। यह सोना अफ्रीका से बांग्लादेश होते हुए भारत पहुंचा था। इस मामले में जीआरपी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

जीआरपी कैंट थाना के निरीक्षक राजोल नागर ने बताया कि महाराष्ट्र के सातार के निवासी बालासो व पूना निवासी तेजस को कैंट रेलवे स्टेशन से जीआरपी पुलिस ने राजधानी एक्सप्रेस से पकड़ा है। यह दोनों शातिर किस्म के हैं और अक्सर इस तरह की घटनाओं में लिप्त पाए जाते हैं। उन्होंने

बताया कि दोनों युवकों के पास से दो किलो से अधिक सोने के बिस्किट बरामद किये गए। बरामद सोने की कीमत करीब 3.54 करोड़ के करीब बताई जा रही है। इनके पास से बरामद सोना विशेष रूप से अफ्रीकी सोना है। पूछताछ में पता चला कि दोनों अफ्रीका से बांग्लादेश के रास्ते सोना लेकर भारत पहुंचे थे। जीआरपी पुलिस दोनों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर जवाबी हमला

एजेंसी, इस्लामाबाद

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि अफगान वायुसेना ने शुक्रवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हवाई हमला किया। मंत्रालय के मुताबिक यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना की बीती रात किए गए हमलों के जवाब में की गई। रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि कोहाट क्षेत्र में पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को टारगेट किया गया। साथ ही सैन्य किले को भी निशाना बनाया गया। हालांकि हमले से किसी के मारे जाने या घायल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। दरअसल, पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबूल और कंधार में हवाई हमले किए थे। तालिबानी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में 6 लोगों की मौत और 15 घायल हुए हैं। इसमें महिलाएं और बच्चे शामिल है। साथ ही कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है।

पाकिस्तान ने अफगान के फ्यूल डिपो पर हमला किया था: तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद के मुताबिक, पाकिस्तान ने प्राइवेट एयरलाइन 'काम एयर' के फ्यूल डिपो पर हमला किया था, जो सिविलियन विमानों और UN के विमानों को भी फ्यूल सप्लाई करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने

रॉयटर्स को बताया कि यह कार्रवाई पाकिस्तानी तालिबान (TTP) के ठिकानों पर की गई है। हाल के महीनों में देश में बढ़ते आतंकी हमलों के बाद यह ऑपरेशन शुरू किया गया।

पाकिस्तान ने तालिबान नेताओं के गढ़ को निशाना बनाया: तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि पाकिस्तानी हमले कंधार और पक्तिका प्रांतों में भी किए गए। कंधार तालिबान नेताओं का गढ़ माना जाता है। वहीं, तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज कर दिया है। उसका कहना है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ हमलों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर दबाव बनाता रहा है कि वह अपनी जमीन

❐ खैबर पख्तूनख्वा में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, बीती रात पाकिस्तानी हमले में 6 अफगानी मारे गए

का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे। इस्लामाबाद का आरोप है कि TTP अफगानिस्तान से ऑपरेट हो रहा है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों से लगातार इनकार करती रही है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जंग जैसे हालात: पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में TTP के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी अखबार डॉन ने यह संख्या 80 तक पहुंचने का दावा किया था। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 27 फरवरी को पाकिस्तान पर हमला किया। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि पाकिस्तान को 'सही समय पर कड़ा जवाब' दिया जाएगा। मंत्रालय ने इन हमलों को देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया था।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने हरिद्वार में पांच मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र राष्ट्र को किया समर्पित

एजेंसी, हरिद्वार

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को बीएचईएल हरिद्वार उपनगरी में नवनिर्मित 5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र राष्ट्र को समर्पित किया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने बीएचईएल की सीएफएफपी इकाई में 30 टन इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस का भी उद्घाटन भी किया। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने बीएचईएल हरिद्वार की निर्मित 53वीं एसआरजीएम नेवल गन की खेप को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि केंद्र सरकार स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बीएचईएल के हरित ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। केंद्रीय मंत्री

कुमारस्वामी ने बीएचईएल हरिद्वार की निर्मित 53वीं एसआरजीएम नेवल गन के संबंध में कहा कि यह नेवल गन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह नेवल गन 35 किलोमीटर के दायरे में, हवा और पानी में विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों को भेद सकती है। केंद्रीय मंत्री ने बीएचईएल हरिद्वार की सीएफएफपी इकाई में 30 टन इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस का भी उद्घाटन किया। इस संबंध में मंत्री ने कहा कि बीएचईएल धा स्थापित यह फर्नेस, देश के भारी उद्योग क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोगी साबित होगी। इस अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस से उच्च गुणवत्ता वाले स्टील के उत्पादन में मदद मिलेगी, जिससे बड़े आकार के कास्टिंग एवं फोर्जिंग की गुणवत्ता और दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। केंद्रीय मंत्री ने अडानी पावर लिमिटेड के रायपुर प्रोजेक्ट की यूनिट-1 के लिए निर्मित 800 मेगावॉट क्षमता के टीजी स्टेटर को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुमारस्वामी ने स्टेटर के सफल निर्माण एवं डिस्पैच को बीएचईएल की तकनीकी उत्कृष्टता का एक नायाब नमूना बताया।

बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. सदाशिव मूर्ति ने कहा कि यह सोलर पावर प्लांट, हरित ऊर्जा के क्षेत्र में बीएचईएल का एक महत्वपूर्ण कदम है। हरिद्वार इकाई के कार्यपालक निदेशक रंजन कुमार ने बताया कि इस संयंत्र से प्राप्त बिजली, संस्थान की आंतरिक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होगी। कुमारस्वामी ने बीएचईएल कर्मचारियों के साथ भी विभिन्न विषयों पर संवाद किया। इन अवसरों पर महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा बहुत बड़ी संख्या में कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड-हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी

एजेंसी, नई दिल्ली/श्रीनगर/देहरादून/जयपुर

♦ राजस्थान में तापमान 40° पार, एमपी में आज से लू का अलर्ट

पहाड़ी राज्यों में एकबार फिर बर्फबारी हो रही है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के कारण तापमान में गिरावट आई है। यहां स्नोफॉल के साथ बारिश का भी अलर्ट है। हिमाचल में 24 घंटे में तापमान 8°C कम हुआ। मनाली का तापमान 12.6°C रहा, इसमें 7°C की कमी आई। वहीं, सोलन में आज हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ में बर्फबारी हुई है। आज 5 जिलों में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट है। इधर देहरादून में अधिकतम तापमान 34.1°C रहा, यहां गर्मी से लोग परेशान हैं।

राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर और बालोतरा में अधिकतम तापमान 39-41°C के बीच रहा। सबसे ज्यादा 39.4 बाड़मेर में रहा। राज्य के 8 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में आज से हीटवेव का अलर्ट है। नर्मदापुरम में दिन का अधिकतम तापमान 40.2°C और 10 शहरों में तापमान 38°C से ज्यादा रहा। 15 और 16 मार्च को प्रदेश में बारिश की संभावना है।

नेपाल-भारत के बीच बिजली की खरीद और बिक्री की नई दरें लागू होंगी, बनी सहमति

एजेंसी, काठमांडू

भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से एक साल तक नेपाल को बिजली आयात करने और उसकी नई दर लागू करने पर सहमति बनी है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के अनुसार पोखरा में १२ और १३ मार्च को हुई एक बैठक में आगामी एक वर्ष के लिए बिजली खरीद दर निर्धारित की गई। बैठक में नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक हितेंद्र देव शाक्य और भारत की ओर से सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऑथोरिटी के बोर्ड सदस्य विजय कुमार सिंह ने प्रतिनिधित्व किया। वार्ता के दौरान भारत की ओर से बिजली उत्पादन और आपूर्ति से जुड़ी लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए बिजली खरीद दर में 5.5 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया। नेपाल की ओर से भारतीय बिजली बाजार के अध्ययन और उपलब्ध बाजार सूचकांकों के आधार पर यह तर्क दिया गया कि वर्तमान बाजार दर अपेक्षाकृत कम है, इसलिए दर बढ़ाने की आवश्यकता नहीं है। प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक शाक्य ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच विस्तृत चर्चा के बाद पिछले वर्ष निर्धारित दर में केवल 1.5 प्रतिशत वृद्धि करने पर सहमति बनी, जो कि पिछले वर्ष की वृद्धि दर के समान है।

उन्होंने कहा कि चालू वर्ष के लिए 132 केवी प्रसारण लाइन के माध्यम से खरीदी जाने वाली बिजली की दर प्रति यूनिट 8.22 रुपये, 33 केवी स्तर पर प्रति यूनिट 8.91 रुपये तथा 11 केवी स्तर पर प्रति यूनिट 9.55 रुपये तय की गई है। साथ ही बिजली खरीद दर की संरचना के विषय में अगले वर्ष फिर से विस्तृत समीक्षा कर चर्चा करने पर भी सहमति बनी है।

सरकार बोली- पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं, एलपीजी चिंता का विषय

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और ईरान की तरफ से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद किए जाने के कारण ग्लोबल एनर्जी सप्लाई पर दबाव बढ़ने के बीच भारत सरकार ने शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन अवग-अलग मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से LPG हमारे लिए चिंता का विषय बना हुआ है। सरकार ने बताया कि ईरान जंग के कारण देश में गैस बुकिंग की संख्या में लगभग 20 लाख की बढ़ोतरी हुई है। सरकार की तरफ से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की

जॉइंट सेक्रेटरी (मार्केटिंग एवं ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने बताया कि जंग से पहले हर रोज औसतन 55.7 लाख सिलेंडरों की बुकिंग होती थी। अभी एक दिन में लगभग 75.7 लाख गैस बुकिंग हो रही है। सरकार ने कहा कि जंग के माहौल के बीच LPG सिलेंडर की बुकिंग में अचानक बढ़ोतरी देखी गई है। यह लोगों के बीच घबराहट

❐ रोजाना 75.7 लाख सिलेंडर बुक हो रहे, ईरान जंग से पहले 55.7 लाख होते थे

के कारण हो रहा है।

सरकार ने कहा- LPG डिस्ट्रीब्यूटर्स के पास अभी गैस का स्टॉक: पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा- LPG चिंता का विषय है क्योंकि देश का ज्यादातर LPG स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आता है और वह अभी बंद है। हालांकि, हमारे 25,000 LPG डिस्ट्रीब्यूटर्स में से किसी पर भी गैस खत्म होने (ड्राई आउट) की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। मंत्रालय ने आगे कहा- केंद्र की तरफ से राज्यों को अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन आवंटन किया गया है। राज्यों से अपील की गई है कि व जिलों में केरोसिन बांटने लिए जगह तय करें। वैकल्पिक ईंधन विकल्पों के लिए कोल इंडिया को छोटे, मध्यम और अन्य उपभोक्ताओं को कोयला उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने कहा कि LPG की पैनिक बुकिंग करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि किसी भी LPG डीलर पर गैस खत्म होने की स्थिति सामने नहीं आई है। 9 मार्च 2026 को जारी नेचुरल गैस ऑर्डर के तहत कई सेक्टर को प्राथमिकता दी गई है। उसी आदेश के अनुसार घरेलू पीएनजी (PNG) और सीएनजी (CNG) की आपूर्ति बिना किसी कटौती के जारी है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

एजेंसी, मुम्बई

उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि इस साल भारतीय टीम का काफी व्यस्त कार्यक्रम है और उसे अपनी धरती के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी काफी क्रिकेट खेलना है। इसी को देखते हुए ये भी हो हो सकता है भारतीय बोर्ड दो टीमें उतारे जिस एक अनुभवी और दूसरी युवा क्रिकेटरों से भरी रहेगी। उसे जून से लेकर अक्टूबर तक लगाता कई टीमों से खेलना है। इसी दौरान उसे जिम्बाब्वे के अलावा नई टीम आयरलैंड से भी खेलना है। वैभव ने पिछले कुछ समय से भारतीय अंडर 19 के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए उन्हें इस साल के अंत में एशियाई खेलों में उतरने का अवसर मिल सकता है। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं, जिसके बाद जुलाई में वह सीमित ओवरों के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरान 5 टी20 के साथ ही 3 एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच दो नए दौरे भी जुड़ सकते हैं। इंग्लैंड पहुंचने से पहले भारत डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की छोटी सीरीज खेल सकता है। वहीं श्रीलंका क्रिकेट समुद्री तूफान 'दित्वह' से हुए नुकसान की कमी पूरी करने के लिए भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से पहले तीन टी20 मैच खेलने का अनुरोध कर सकती है। वहीं भारतीय टीम को सितंबर में अपनी ही धरती पर वेस्टइंडीज से 3 एकदिवसीय और 5 टी20 खेलने हैं। इसके अलावा यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इसी समय जापान में 2026 एशियाई खेल 25 सितंबर -3 अक्टूबर के बीच होने हैं। भारतीय टीम ने पिछली बार एशियाई खेलों में पदक जीता था जिसे वह बरकरार रखने के लिए अच्छी टीम के साथ उतरेगी। ऐसे में वह जिम्बाब्वे के साथ तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए दूसरी टीम के साथ उतरेगी। टी20 विश्वकप जीतने के बाद अब भारतीय टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहेगी। इसी को देखते हुए सीरीज श्रीलंका, जिम्बाब्वे, आयरलैंड के खिलाफ टी20 और एशियाई खेलों में सीनियर खिलाड़ियों को आराम देते हुए उनकी जगह पर वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या जैसे उभरते खिलाड़ियों को अवसर दिया जा सकता है। प्रियांश ने घरेलू क्रिकेट और टी20 प्रारुप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईपीएल 2026: नई टीम के साथ कुछ नया बनाने की कोशिश करेंगे-ऋषभ पंत

एजेंसी, नई दिल्ली

ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की तैयारी शुरू कर दी है। टीम के नए खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कप्तान पंत ने कहा कि सभी को एक-दूसरे से सीखते हुए इस सीजन के लिए कुछ नया बनाने की कोशिश करनी चाहिए। एलएसजी की ओर से साझा किए गए एक वीडियो में पंत ने नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि टीम में पिछले साल के कई खिलाड़ी मौजूद हैं, जबकि कुछ नए चेहरे भी जुड़े हैं। ऐसे में सभी को आपस में बेहतर तालमेल बनाकर आगे बढ़ना होगा। पंत ने कहा, "हम सबको यहां मौजूद हर खिलाड़ी से जितना संभव हो उतना सीखने की कोशिश करनी चाहिए। अगर हम क्रिकेट के बारे में बातचीत नहीं करेंगे तो सुधार भी नहीं कर पाएंगे। इस सीजन के लिए हमें मिलकर कुछ बेहतर बनाने की कोशिश करनी होगी।" पिछले दिसंबर में हुए मिनी ऑक्शन में लखनऊ ने कई नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया। इनमें श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर वानिन्दु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नाट्र्जे, मुकुल चौधरी, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी और ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश शामिल हैं। इसके अलावा टीम ने ट्रेड के जरिए अर्जुन तेंदुलकर और भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी अपने साथ जोड़ा है। पंत की अगुवाई में पिछले सीजन में लखनऊ का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। टीम ने लीग चरण में केवल छह मैच जीते और अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। हालांकि आखिरी लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पंत ने नाबाद 118 रन की शानदार पारी खेली थी, लेकिन टीम को इसका फायदा नहीं मिल सका। पंत ने कहा कि किसी भी सीजन की शुरुआत में टीम का लक्ष्य जीतना होता है, लेकिन खिलाड़ियों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपने व्यक्तिगत और टीम के लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट रहें। उन्होंने बताया कि अभी यह प्री-सीजन कैंप जैसा है, क्योंकि बाकी खिलाड़ी 15-16 मार्च के आसपास टीम से जुड़ेंगे। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स अपने अभियान की शुरुआत 01 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में करेगी। इसके बाद टीम 05 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

इंडियन वेल्स 2026: स्वितोलिना ने स्वियातेक को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, साबालेंका और सिनर भी आगे

एजेंसी, मैक्सिको सिटी

यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलीना स्वितोलिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं विश्व नंबर एक आर्यना साबालेंका भी क्वार्टरफाइनल जीतकर अंतिम चार में पहुंच गईं। मैच की शुरुआत में स्वियातेक लय में नहीं दिखीं और उन्होंने पांच डबल फॉल्ट किए। इसका फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने तीन बार सर्विस ब्रेक करते हुए मात्र 38 मिनट में पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में स्वियातेक ने शानदार वापसी की और मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। हालांकि तीसरे सेट में स्वितोलिना ने एकमात्र सर्विस ब्रेक हासिल कर बढ़त बना ली और आत्मविश्वास के साथ मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। जीत के बाद स्वितोलिना ने कहा कि यह मुकाबला बेहद कठिन था और स्वियातेक हमेशा उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए मजबूर करती हैं। उन्होंने बताया कि सात साल बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर वह बेहद खुश हैं। महिला वर्ग में शीर्ष वरीय आर्यना साबालेंका ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को 7-6 (0), 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेट के टाईब्रेक में साबालेंका ने बिना कोई अंक गंवाए जीत दर्ज की। अब साबालेंका का सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने ऑस्ट्रेलिया की क्वालीफायर तालिया गिब्सन को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष एकल वर्ग में जर्मनी के चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया। अब उनका सामना इटली के विश्व नंबर दो खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के लर्नर टियन को 6-1, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

धोनी का निचले क्रम पर उतरना सहित नहीं : पुजारा

» ऊपर क्रम पर बदल सकते हैं मैच

एजेंसी, चेन्नई

बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भले ही 44 साल के हो गये हैं पर इसके बाद भी उनके खेलने से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लाभ ही होगा। पुजारा के अनुसार धोनी अगर 20 से 30 गेंदों का भी सामन करते हैं तो भी वह मैच बदल सकते हैं। गौरतलब है कि बढ़ती उम्र और फिटनेस की दिक्कतों के कारण धोनी पिछले कुछ समय से निचले क्रम पर ही उतर रहे हैं पर पुजारा का मानना है कि ये सही नहीं है। उनका कहना है कि धोनी का निचले क्रम पर खेलने का फैसला सही नहीं है। वह ऊपरी क्रम पर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुजारा ने कहा, 'मुझे धोनी के नंबर 8 या 9 पर बल्लेबाजी करना सही नहीं दिखता क्योंकि आज भी उनकी बल्लेबाजी ऐसी है कि वह मैच का रुख मोड़ सकते हैं। निचले क्रम पर अगर वह सिर्फ 5 या 10 गेंद खेलकर ही प्रभावित कर सकते हैं तो 25 या 30 गेंदें खेलने पर तो तूफान ही मचा देंगे।.' पुजारा का मानना है कि धोनी जिस प्रकार के हिटर हैं उसको देखते हुए उन्हें ऊपरी क्रम पर भेजा जाना चाहिये। पुजारा ने कहा कि सीएसके के ड्रेसिंग रूम का माहौर काफी अच्छा रहता है। इसी कारण टीम और खिलाड़ी एक दूसरे के प्रति समर्पित रहते हैं। खिलाड़ियों को मालूम होता है कि उनसे टीम किस प्रकार की उम्मीदें करती है। इसी कारण सीएसके में रहने वाला हमेशा उसके साथ बना रहता है। वहीं टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन के अनुसार हमेशा ही आईपीएल से पहले धोनी की फिटनेस और उनके हर मैच खेलने को लेकर भी अटकलें रहती हैं पर ये तय है कि वह अंतिम ग्यारह में बने रहेंगे।

पिछले विश्वकप की तरह खेलते तो शायद ही जीत मिलती : सूर्यकुमार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि समय के साथ ही खेल की रफ्तार भी बदल रही है, ऐसे में आक्रामक अंदाज अपनाना सफल रहा। वहीं अगर अगर भारतीय टीम पिछले टी20 विश्व कप की तरह खेलती तो उसे इसबार शायद ही जीत मिलती। सूर्या का कहना है कि पिछली बार जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के समय भारतीय टीम जीती थी तब हालात अलग थे। वहीं अब अलग हैं। कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारतीय टीम का खेल बेहद संतुलित और अनुभव पर आधारित माना जाता था। यह रणनीति 2024 तक प्रभावी रही पर दो साल बाद टी20 क्रिकेट की बदलती मांगों के सामने यह थोड़ी धीमी और पारंपरिक लगने लगी। इसी कारण सूर्यकुमार और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बार खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहा। इससे टीम में यह साफ संदेश दिया गया कि अब कोई भी खिलाड़ी निजी उपलब्धियों के पीछे न जाकर टीम की जीत के लिए खेलेगा। इसी कारण जरूरत के अनुसार किसी भी खिलाड़ी को किसी भी क्रम पर उतारा गया। सूर्यकुमार ने कहा, हमें पता था कि 2024 टी20 विश्व कप में जिस तरह का क्रिकेट हमने खेला था, वह आगे काम नहीं करेगा। इसलिए हमने तय किया कि अब व्यक्तिगत रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं देंगे, हमारा ध्यान सिर्फ मैच जीतना होगा। इसी कारण सेमीफाइनल तक हमारे किसी भी खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वालों या सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में नहीं था पर इसके बाद भी हम जीत रहे थे। इस कारण है कि हर खिलाड़ी योगदान दे रहा था। उन्होंने आगे कहा कि इस सोच को टीम में शुरू से ही मजबूत करना जरूरी था।वहीं भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से भी माना है कि साल 2024 और 2026 की टीमों के बीच अंतर था। उनका मानना है कि 2024 की टीम अनुभव से भरी थी पर उसमें इतनी आक्रामकता नहीं थी। तब रोहित आक्रामक होकर खेलते थे जबकि विराट एक छोर संभाले रहते थे। वहीं अब टीम में कम अनुभव वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनमें आक्रामकता और आत्मविश्वास भरा हुआ है।

संक्षिप्त

पोल वॉल्ट में आर्मंड डुप्लांटिस ने 15वीं बार तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

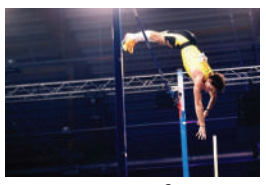

उप्साला (स्वीडन)। स्वीडन के स्टार पोल वॉल्टर आर्मंड डुप्लांटिस ने गुरुवार को एक बार फिर इतिहास रचते हुए पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड 15वीं बार तोड़ दिया। उन्होंने उप्साला में आयोजित प्रतियोगिता में 6.31 मीटर की शानदार छलांग लगाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। 26 वर्षीय डुप्लांटिस ने यह ऊंचाई अपने पहले ही प्रयास में पार कर ली। इससे पहले उन्होंने 5.65 मीटर, 5.90 मीटर और 6.08 मीटर की ऊंचाई भी पहले प्रयास में ही पार की। इसके बाद उन्होंने बार को सीधे 23 सेंटीमीटर बढ़ाकर विश्व रिकॉर्ड ऊंचाई 6.31 मीटर कर दिया और पहली ही कोशिश में इसे पार कर लिया। डुप्लांटिस 2020 में 6.17 मीटर की छलांग लगाने के बाद से ही इस रिकॉर्ड के मालिक बने हुए हैं और लगातार इसे बेहतर करते आ रहे हैं। यह दूसरी बार है जब उन्होंने स्वीडन की धरती पर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले उन्होंने जून 2025 में स्टॉकहोम में 6.28 मीटर की छलांग लगाई थी। रिकॉर्ड बनाने के बाद डुप्लांटिस ने दर्शकों से कहा कि अपने देश में यह उपलब्धि हासिल करना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि वह अपने लिए, अपने परिवार के लिए और स्वीडन के लोगों के लिए कूदते हैं। प्रतियोगिता में नॉर्वे के सोंद्रे गुट्टोरम्सेन 6.00 मीटर की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वहीं ग्रीस के इमैनुएल करालिस 6.00 मीटर की ऊंचाई पार करने में तीनों प्रयासों में असफल रहे। अब डुप्लांटिस के पास मार्च के अंत में पोलैंड के तोरुन में होने वाली वर्ल्ड इनडोर चैंपियनशिप में अपने इस नए विश्व रिकॉर्ड को और बेहतर करने का मौका होगा।

सैमसन के होने से राजस्थान के खिलाफ पहले ही मुकाबले में भारी पड़ेगी सीएसके : इरफान पठान

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान के अनुसार आईपीएल में इस बार बल्लेबाज संजू सैमसन के आने का लाभ चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को मिलेगा। आईपीएल नीलामी के पहले ही ट्रेड डील के तहतर ही सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को हासिल कर लिया था। पठान के अनुसार जिस प्रकार का जबरदस्त प्रदर्शन विश्वकप में सैमसन ने किया है। उससे वह काफी अच्छे फार्म में हैं। ऐसे में उनके होने भर से राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ होने वाले शुरुआती मैच में सीएसके की टीम के पास जीत के अधिक अवसर रहेंगे। पठान के अनुसार, सैमसन लंबे समय तक रॉयल्स में शामिल रहे हैं। ऐसे में उन्हें टीम की रणनीति के अलावा, खिलाड़ियों के खेलने के तरीके का भी अंदाजा है। इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा। सीएसके ने सैमसन को लगभग 18 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वहीं इसके बदले में सैम कुरम और अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स की टीम में चले गए। पठान के अनुसार सैमसन के होने से टीम को रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि सैमसन लंबे समय तक राजस्थान में रहे है और जानते हैं कि टीम केपावरप्ले में किस प्रकार खेलती है, बीच के ओवरों में उनकी रणनीति क्या होती है और गेंदबाजी संयोजन कैसे काम करता है।सीएसके अपना पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में खेलेगी। संजू सैमसन एक दशक से भी अधिक समय तक राजस्थान रॉयल्स का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2013 में टीम के साथ अपना सफर शुरू किया और जल्द ही टीम के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हो गए। बाद में उन्हें टीम की कप्तानी भी सौंपी गई। आईपीएल में सैमसन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 150 से ज्यादा पारियां खेलते हुए 4,000 से अधिक रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और कई अर्धशतक दर्ज हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से अधिक रहा है। ऐसे में वह लीग के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक हैं।

पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को टीम में लेने के बाद सनराइजर्स लीड्स का एक्स खाता निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली

सनराइजर्स लीड्स का आधिकारिक एक्स खाता गुरुवार को कुछ ही घंटों में निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई उस समय हुई जब फ्रेंचाइजी ने द हंड्रेड 2026 की नीलामी में पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को अपनी टीम में शामिल किया। अबरार अहमद इस प्रतियोगिता में किसी भारतीय स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी द्वारा चुने जाने वाले पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी बन गए हैं। हालांकि इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने टीम के मालिक और फ्रेंचाइजी की आलोचना करते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी। नीलामी में अबरार अहमद को 1 लाख 90 हजार पाउंड (करीब 2.3 करोड़ रुपये) में खरीदा गया था। इसके कुछ ही समय बाद सनराइजर्स लीड्स का आधिकारिक एक्स खाता निलंबित हो गया। मंच की ओर से निलंबन का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन खाते पर जाने पर संदेश दिखाई देता है कि यह खाता नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया गया है। इस बीच सन टीवी नेटवर्क ने हाल ही में द हंड्रेड की फ्रेंचाइजी, जो पहले नार्दर्न सुपरचार्जेस के नाम से जानी जाती थी, में हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से 49 प्रतिशत और यार्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब से से 51 प्रतिशत हिस्सेदारी लेकर लगभग 10 करोड़ पाउंड में टीम का अधिग्रहण किया। नीलामी से पहले यह चर्चा थी कि आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़ी टीमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली लगाने से बचेंगी, और नीलामी की शुरुआती प्रक्रिया भी इसी ओर इशारा कर रही थी। हालांकि बाद में अबरार अहमद को खरीदकर यह स्थिति बदल गई। गौरतलब है कि पाकिस्तानी खिलाड़ी 2009 के बाद से इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं खेले हैं और दुनियाभर की टी20 लीगों में निवेश करने वाले आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिक आम तौर पर पाकिस्तान के खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने से बचते रहे हैं। नीलामी में पाकिस्तान के एक और खिलाड़ी उस्मान तारिक को बर्मिंघम फोनिक्स ने 1 लाख 40 हजार पाउंड में खरीदा। वहीं सैम अयूब, हारिस रऊफ और शादाब खान जैसे कई खिलाड़ी बिना बिके रह गए। सनराइजर्स लीड्स की टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक कर रहे हैं, जबकि कोच की जिम्मेदारी डेनियल विटोरी के पास है। नीलामी के शुरुआती चरण में टीम ने दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन, इंग्लैंड के जैक क्रॉली, मैट पॉट्स और डैन लॉरेंस को भी टीम में शामिल किया। टीम में पहले से ब्रायडन कार्स, मिशेल मार्श और नाथन एलिस जैसे खिलाड़ी मौजूद हैं। द हंड्रेड 2026 का आयोजन 21 जुलाई से 16 अगस्त तक होगा, जिसमें पुरुष और महिला वर्ग में 34-34 मुकाबले खेले जाएंगे।

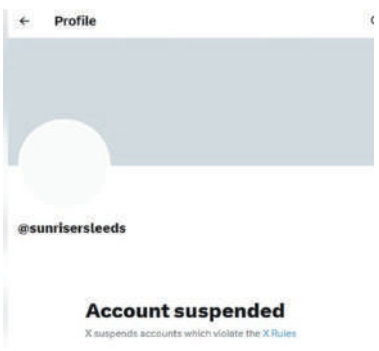

आईसीसी ने टी20 विश्वकप विजेताओं पर की इनामों की बारिश, भारतीय टीम को मिले 24 करोड़

» उपविजेता न्यूजीलैंड को मिले 13 करोड़ रुपये

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। टूर्नामेंट में कुल 11.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब (1 अरब, 39 करोड़, 4 लाख, 43 हजार) की इनामी राशि दी गयी है। इस बार की इनामी राशि पिछली बार से अधिक है। इसमें विजेता भारतीय टीम को 2.63 मिलियन डॉलर करीब 24.3 करोड़ रुपये जबकि उपविजेता न्यूजीलैंड को 26,39,423 अमेरिकी करीब 13 करोड़ की इनामी राशि मिली है। वहीं सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम को 10,05,577 डॉलर करीब 9 करोड़ रुपये और इंग्लैंड की टीम को 9,74,423 डॉलर करीब 8 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सुपरआठ की चार टीमों, वेस्टइंडीज को 5,38,269 डॉलर करीब 4 करोड़ 95 लाख रुपये। वहीं पाकिस्तान 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 80 लाख। जिम्बाब्वे को 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 51 लाखा, श्रीलंका को 475,962 डॉलर करीब 4 करोड़ 37 लाख रुपये मिलेंगे। इस बीच, जो टीमें सुपर 8 स्टेज तक पहुंचीं लेकिन आगे नहीं बढ़ पाईं, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए शामिल हैं, उनमें से प्रत्येक टीम को 3,09,808 डॉलर दिए जाएंगे। 2 करोड़ 85 लाख रुपये दिये जाएंगे। शेष प्रतिभागियों में स्कॉटलैंड को 2,78,654 डॉलर करीब 2 करोड़ 56 लाख और आयरलैंड को 2,71,731 डॉलर करीब 2 करोड़ 49 लाख रुपये मिलेंगे। इस बीच, इटली, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड अरब अमीरात और नेपाल को 2,56,154 डॉलर करीब 2 करोड़ 35 लाख रुपये देने की घोषणा की गई है टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले स्टेज में बाहर हो होने वाली कनाडा, नामीबिया और ओमान की टीमों को 2,25,000 डॉलर करीब 2 करोड़ 6 लाख का इनाम लाग लेने के लिए दिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा टी20 विश्वकप का अगला सत्र

एजेंसी, मुम्बई

आईसीसी टी20 विश्वकप का 11 वां सत्र अब साल 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में संयुक्त रुप से खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 21 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2028 के बीच होगा। इस प्रकार साल 2022 के बाद ऑस्ट्रेलिया को दूसरी बार इस वैश्विक इवेंट की मेजबानी का अवसर मिलेगा। वहीं न्यूजीलैंड में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा। टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी डेम थेरेसी वॉल्श के पास है। वाल्श के अनुसार ये मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी), सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी), एडिलेड ओवल और पर्थ का ऑप्टस स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं न्यूजीलैंड में ऑकलैंड के ईडन पार्क, वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होंगे। इसमें 20 टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में भी आईसीसी का साल 2024 का ही प्रारुप लागू रहेगा। इस टूर्नामेंट के लिए 12 टीमों को स्थान मिल गया है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को मेजबान होने के कारण पहले ही जगह मिल गयी है। वहीं इस साल की विजेता भारतीय टीम के अलावा, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे. को भी इसमें रैंकिंग के आधार पर जगह मिली है। इसके अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश और आयरलैंड को भी शामिल किय गया हैं। वहीं बचे 8 स्थानों के लिए रीजनल क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट इस साल के बीच में शुरू होंगे। अमेरिका और यूरोप में उप-रीजनल क्वालीफायर आयोजित किए जाएंगे, जिससे एसोसिएट देशों को भी 20 टीमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शनिवार, 14 मार्च, 2026

महाभाग्य राजयोग कैसे बनता है किसे मिलेगी तरक्की और धनलाभ

महाभाग्य योग से जातक मान, सम्मान, पद, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि पाता है। यह योग लग्न, चंद्रमा और सूर्य की विषम स्थिति होने पर बनता है।

कैसे बनता है महाभाग्य योग

किसी महिला की कुंडली में चंद्र और सूर्य की सम राशि यानी वृषभ, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर और मीन राशि में होना चाहिए तब कुंडली में यह योग बनेगा। यदि किसी पुरुष जातक का जन्म लग्न, चंद्र और सूर्य की विषम राशि यानी कि मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि में होना चाहिए तब महाभाग्य राजयोग बनता है। यदि जन्म दिन में हो तो सूर्य का प्रभाव बढ़ जाता है। पुरुष की कुंडली में दिन का जन्म हो तो लग्न में मेष राशि में सूर्य और सप्तम तुला राशि में चंद्र हो तो महाभाग्य योग निर्मित होता है। स्त्री की कुंडली में कर्क लग्न में चंद्र और पंचम में सूर्य हो तो महाभाग्य योग बनता है। इसकी और भी कई स्थिति होती है।

वृषभ राशि – महाभाग्य राजयोग से आपके दिन पलट जाएंगे। नौकरी और करियर में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करेंगे। व्यापार में मुनाफा बढ़ जाएगा। अविवाहित हैं तो विवाह हो जाएगा। अचानक से धन प्राप्ति होगी या कोई बड़ा पद मिलेगा।

मिथुन राशि – आपके लिए यह महाभाग्य राजयोग आपके पराक्रम को बढ़ा देगा। अचानक से आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। दांपत्य जीवन में सुख बढ़ जाएगा। व्यापारी हैं तो अटका रुपया हासिल करने में सफल होंगे। नौकरीपेशा हैं तो वेतनवृद्धि होगी।

कर्क राशि – महाभाग्य राजयोग आपको लंबी यात्रा का सुख देगा। व्यापारी हैं तो विदेश से भी ला होने की संभावना बढ़ जाएगी। भूमी, भवन या वाहन खरीद सकते हैं। करियर में सफलता हासिल होगी। नौकरीपेशा हैं तो पदोन्नति हो सकती है।

धनु राशि – आपके लिए यह राजयोग आर्थिक लाभ और महासुख लेकर आया है। व्यापारी है तो कोई बड़ी डील फायनल होगी। नौकरीपेशा हैं तो वेतनवृद्धि होगी। बेरोजगार हैं तो नौकरी मिलेगी। करियर में अचानक से सफलता हासिल होगी।

आत्मावलोकन और प्रभु की शरण में समर्पण का अवसर प्रदान करती है पापमोचिनी एकादशी

हर महीने आने वाली एकादशी का अलग अलग महत्व होता है। चैत्र मास की कृष्ण पत्र में आने वाली एकादशी का नाम पापमोचनी एकादशी है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। इस बार एकादशी तिथि दो दिन रहने के कारण पापमोचनी एकादशी व्रत को लेकर थोड़ा असमंजस की स्थिति बनी हुई है। दरअसल, 14 और 15 मार्च दोनों ही दिन एकादशी तिथि होने के कारण यह कंफ्यूजन है। मान्यता है कि इस व्रत को करने वालों को पाप से मुक्ति के साथ साथ भगवान विष्णु की कृपा भी प्राप्त होती है।

2026 में पापमोचनी एकादशी व्रत 15 मार्च (रविवार) को रखा जाएगा। चैत्र कृष्ण एकादशी तिथि 14 मार्च को सुबह 08:14 बजे शुरू होकर 15 मार्च को सुबह 09:15 बजे तक रहेगी, इसलिए उदयातिथि के अनुसार 15 मार्च को व्रत रखना श्रेष्ठ है। व्रत का पारण 16 मार्च को द्वादशी तिथि पर किया जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के 'पापमोचन' स्वरूप की पूजा की जाती है।

पापमोचिनी एकादशी का महत्व

पापमोचिनी शब्द दो भागों से मिलकर बना है, पाप और मोचिनी अर्थात पापों से मुक्त करने वाली। यह एकादशी उपवास के साथ साथ आंतरिक शुद्धि का साधन भी है। यह दिन आत्मावलोकन और प्रभु की शरण में समर्पण का अवसर प्रदान करता है। शास्त्रों में कहा गया है कि जो साधक इस दिन भगवान श्रीहरि की आराधना करता है, पूजा आके दौरान उन्हें तुलसी दल अर्पित करता है, भगवान की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करता है और भक्ति भाव से मंत्र-जाप करता है, उसके जीवन के समस्त कष्ट दूर होते हैं।

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा से घर में सुख-समृद्धि, शांति और धर्म का वास होता है। इस दिन किया गया जप-तप और दान अनंत गुना फल प्रदान करता है।

पौराणिक कथा

पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार च्यवन ऋषि के पुत्र मेधावी ऋषि घोर तपस्या में लीन थे। उनकी तपस्या से देवलोक विचलित हो उठा। देवराज इंद्र ने अप्सरा मंजुघोषा को उनकी तपस्या भंग करने भेजा। मोह के प्रभाव में आकर ऋषि की साधना भंग हो गई और वे वर्षों तक सांसारिक आकर्षण में उलझे रहे। जब उन्हें अपनी भूल का बोध हुआ, तो वे अत्यंत दुखी हुए और पापों से मुक्ति का उपाय खोजने लगे। तब देवर्षि नारद ने उन्हें पापमोचिनी एकादशी व्रत का रखने का सुझाव दिया। विधिपूर्वक व्रत रखने तथा भगवान नारायण की आराधना से मेधावी ऋषि पुनः तपोबल प्राप्त कर पापों से मुक्त हुए।

व्रत विधि

- पापमोचिनी एकादशी का व्रत दशमी तिथि की रात्रि से ही प्रारंभ करना चाहिए।
- प्रातः काल ब्रह्ममुहूर्त में उठें, स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- घर के पूजा स्थल को साफ करें और उसमें भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।
- दीप, धूप, पुष्प, तुलसी दल और पंचामृत से पूजन करें।
- ऊ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।
- दिनभर फलाहार या निर्जल व्रत रखें।
- रात्रि में भजन-कीर्तन एवं विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।
- द्वादशी को प्रातः ब्राह्मण या निर्धन व्यक्ति को भोजन कराकर व्रत का पारण करें।
- व्रत के साथ मन, वचन और कर्म को पवित्र रखें।

पापों से मुक्ति के उपाय

- भगवान के सम्मुख अपने दोषों को स्वीकार कर क्षमा मांगें।
- तुलसी को जल अर्पित कर परिक्रमा करें।
- विष्णु सहस्रनाम या हरिनाम संकीर्तन करें।
- सत्य, करुणा और संयम का पालन करें।
- जरूरतमंदों की सहायता करें।

एकादशी पर दान की महिमा

सनातन परंपरा में दान को महान तप कहा गया है। कहा जाता हिय कि विशेष रूप से एकादशी के दिन किया गया दान अक्षय फल देने वाला माना गया है। अन्नदान, वस्त्रदान, गौदान या दक्षिणा इन सबका अपनी-अपनी जगह विशेष महत्व है। स्कंद पुराण में दान का उल्लेख करते हुए कहा गया है

न्यायोपार्जितवित्तस्य दशमांशेन धीमतः।
कर्तव्यो विनियोगश्च ईश्वरप्रीत्यर्थमेव च।।

अर्थात उचित साधनों द्वारा और श्रेष्ठ बुद्धि बल द्वारा अर्जित की गई संपत्ति में से 10वां भाग अपना कर्तव्य मानकर दान में दे देना चाहिए। अपने दान को भगवान की प्रसन्नता के लिए अर्पित करो।

दान के प्रमुख लाभ

- **पापों का क्षय:** पात्र व्यक्ति को किया गया दान संचित पापों को नष्ट करता है।
- **कर्मों की शुद्धि:** सेवा भाव से किया गया कार्य आत्मिक उन्नति का मार्ग बनता है।
- **ईश्वरीय कृपा:** दान देने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है।
- **मोक्ष का मार्ग:** व्रत और दान करने से जातक मोक्ष की दिशा में अग्रसर हो जाता है।

पापमोचिनी एकादशी आत्मशुद्धि और आत्मजागरण का दिव्य पर्व है। इस पावन अवसर पर व्रत, जप, ध्यान और दान का संकल्प लें। भगवान श्रीहरि की आराधना कर अपने जीवन को मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर बनाएं।

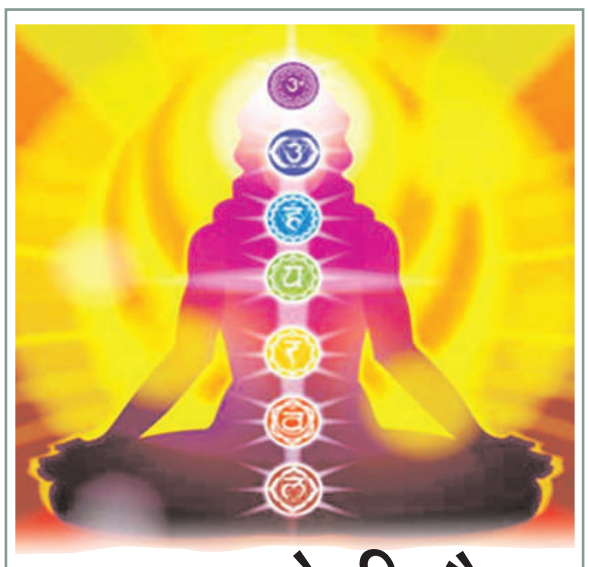

क्या होती है छठी इंद्री

छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जागृत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जागृत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।

- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

स्वप्न में हनुमानजी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है

स्वप्न में हनुमानजी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है, लेकिन यह भी देखना होगा कि सपने में बजरंगबली आपको किस रूप और अवस्था में दिखाई देते हैं क्योंकि हर सपने के अलग अलग अर्थ होता है। हालांकि आमतौर पर हनुमानजी को सपने में देखने के अर्थ है कि उन पर आपकी कृपा बरसती है और वे कुछ संकेत देने चाहते हैं।

सपने में हनुमान जी को देखना

सपने में हनुमानजी का सामान्य रूप देखने के अर्थ है कि उनकी आप पर कृपा प्रारंभ हो गई है। सपने में यदि आप हनुमानजी का मंदिर देंखे या मूर्ति दिखाई दे तो समझ जाएं कि हनुमानजी की आप पर कृपा प्रारंभ हो चुकी है। इस सपने का अर्थ है कि जल्द ही आपको बड़ी सफलता मिलने वाली है। यदि कोई कानूनी मामले हैं तो उसमें भी विजय मिलने की संभावना है। यह आपके सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाएगा।

सपने में बालाजी को देखना

बालाजी हनुमाजी का बाल रूप है। यदि आपको उनका बाल रूप दिखाई दे तो इसका अर्थ है कि बहुत जल्द ही कार्यक्षेत्र में आपको कोई नया पद या जिम्मेदारी मिलने वाली है जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

सपने में बंदर को देखना

यदि आपको दो बार किसी बंदर के सपने आए तो आप समझ जाएं कि हनुमानजी की आप पर कृपा है।

सपने में हनुमान जी को गुस्से में देखना

यदि सपने में हनुमान जी का रौद्र रूप दिखाई दे तो इसका अर्थ है कि आपसे कोई बड़ी गलती हुई है। आपको क्षमा मांगकर अपनी गलती सुधारना चाहिए।

सपने में पंचमुखी हनुमान देखना

सपने में पंचमुखी हनुमान जी दिखाई देने के अर्थ है कि आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होने वाली है। आप अपने शत्रुओं को हराएंगे।

सपने में हनुमानजी की पूजा करना

यदि सपने आप हनुमानजी जी की पूजा या भजन कर रहे हैं और उनके समक्ष प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं तो आपके सभी कार्य पूर्ण होने वाले हैं और आपको मान सम्मान की प्राप्ति होगी।

सपने में हनुमानजी का प्रसाद खाना

किसी किर्तन में बैठकर हनुमानजी का प्रसाद खा रहे हैं तो आप पर हनुमानजी की विशेष कृपा है।

सपने में श्रीराम जी के साथ हनुमान जी को देखना

यदि आपको सपने में हनुमाजी या श्री राम जी किसी भी प्रकार से दर्शन दे तो समझ लें कि उनकी कृपा है आप पर।

सपने में भूतों से नहीं डरना

सपने में सपने में आप किसी भूत को देंखे और उससे आपको डर नहीं लगे तो समझें कि हनुमानजी की कृपा आप पर है।

सपने में हनुमान जी को उड़ते हुए देखना

इस सपने का अर्थ ये होता है कि आने वाले दिनों में आपको सफलता के साथ ही आनंद की प्राप्ति होने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपका पद बढ़ने वाला है और इसी के साथ मान सम्मान भी बढ़ जाएगा। व्यापारी हैं तो बड़ा फायदे मिलने वाला है।

सपने में हनुमान जी को चोला चढ़ाना

सके अर्थ है कि नौकरी और व्यवसाय में तरक्की होगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में ऊंचाई को छूएंगे। आपका मान सम्मान बढ़ेगा।

सपने में हनुमान जी से बात करना

यदि आप किसी परेशानी से घिरे हुए हैं तो यह सपना इस बात का संकेत है कि आपको अपने किसी मित्र या परिजन से बात करनी चाहिए और समस्या का हल निकालने के लिए उनका साथ लेना चाहिए। आपकी दुविधा दूर होगी।

सपने में हनुमान जी का नाम लेना

इसका अर्थ है कि आप को कोई मदद मिलने वाली है और जल्द ही हनुमानजी आप पर कृपा करेंगे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

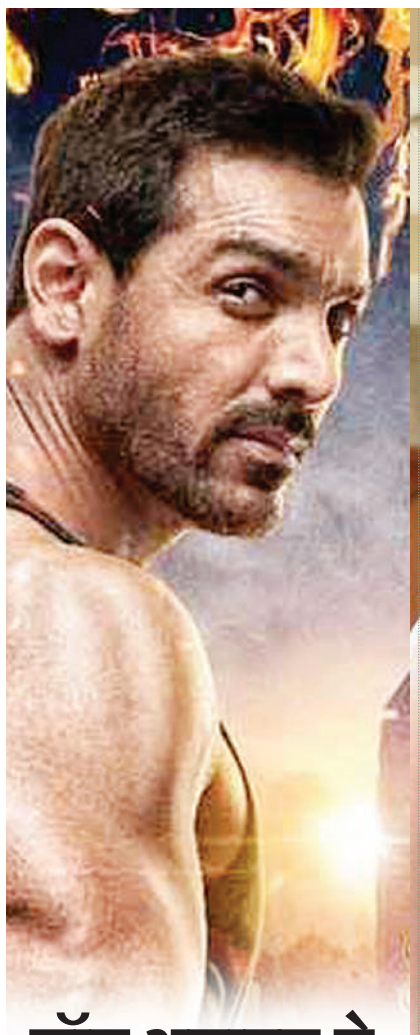

जॉन अब्राहम ने निभाया अपना वादा, 'फोर्स 3' में नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

2011 और 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'फोर्स' और 'फोर्स 2' के बाद अब इसका तीसरी सीक्वल आने वाला है। इस फिल्म में इस बार हर्षवर्धन राणे भी अहम रोल निभाएंगे। हर्षवर्धन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 'फोर्स 3' के मुहूर्त पूजा का एक खास वीडियो शेयर कर फिल्म की जानकारी दी है। हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम पर मुहूर्त पूजा का एक वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो 'फोर्स 3' के सेट का है, जिसमें हर्षवर्धन राणे पूजा करते नजर आ रहे हैं।

'फोर्स 3' के बारे में

'फोर्स 3' के निर्माता जॉन अब्राहम हैं। इस फिल्म के निर्देशक भाव धूलिया हैं, जिन्होंने 'द फ्रीलांसर' का निर्देशन किया है। इस फिल्म के लेखक सीमाब हाशमी हैं। फिल्म के सेट पर पूजा के बाद इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी।

पहली 'फोर्स' 2011 में रिलीज हुई थी। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। इसमें जॉन अब्राहम ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनय देव द्वारा निर्देशित दूसरी फिल्म 'फोर्स 2' 18 नवंबर 2016 को रिलीज हुई थी। कथित तौर पर 'फोर्स 3' 2027 में रिलीज हो सकती है।

सुपरहीरो फिल्म में सलमान संग दिख सकती हैं सामंथा

सलमान खान आने वाले दो सालों के लिए बड़े प्रोजेक्ट्स की तैयारी में जुटे हैं। खबर है कि वे जल्द ही सामंथा रुथ प्रभु और नयनतारा के साथ अलग-अलग फिल्मों में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2026 और 2027 के लिए उन्होंने ऐसा लाइनअप तैयार किया है, जिसने ट्रेड सर्कल और फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। इन प्रोजेक्ट्स में नई कहानियों के साथ फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ियां भी देखने को मिल सकती हैं। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि सलमान अब अपनी फिल्मों के चुनाव में काफी सावधानी बरत रहे हैं। 'टाइगर 3' के बाद फैंस उन्हें कुछ अलग और बड़े अवतार में देखना चाहते थे। इसलिए उनके अगले पैन-इंडिया प्रोजेक्ट्स उन्हें एक नए कलेवर में पेश करेंगे। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस पर काम शुरू खबर है कि फिल्ममेकर जोड़ी राज निदिमोरू और कृष्णा डीके की सुपरहीरो फिल्म में सलमान एक रिटायर सुपरहीरो के किरदार में दिख सकते हैं, जिसका खुलासा हाल ही में हुआ था। सूत्रों का कहना है कि फिल्म के वीएफएक्स और एक्शन सीक्वेंस पर अभी से काम शुरू हो चुका है ताकि 2027 तक दर्शकों को एक वर्ल्ड-क्लास सिनेमाई अनुभव दिया जा सके।

फिल्मों के चुनाव में नए प्रयोग कर रहे सलमान

ट्रेड विश्लेषकों का मानना है कि सलमान अब अपनी फिल्मों के चुनाव में नए प्रयोग कर रहे हैं। साउथ की टॉप एक्ट्रेस के साथ उनकी नई जोड़ियां न केवल हिंदी बेल्ट बल्कि साउथ इंडिया के मार्केट में भी फिल्मों की पकड़ मजबूत कर सकती हैं। अगर ये फिल्में तय समय पर आगे बढ़ती हैं तो 2027 सलमान के फैंस के लिए बड़े सरप्राइज लेकर आ सकता है। वहीं सामंथा, राज निदिमोरु की पत्नी हैं, और उनकी सीरीज 'सिटाडेल: हनी-बनी' का हिस्सा रही हैं। बता दें कि पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर सलमान-सामंथा की जोड़ी दिखाई देगी।

कास्टिंग का फैसला अक्सर हीरो की पसंद-नापसंद पर निर्भर करता है...

तापसी पन्नू एक बार फिर अपने बेबाक बयान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में दिए मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने कहा... 'मेरे करियर में कई बार ऐसा हुआ जब मुझे किसी फिल्म से बाहर कर दिया गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि फिल्म का हीरो मेरे साथ काम नहीं करना चाहता था। कास्टिंग का फैसला अक्सर कहानी या किरदार की जरूरत से ज्यादा हीरो की पसंद-नापसंद पर निर्भर करता है। मुझे ज्यादातर मामलों में सीधे तौर पर यह नहीं बताया गया कि फिल्म से क्यों हटाया गया। ये बातें आप तक सीधे नहीं पहुंचतीं और आपको रिप्लेस कर दिया जाता है।' तापसी ने इशारों-इशारों में कहा कि बाद में मुझे इंडस्ट्री के लोगों से पता चलता है कि मेन एक्टर की असहमति के कारण मैं फिल्म से नहीं जुड़ सकी। हीरो-हीरोइन वाली फिल्मों में कई अहम फैसले अभिनेता ही लेते हैं।'

कल्कि 2898 एडी के लिए कमल हासन को मिले 150 करोड़

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' (2024) के सीक्वल में कमल हासन की भूमिका और भी बड़ी होने वाली है। इसी बीच फिल्ममेकर-एक्टर युगी सेतु ने हाल ही में एक इंटरव्यू में उनकी फीस को लेकर बड़ा दावा किया है। युगी सेतु के मुताबिक, फिल्म के पहले पार्ट के लिए कमल हासन को एक दिन के शूट के लिए 1 मिलियन डॉलर दिए गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि इतनी बड़ी रकम की वजह से कमल हासन भारत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेता बन गए हैं। हालांकि, बाद में युगी ने बताया कि जब उनकी मुलाकात फिल्म के प्रोड्यूसर अश्विनी दत्त से हुई, तो उन्हें असली फीस का पता चला। युगी सेतु ने इंडियाग्लिट्स से बातचीत में कहा, 'कमल सर का स्टेटस ही ऐसा है। उन्हें 'कल्कि 2898 एडी' के लिए 20 दिनों की कॉल शीट के बदले 150 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। उनके जन्मदिन पर मैंने उनसे कहा था कि वह भारत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं और उन्हें एक दिन के लिए 1 मिलियन डॉलर मिल रहे हैं, क्योंकि 20 दिनों के लिए उन्हें 150 करोड़ रुपये दिए गए।'

एक दिन के लिए करीब 2 मिलियन डॉलर

उन्होंने आगे बताया कि कमल हासन ने उन्हें फिल्म के प्रोड्यूसर अश्विनी दत्त से मिलवाया। युगी ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि हमारे दोस्त को भारत का सबसे ज्यादा फीस लेने वाला एक्टर बनाने के लिए धन्यवाद। जब मैंने कहा कि 20 दिनों के लिए 150 करोड़ रुपये, तो उन्होंने जवाब दिया- 'नहीं सर, उन्होंने सिर्फ 10 दिन शूट किया है।' तब मुझे अपनी बात सुधारनी पड़ी, यानि एक दिन के लिए करीब 2 मिलियन डॉलर।' युगी के इस दावे से पहले कई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि कमल हासन को 'कल्कि 2898 एडी' में उनके रोल के लिए 100 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा फीस मिली थी।

'कल्कि 2' के बारे में

फिल्म में कमल हासन ने 'सुप्रीम यास्किन' नाम के एक गॉड-किंग का किरदार निभाया है, जो कॉम्प्लेक्स पर राज करता है। फिल्म के आखिरी में यह हिंट भी दिया गया था कि सीक्वल में कमल हासन का स्क्रीन टाइम और ज्यादा होगा।

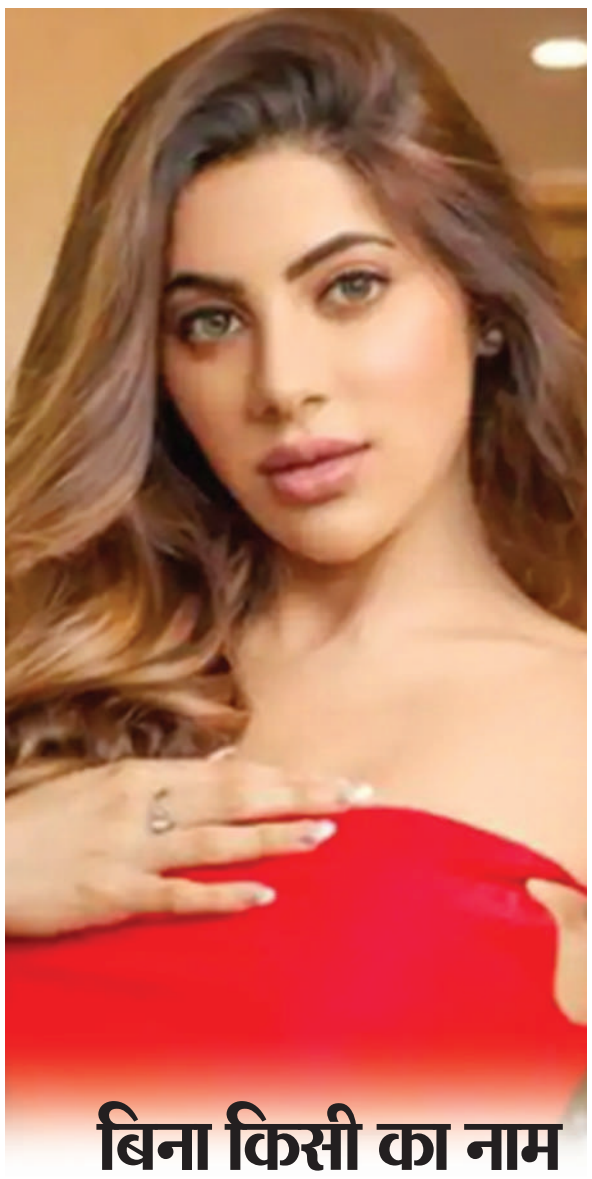

बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने 'द 50' के प्रतियोगियों पर निशाना साधा

निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी 'द 50' से बाहर हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हालिया पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने 'द 50' के कुछ प्रतियोगियों पर निशाना साधा है।

निकी तंबोली ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, 'मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कोलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो। शायद ज्यादा काम आ जाए।' वह आगे लिखती हैं, 'गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे।' निक्की तंबोली ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि वह टीवी एक्टर प्रिंस नरुला और टीवी पर्सनालिटी शिव ठाकरे पर निशाना साध रही हैं। यह दोनों इस वक्त 'द 50' शो का हिस्सा हैं। जब निक्की और उनका बॉयफ्रेंड शो में थे तो शिव ठाकरे और प्रिंस नरुला से कई बार झगड़ा हुआ।

कौन बनेगा शो का विनर?

'द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिंसं नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। 'द 50' शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

पूरी जगन्नाथ की फिल्म में तब्बू और विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करती नज़र आएंगी संयुक्ता

संयुक्ता, जिन्होंने वाथी, भीमला नायक, कडुवा और विरुपाक्ष जैसी फिल्मों में दमदार परफॉर्मेंस देकर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है, आज के समय में सबसे होनहार सितारों में शुमार की जाती हैं। अब वह तैयार हैं एक और बड़े सिनेमाई धमाके के लिए।

निर्देशक पूरी जगन्नाथ की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म में वह आइकॉनिक तब्बू और पावरहाउस एक्टर विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करती नज़र आएंगी। जैसे जैसे इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, संयुक्ता ने हाल ही में तब्बू के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री की एक झलक भी दी। बड़े पैमाने पर बनी इस फिल्म में विजय सेतुपति लीड रोल में हैं, संयुक्ता फीमेल लीड के रूप में दिखेंगी और तब्बू एक बेहद अहम और इंटेंस किरदार में नज़र आएंगी, जिसकी इंडस्ट्री में खूब चर्चा है। फिल्म का निर्माण चार्ममे कौर और पूरी जगन्नाध ने अपने बैनर पुरी कनेक्ट्स के तहत किया है। शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ की तैयारी में है। खुद तब्बू ने इसे साउथ का धमाका बताया है और माहौल भी यही इशारा कर रहा है। हाल ही की बातचीत में संयुक्ता तब्बू की तारीफ करते नहीं थमीं। उन्होंने कहा, वह कुछ अलग ही हैं। जिस अंदाज़ और एनर्जी के साथ वह सेट पर आती हैं, वह बेहद खूबसूरत है। उन्होंने कंदुकोंडेन कंदुकोंडेन जैसी शानदार फिल्म की है, जो मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उसमें वह कमाल लगी थीं और आज भी उतनी ही ग्रेसफुल हैं। जब मैंने उन्हें सेट पर आते देखा तो मैं बस उन्हें देखती रह गई। मुझे पता ही नहीं था कि वह हैदराबाद से हैं। जब उन्होंने शहर के लोगों से बात की तो उनकी हैदराबादी हिंदी सुनकर मुझे बड़ी प्यारी लगी। हमारे बहुत ज्यादा सीन साथ में नहीं थे, लेकिन उनके साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। संयुक्ता के लिए, जो आज बॉक्स ऑफिस पर लगातार सफलताओं के साथ गोल्डन फेज़ में हैं, यह फिल्म सिर्फ एक और प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक खास पड़ाव है। विजय सेतुपति की रॉ इंटेंसिटी, तब्बू की दमदार मौजूदगी और संयुक्ता की तेजी से बढ़ती स्टार पावर मिलकर एक ऐसा सिनेमाई तूफान खड़ा करने वाले हैं जो साउथ के धमाके वाली पहचान को पूरी तरह जस्टिफाई करेगा। आगे का सफर भी उतना ही रोमांचक है। संयुक्ता जल्द ही एक्शन से भरपूर फिल्म बैंज में नजर आएंगी, जो चर्चित लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स में उनकी दमदार एंट्री मानी जा रही है। इसके अलावा तेलुगु प्रोजेक्ट स्वयंभू में भी उनसे एक और यादगार परफॉर्मेंस की उम्मीद की जा रही है। कुल मिलाकर, चैप्टर का यह नया अध्याय सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई उत्सव की शुरुआत लगता है।